जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

बीकानेर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

बीकानेर, रविवार 5 अप्रैल, 2026

ये प्राइस नहीं, सरप्राइज है !

KEDIA सेजस्थान
KOTHI & WALK-UP APARTMENT
अजमेर रोड, जयपुर
बड़ी-बड़ी कोठी, बड़े-बड़े फ्लैट

₹4000/ Sq. Ft में फ्लैट !
₹5000/ Sq. Ft में कोठी !

FIXED PRICE & RENTAL

PRODUCT TYPE	UNIT TYPE	SIZE	FIXED PRICE
WALK-UP APARTMENT	2 BHK (GF)	1350 Sq Ft	65 LACS
	3 BHK (SF)	1900 Sq Ft	75 LACS
	3 BHK (FF)	1900 Sq Ft	80 LACS
KOTHI	3 BHK BIG	2000 Sq Ft	1.05 CRORE
	4 BHK BIGGER	2325 Sq Ft	1.25 CRORE
	4 BHK BIGGEST	3200 Sq Ft	1.55 CRORE

REAL VALUE | REAL GROWTH | REAL ESTATE

KEDIA®
1800-120-2323
78770-72737
info@kedia.com
www.kedia.com
www.rera.rajasthan.gov.in
RERA No. RAJ/P/2023/2387

SCAN QR FOR
• LOCATION
• ROUTE MAP
• SITE 360 TOUR
• E-BROCHURE
• WALKTHROUGH

*T&C Apply

आंदोलन
अशुद्ध के विरुद्ध

KEDIA™
Pavitra

FIXED PRICE

अब राजस्थान पवित्र ही खाएगा

FLOUR: Sharbati Superior Aata 5 Kg ₹ 350; Deshi Chakki Aata 5 Kg ₹ 250; Suji (Semolina) 500 g ₹ 45; Besan 500 g ₹ 70

GRAINS: Sharbati Wheat 10 kg ₹ 650; Deshi Wheat 10 kg ₹ 450; Wheat Dalia 500 g ₹ 45

PULSES: Chana Dal 500 g ₹ 70; Arhar/Toor Dal 500 g ₹ 95; Urad Dal (Chilka) 500 g ₹ 95; Urad Dal 500 g ₹ 95; Masoor Dal 500 g ₹ 95; Masoor Malka 500 g ₹ 95; Moong Dal (Chilka) 500 g ₹ 95; Moong Dal 500 g ₹ 95; Moth 500 g ₹ 125; Green Moong (Whole) 500 g ₹ 125; Rajma Chitra 500 g ₹ 125; Rajma Kashmiri 500 g ₹ 125; Red Rajma 500 g ₹ 125; Kabuli Chana 500 g ₹ 125; Kala Chana 500 g ₹ 125; Green Chana 500 g ₹ 125; Green Peas 500 g ₹ 125

WHOLE SPICES: Cumin/Jeera (Whole) 500 g ₹ 240; Fennel Seeds (Saunf) 200 g ₹ 95; Coriander (Whole) 200 g ₹ 95; Green Cardamom (Elaichi) 50 g ₹ 380; Methi Dana 200 g ₹ 45; Kasuri Methi 50 g ₹ 65; Clove (Laung) 50 g ₹ 120; Black Pepper (Kali Mirch) 50 g ₹ 110; Cinnamon (Dal Chini) 50 g ₹ 140; Rai 200 g ₹ 85; Ajwain 200 g ₹ 95; Imli 200 g ₹ 100

SNACKS: Cheese & Herbs Makhana 35 g ₹ 100; Magic Masala Makhana 35 g ₹ 100; Sour Cream & Onion Makhana 35 g ₹ 100; Himalayan Pink Salt & Black Paper Makhana 35 g ₹ 100; Himalayan Pink Salt Makhana 35 g ₹ 100

RICE & POHA: Platinum Sharbati Rice 1 kg ₹ 120; Elite Basmati Rice 1 kg ₹ 150; Indori Poha 500 g ₹ 75

SWEETENERS: Deshi Jaggery 500 g ₹ 60; Deshi Jaggery Powder 500 g ₹ 70; Mishri Dhaga 500 g ₹ 140; Mishri Powder 500 g ₹ 145

HIGH PROTEIN SNACKS: Mini Soya Chunks 500 g ₹ 100; Roasted Chana 500 g ₹ 100

TEA: Tea 500 g ₹ 300

POWDERED SPICES: Lakadong Turmeric Powder 250 g ₹ 250; Red Chilli Powder 250 g ₹ 150; Coriander Powder 250 g ₹ 100; Amchur Powder 100 g ₹ 95; Himalayan Pink Rock Salt 1 kg ₹ 100; Tufani Hing (Asafoetida) 10 g ₹ 400; Masala Combo ₹ 500

BLENDED SPICES: Garam Masala 100 g ₹ 100; Kitchen King Masala 100 g ₹ 100; Chaat Masala 100 g ₹ 100; Pav Bhaji Masala 100 g ₹ 100; Shahi Paneer Masala 100 g ₹ 100; Daal Makhani Masala 100 g ₹ 100; Rajma Masala 100 g ₹ 100; Tea Masala 100 g ₹ 100; Jalajeera Masala 100 g ₹ 100; Raita Masala 100 g ₹ 100; Chana Masala 100 g ₹ 100; Sambhar Masala 100 g ₹ 100; Chaach Masala 100 g ₹ 100; Sabji Masala 100 g ₹ 100; Poha Masala (Indori Jeeravan) 100 g ₹ 100

DRY FRUITS: California Almonds 250 g ₹ 400; Cashew Nuts 250 g ₹ 400; Pistachios 250 g ₹ 500; Raisins 250 g ₹ 250; Medjool Dates 250 g ₹ 600; Groundnut 500 g ₹ 145; Walnuts 250 g ₹ 600; Mamra Almonds 250 g ₹ 1,250; Makhana 100 g ₹ 250; Anjeer 250 g ₹ 600; Dry Fruits Combo ₹ 1,100

EDIBLE OIL: Filtered Groundnut Oil 1 ltr ₹ 300; Kachi Ghani Mustard Oil 1 ltr ₹ 300

ऑर्डर करने के लिए: प्रोडक्ट के आगे टिक लगाइए और फोटो 90704 90704 पर भेज दीजिए।

रिटेलर हो या कस्टमर :
कॉल लगाओ, गाड़ी बुलाओ
1800 120 2727

54000 + RETAILERS | SUPERMARKETS | WEBSITE | WHATSAPP | APP | TOLL FREE

ORDER ON WEBSITE | ORDER ON WHATSAPP | ORDER ON APP | ORDER ON zepto

T&C Apply

विचार बिन्दु

शिक्षा का महान उद्देश्य ज्ञान नहीं, कर्म है। –हर्बर्ट स्पेन्सर

आयुर्वेद का रोचक इतिहास

आयुर्वेद चिकित्सा की एक प्राचीन प्रणाली है जो कम से कम 5,000 साल पहले भारत में उत्पन्न हुई। शब्द 'आयुर्वेद' का अर्थ जीवन का ज्ञान है। आयुर्वेद को प्राय: 'जीवन का विज्ञान' या 'जीने की कला' भी कहा जाता है। आयुर्वेद की उत्पत्ति और प्रारंभिक सूत्र वेदों में उपलब्ध हैं, जिनका काल 1500 ईसा पूर्व माना जाता है। वेदों में दर्शन, आध्यात्मिकता और चिकित्सा सहित विषयों की एक विस्तृत श्रृंखला के बारे में जानकारी है। ऐसा माना जाता है कि आयुर्वेद के सिद्धांतों को सर्वप्रथम चार वेदों में से एक, अथर्ववेद, में रेखांकित किया गया था। समय के साथ, आयुर्वेद एक व्यापक स्वास्थ्य सेवा प्रणाली के रूप में विकसित हुआ, जिसमें आहार, व्यायाम, ध्यान, उपचार और सर्जरी सहित स्वास्थ्य और कल्याण के सभी पहलुओं को शामिल किया गया। आयुर्वेदिक चिकित्सकों ने मानव शरीर की गहरी समझ विकसित की। साथ ही मानव शरीर और पर्यावरण के बीच परस्पर संबंध को भी व्यापक रूप से समझा।इस ज्ञान का उपयोग रोगियों के लिए व्यक्तिगत उपचार योजना विकसित करने के लिए किया।

आयुर्वेद भारत में हजारों वर्षों तक फलता-फूलता रहा, लेकिन औपनिवेशिक युग के दौरान इसे कठिन चुनौतियों का सामना करना पड़ा। इस काल में पश्चिमी चिकित्सा स्वास्थ्य सेवा का प्रमुख रूप बनती गई। हालाँकि, हाल के वर्षों में, भारत और दुनिया भर में आयुर्वेद में नए सिरे से रुचि पैदा हुई है, और अब इसे एक मूल्यवान पूरक चिकित्सा के रूप में मान्यता प्राप्त है। आज, आयुर्वेद भारत में व्यापक रूप से प्रचलित है और दुनिया के अन्य हिस्सों में भी इसने लोकप्रियता हासिल की है। आयुर्वेद के सिद्धांत इस विचार पर आधारित हैं कि प्रत्येक व्यक्ति अद्वितीय है और उसका अपना व्यक्तिगत दोष संतुलन है। तीन मुख्य दोष हैं: वात, पित्त और कफ। प्रत्येक दोष विशिष्ट विशेषताओं और असंतुलन से जुड़ा होता है, और आयुर्वेदिक चिकित्सक इस जानकारी का उपयोग बीमारियों के निदान और उपचार के लिए करते हैं। पश्चिमी चिकित्सा के विपरीत, जो लक्षणों के इलाज पर ध्यान केंद्रित करती है, आयुर्वेद का उद्देश्य बीमारी के मूल कारण को दूर करना और शरीर और दिमाग में संतुलन बहाल करना है।

हालाँकि आयुर्वेद का एक लंबा और समृद्ध इतिहास है, पर इसे विवादों में घसीटने का इतिहास भी कम लम्बा नहीं है। कुछ आलोचकों को आयुर्वेदिक उपचारों की सुरक्षा और प्रभावकारिता के बारे में चिंता लगी रहती है। इसके अतिरिक्त, दूषित आयुर्वेदिक उत्पादों के रोगियों को नुकसान पहुँचाने के बारे में भी अब बहुत प्रकाशन होता है। इन आलोचनाओं के बावजूद, आयुर्वेद चिकित्सा लोकप्रिय और कारगर है, और दुनिया भर के असंख्य लोगों ने आयुर्वेदिक उपचारों के माध्यम से उन रोगों से राहत पाई है जिन्हें आधुनिक चिकित्सा पद्धति ठीक नहीं कर पाती। समकालीन विश्व में जैसे-जैसे प्राकृतिक और पूर्ण स्वास्थ्य सेवा में रुचि बढ़ रही है, आयुर्वेद चिकित्सा की भूमिका भी बढ़ती जा रही है।

आयुर्वेद को मूल रूप से अथर्ववेद का उपवेद माना जाता है। इसका मूल कारण यह है कि अथर्ववेद में न केवल बहुत स्पष्ट रूप से चिकित्सा का वर्णन है, अपितु ऋग्वेद की तुलना में औषधियों की संख्या भी अधिक अंकित है। यह बात सत्य है कि ऋग्वेद का औषधि सूक्त आयुर्वेद का सबसे पुराना दस्तावेज है, किन्तु अथर्ववेद में भारतीय चिकित्सा पद्धित का तुलनात्मक रूप से अधिक प्रायोगिक विस्तार मिलता है।

आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति भारत की मूल्यवान और अनोखी धरोहर है। आयुर्वेद का उद्भव काल 6000 ई. पू. माना जाता है, पर मतभिन्नता के बावजूद इसे 5000 साल पुरानी चिकित्सा पद्धति तो माना ही जाता है। आयुर्वेद का सबसे पुराना उपलब्ध ग्रन्थ ई. पू. पांचवी शताब्दी में आचार्य चरक द्वारा लिखित चरक संहिता है। उसके पश्चात् सुश्रुत संहिता, अष्टांग हृदय, सारंगधर संहिता, माधव निदान, भावप्रकाश आदि ग्रन्थ लिखे गये। इनमें से चरक संहिता से प्रारंभ कर 15वीं शताब्दी में लिखित भावप्रकाश तक का समयकाल लगभग 2000 वर्ष का है। इस यात्रा में आचार्य नागार्जुन की रस औषधियों सहित तमाम रोचक नवाचार हुये जो आज भी आयुर्वेद चिकित्सा के माध्यम से लोगों के चेहरे पर मुस्कराहट ला रहे हैं।

संक्षेप में देखा जाये तो अथर्ववेद काल में चिकित्सा मुख्य रूप से देवताओं के ऊपर आश्रित मानी जाती थी, यही कारण है कि इस प्रकार की चिकित्सा को बाद में आयुर्वेद संहिता काल में दैव-व्यापाश्रय चिकित्सा के रूप में जाना गया है। अथर्ववेद काल की चिकित्सा में एक महत्वपूर्ण बात यह है कि एक रोग के लिए एक औषधि का प्रयोग ही दृष्टिगत होता है, किन्तु साथ ही उपचार में देवताओं, मंत्रों, पूजा-पाठ आदि अनिवार्य रूप से प्रयुक्त हुये। दैवव्यपाश्रय चिकित्सा का यह श्रेष्ठ काल रहा है।

अथर्ववेद परम्परा का कौशिक सूत्र इस परम्परा का अगला पड़ाव माना जाता है। कौशिक सूत्र मूलत: अथर्ववेद परम्परा का सूत्र है। अत: स्वाभाविक रूप से अथर्ववेद की चिकित्सा तथा औषधीय पौधों के संदर्भ और प्रक्रिया यथावत पायी जाती है। तथापि अथर्ववेद और कौशिक सूत्र दोनों में उपलब्ध चिकित्सा विवरण में कुछ मूलभूत अन्तर है।

जहां एक ओर अथर्ववेद में एक रोग के लिये एकल औषधि और साथ में पूजा-पाठ का विधान प्रयुक्त किया गया है, वहीं कौशिक सूत्र में पूजा-पाठ का विधान तो है परन्तु एकल औषधियों की जगह रोगों के लिये अनेक औषधियों के मिश्रण या योग का प्रयोग हुआ। दूसरा अंतर यह आया कि कौशिक सूत्र में ऐसी अनेक औषधियां वर्णित हैं, जिनका संदर्भ अथर्ववेद में नहीं मिलता है। इसका स्पष्ट तात्पर्य यह हुआ कि आयुर्वेद के विकास की यात्रा में अथर्ववेद एक महत्वपूर्ण पड़ाव है, किन्तु बाद में रचित कौशिक सूत्र में नई औषधियों और रोगों के लिये नवाचारी योग जुड़ गये। हालांकि कौशिक सूत्र में भी स्पष्टतया पूजा-पाठ को चिकित्सा में उपयोग लेने की अथर्व परम्परा को तो यथावत दिया गया, परन्तु केवल पूजा-पाठ और एक औषधि की बजाय बहुत औषधियां योग देने का तात्पर्य यह लगाया जाता है कि पूजा-पाठ के साथ-साथ औषधियों को भी बराबर का महत्त्व दिया गया है। अथर्व परम्परा का कौशिक सूत्र निश्चित रूप से आयुर्वेद के विकास में एक मील का पत्थर है। परन्तु यह भी सही है कि चिकित्सा के मूल दर्शन के रूप में पूजा-पाठ (दैवव्यपाश्रय चिकित्सा) आदि को कौशिक सूत्र में भी बराबर महत्व दिया गया है।

आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति भारत की मूल्यवान और अनोखी धरोहर है। आयुर्वेद का उद्भव काल 6000 ई. पू. माना जाता है, पर मतभिन्नता के बावजूद इसे 5000 साल पुरानी चिकित्सा पद्धति तो माना ही जाता है। आयुर्वेद का सबसे पुराना उपलब्ध ग्रन्थ ई. पू. पांचवी शताब्दी में आचार्य चरक द्वारा लिखित चरक संहिता है। उसके पश्चात् सुश्रुत संहिता, अष्टांग हृदय, सारंगधर संहिता, माधव निदान, भावप्रकाश आदि ग्रन्थ लिखे गये।

आगे चलकर संहिताकाल, जो लगभग 1000 वर्ष ईसा पूर्व से लेकर पहली शताब्दी तक माना जा सकता है, को आयुर्वेद का स्वर्णकाल कहा जाता है। एक अत्यन्त महत्वपूर्ण बात यह है कि संहिताकाल में उस समय तक चिकित्सा का जो भी ज्ञान वेदों, उपनिषदों, ब्राम्हणों या सूत्रों में उपलब्ध था, उस सम्पूर्ण ज्ञान को एकत्र कर संहिताकाल में आचार्यो ने जांच-परख कर और प्रत्यक्ष प्रायोगिक परीक्षण कर संहिताबद्ध किया। यही कारण है कि आयुर्वेद की मूल संहिताओं में चिकित्सा यर्थातत: युक्ति-व्यापाश्रय (प्रमाण-आधारित या रेशनेल मेडिसन) में बदल गई। इस प्रकार अंतत: आयुर्वेद पूर्णत: वैज्ञानिक धरातल पर आ गया।

संहिताकाल का आयुर्वेद वांग्मय मूल रूप से चरकसंहिता और सुश्रुतसंहिता में उपलब्ध है। चरकसंहिता मूलत: कायचिकित्सा से संबंधित ठान्थ है, जबकि सुश्रुत संहिता मूलत: शल्यचिकित्सा से संबंधित है। दोनों में इस असमानता के बावजूद दोनों संहितायें प्रमाण-आधारित वैज्ञानिक दृष्टिकोण को ही प्रतिपादित करती हैं। इन संहिताओं में प्रमाण, कारण-कार्य प्रभाव, तर्क-संगतता आदि को उतना ही महत्व दिया गया है जितना कि आज के वैज्ञानिक शोध में दृष्टिगोचर होता है। यही कारण है कि पूरा विश्व आचार्य सुश्रुत को शल्य-चिकित्सा का जन्मदाता मानता है।

आचार्य सुश्रुत ने शल्य क्रिया के इतने विस्तृत सूत्र और विधियाँ लिखा कि उसमें कोई ऐसा कदम नहीं छूटा जिसे आज आधुनिक विज्ञान ने बिल्कुल नये सिरे से खोजा हो। यहाँ तक कि शल्य क्रिया में प्रथक से काम आने वाले जो औजार जगह आचार्य सुश्रुत ने डिजाइन किये उसमें कोई बहुत बड़ा परिवर्तन आज भी नहीं आया है। लगभग समान औजार आज भी प्रयुक्त हो रहे हैं। आप यह कह सकते हैं कि इन औजारों के निर्माण के लिये आज बेहतर तकनीक तो उपलब्ध है, किन्तु उनके मूलभूत डिजाइन में कोई विषेष अन्तर नहीं आया है।

इस संक्षिप्त चर्चा से स्पष्ट हो जाता है कि वैदिक काल से लेकर संहिता काल तक और संहिता काल से आज तक आयुर्वेद के विकास की एक बड़ी रोचक यात्रा रही है।

आधुनिक विज्ञान की दृष्टि से परखने पर चरक संहिता शरीर-विज्ञान, भ्रूणविज्ञान, फिजियोलॉजी, फार्माकोलॉजी, खाद्य एवं पोषण, पाचनतंत्र एवं पाचन-क्रियाविज्ञान, रक्त-परिसंचरण तंत्र, मानस-विज्ञान, रोग निदान-विज्ञान, प्रिवेंटिव कार्डियोलॉजी, मेडिको-बॉटनी, एवं काय-चिकित्सा जैसे अनेक विषयों का महत्वपूर्ण ग्रन्थ है।

आज विश्वभर के वैज्ञानिक अपने शोध-पत्रों के प्रकाशन में पूर्ववर्ती शोध का संदर्भ देते हैं, ठीक उसी प्रकार प्राचीन आयुर्वेदाचार्यों ने, समय और ज्ञान की लंबी यात्रा में उत्तरोत्तर, अपने पूर्ववर्ती विद्वानों की शोध का विवरण देते हुये आयुर्वेद को उत्तरोत्तर स्वयं के अनुभवों से परिष्कृत किया। चरक संहिता में वर्णित औषधीय पौधों की प्रजातियों की संख्या और उपयोगिता का वर्णन बाद के ग्रन्थों में निरंतर बढ़ता गया है। चरक संहिता में कुल 627 औषधीय पादपों को पहचाना जा सका है। सुश्रुत संहिता और अष्टांगहृदय सहित मुख्य ठांथों को मिलायें तो 1250 औषधीय पौधों का आयुर्वेद में अधिक उपयोग हो रहा है।

आचार्यों ने अपने पूववर्ती विद्वानों द्वारा बताई गई औषधियों पर प्रमाण-आधारित भरोसा किया। साथ ही, स्वस्थ व्यक्तियों के स्वास्थ्य की रक्षा और रोगियों की रुग्णता शान्त करने के लिये समय के साथ नई-नई औषधियों की खोज, या पूर्व से ज्ञात औषधियों के नवीन गुणों को पहचाना, परिभाषित किया और अपने ग्रन्थों में उल्लेख किया।

समय के साथ बढ़ती विशेषज्ञता भी बड़ी रोचक है। चरक संहिता में यद्यिप आयुर्वेद चिकित्सा के सभी अंगों को समाहित किया गया, परंतु मूल ध्यान काय-चिकित्सा और रसायन चिकित्सा की ओर ही रहा। आचार्य सुश्रुत ने आयुर्वेद के विभिन्न पहलुओं का विवरण दिया, परंतु सुश्रुत संहिता में विशेषज्ञता शल्यक्रिया में केन्द्रित रही। काश्यप संहिता बाल एवं महिला स्वास्थ्य पर केन्द्रित है। आचार्य चक्रदत्त ने एकल औषधि चिकित्सा पद्धति में विशेषज्ञता विकसित कर लिखा। इसी प्रकार पॉली-हर्बल या बहु-पादपीय औषधियों द्वारा चिकित्सा में आचार्य सारंगधर का कोई सानी नहीं है।

आयुर्वेद में आधुनिक वैज्ञानिक शोध हालाँकि अभी बहुत अधिक नहीं है, फिर भी स्कोपस डेटाबेस से ज्ञात होता है कि वर्ष 1923 से 2025 के दौरान प्रकाशित कुल 65,508 शोधपत्रों में कहीं न कहीं आयुर्वेद का उल्लेख हुआ है, उनमें से 16,146 शोधपत्र विशेषकर आयुर्वेद पर केन्द्रित हैं। इसके अतिरिक्त आयुर्वेद में प्रयुक्त औषधीय पौधों पर कम से कम 15 लाख से अधिक शोधपत्र हैं। पिछले एक दशक के दौरान भारत के कई दिग्गज वैज्ञानिकों और आयुर्वेदाचार्यों की शोध ने आयुर्वेद का प्रमाण-आधार बहुत मजबूत किया है। आयुर्वेदिक बायोलॉजी, आयुर्वेदिक जीनोमिक्स, होल-सिस्टम क्लिनिकल ट्रायल्स आदि में उपयोगी कार्य हो रहा है। आधुनिक विज्ञान के समावेश से आयुर्वेद का और बेहतर उपयोग मानवता के कल्याणार्थ किया जा सकता है, परन्तु यह तभी संभव है जब वर्ष 1600 से 1947 के मध्य आयुर्वेद को दुर्बल करने के जितने भारी प्रयास हुये, उससे दुगने प्रयास अब इसे आगे बढ़ाने के लिये किये जायें।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ. दीप नारायण पाण्डेय,
(इंडियन फारेस्ट सर्विस से सेवानिवृत्त, वर्तमान में राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान में विजिटिंग प्रोफेसर)
(यह लेखक के निजी विचार हैं और 'सार्वभौमिक कल्याण के सिद्धांत' से प्रेरित हैं।)

एक राष्ट्र, एक चुनाव- लोकतंत्र का नया क्षितिज

सुनील भार्गव

भारतीय लोकतंत्र अपनी जीवंतता और विविधता के लिए विश्व विख्यात है। स्वतंत्रता के पश्चात से अब तक लोकसभा और विधानसभाओं के 400 से अधिक चुनावों ने हमारी चुनावी प्रणाली की पारदर्शिता और निष्पक्षता को प्रमाणित किया है। लेकिन गत कुछ दशकों में निरंतर चुनावी मोड में रहने की विवशता ने देश के विकास और शासन की गति को कहीं न कहीं बाधित किया है। इसी परिप्रेक्ष्य में एक राष्ट्र, एक चुनाव की अवधारणा प्रशासनिक सुधार के साथ ही भारतीय लोकतंत्र को नई ऊंचाइयों पर ले जाने वाला एक दूरदर्शी विचार है। पूर्व राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद की अध्यक्षता वाली उच्च स्तरीय समिति की रिपोर्ट और 18 सितंबर 2024 को केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा दी गई इसकी स्वीकृति ने इस दिशा में एक निर्णायक कदम बढ़ाया है। राजस्थान जैसे राज्य, मे पंचायत और स्थानीय निकाय चुनावों के संदर्भ में भी इस सुधार की प्रासंगिकता है।

हमारी देश में 1951-52 के पहले आम चुनाव से लेकर 1967 तक लोकसभा और विधानसभाओं के चुनाव साथ-साथ ही संपन्न होते थे। लेकिन 1968-69 में कुछ विधानसभाओं के समय पूर्व भंग होने और 1970 में चौथी लोकसभा के समय से पहले विघटन ने इस सुनहरे चक्र को तोड़ दिया। राजस्थान के संदर्भ में विधानसभा चुनावों के साथ-साथ स्थानीय निकायों और पंचायतों के अलग-अलग समय पर होने वाले चुनावों ने राज्य को एक स्थाई चुनावी शिविर में बदल दिया है। इस विखंडन ने राजकोष पर बोझ बढ़ाने के साथ ही प्रशासनिक मशीनरी को भी जनसेवा से हटाकर चुनावी ड्यूटियों में उलझाए रखा है।

रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता वाली समिति ने 21,500 से अधिक नागरिकों और 47 राजनीतिक दलों से परामर्श के बाद जो खाका खींचा है, वह अत्यंत व्यावहारिक है। समिति ने दो चरणों में कार्यान्वयन का सुझाव दिया है। प्रथम चरण में लोकसभा और राज्य विधानसभा चुनावों का समन्वय और द्वितीय चरण में इन चुनावों के 100 दिनों के भीतर नगरपालिकाओं और पंचायतों (स्थानीय निकायों) के चुनाव संपन्न कराना है। राजस्थान गवाह है कि पिछली कांग्रेस सरकार ने अपनी राजनीतिक रोटियां सेंकने के लिए पंचायत चुनावों को फुटबॉल बना दिया था। पंचायती राज के चुनावों को लगभग दो साल तक लंबा खींचकर कांग्रेस ने ग्रामीण राजस्थान के विकास पर अघोषित आपातकाल लगा दिया था। महीनों तक चलने वाले चरणों और बार-बार लगने वाली आचार संहिता के नाम पर विकास कार्यों को ठप रखना और प्रशासनिक मशीनरी को पंगु बना देना कांग्रेस की कार्यशैली रही। ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क, पानी व बिजली जैसी बुनियादी सुविधाएं फाइलों में दबी रह गई।

चुनाव के समय लगने वाली आचार संहिता के परिणामस्वरूप नई कल्याणकारी योजनाओं की घोषणा और चालू परियोजनाओं का क्रियान्वयन रुक जाता है। वर्तमान में, चुनाव कराने के लिए शिक्षकों, पुलिस बल और प्रशासनिक अधिकारियों की बार-बार तैनाती की जाती है। एक राष्ट्र, एक चुनाव से इस जनशक्ति का अपव्यय रुकेगा। दूरदराज के मरुस्थलीय इलाकों में मतदान केंद्रों तक सुरक्षा और रसद पहुंचना एक चुनौतीपूर्ण कार्य है। एक साथ चुनाव होने से यह रसद संबंधी चुनौती एक ही बार में हल हो जाएगी।

चुनावों पर होने वाला भारी खर्च अंतत: करदाताओं का ही पैसा है। बार-बार मतदाता सूची तैयार करना, इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों का परिवहन और सुरक्षा व्यवस्था पर अरबों रुपये खर्च होते हैं। सेंटर फॉर मीडिया स्टडीज की रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव पर अनुमानित व्यय 1.35 लाख करोड रुपए का हुआ था अर्थात एक वोट की औसतन लागत 1400 रुपए थी।

समिति द्वारा एकल मतदाता सूची और एकल फोटो पहचान पत्र की सिफारिश राजस्थान निर्वाचन आयोग और भारत निर्वाचन आयोग के बीच डेटा के दोहराव को समाप्त कर वित्तीय बोझ को कम करेगा।कोविंद समिति का तर्क है कि यह व्यवस्था स्थानीय मुद्दों को उपयुक्त मंच पर लाने का अवसर देगी। एक राष्ट्र, एक चुनाव प्रशासनिक सुविधा और सहकारी संघवाद की भावना को सशक्त करने का एक माध्यम है। देश की 80 प्रतिशत जनता की सकारात्मक प्रतिक्रिया यह दर्शाती है कि देशवासी अब चुनावी थकान से मुक्ति और विकास की निरंतरता चाहते हैं। राजस्थान इस सुधार को अपनाकर मरुधरा के विकास की गति को तीव्र कर सकता है। बार-बार चुनावी शोर-शराबे के बजाय, एक साथ चुनाव शिक्षा, स्वास्थ्य और बुनियादी ढांचे जैसे मूल मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करने का अवसर प्रदान करेगा। यह सुधार हमें सबसे कुशल और संगठित लोकतंत्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा।

–सुनील भार्गव,
सीए एवं आर्थिक मामलों के विशेषज्ञ।

सोशल मीडिया का किशोरों व युवाओं पर प्रभाव

मीनाक्षी धारीवाल

सोशल मीडिया आज की जिंदगी का एक बहुत जरूरी हिस्सा बन गया है विशेषकर किशोरों एवं युवाओं के लिए। तेज़ी से स्मार्ट फोन अपनाने व सस्ते इंटरनेट के साथ यूट्यूब इंस्टाग्राम, फ़ेसबुक, वाट्सएप, स्नैपचैट आदि प्लैटफ़ार्म युवाओं के बातचीत के तरीके,लाइफ़स्टाइल,राय और पहचान बनाने में अहम भूमिका निभाते हैं। सोशल मीडिया सीखने, जुड़ने और स्वयं को साबित करने के कई मौके देता है लेकिन इसका अतिउपयोग कई मुसीबतें भी खड़ी कर सकता है जो किशोरों और युवाओं के सामाजिक, शैक्षिक व मनोवैज्ञानिक विकास पर कुप्रभाव डालता है। अत: आज आवश्यकता इस बात की है कि युवा पीढ़ी इसके अंधेरे और उजाले पक्ष को अच्छे से समझे और जिम्मेदारी के साथ इसका उपयोग करे ताकि न स्वयं और न समाज व राष्ट्र को कोई हानि पहुंचे।

सोशल मीडिया का सबसे सकारात्मक प्रभाव यही है कि दुनिया के किसी भी कोने से युवा अपने दोस्तों,परिवार या सहकर्मियों से बातचीत के द्वारा जुड़ सकते हैं। एक सर्वे में 72 प्रतिशत युवाओं का कहना था कि सोशल मीडिया ने उन्हें आपस में जुड़े रहने, पढ़ाई, कौशल विकास में बहुत मदद की विशेषकर कोविड के समय। यह डिजिटल लिटरेसी, संवाद,रचनात्मकता और उधमिता जैसे क्षेत्रों में कौशल विकास के मौके भी खूब देता है। सोशल मीडिया ने सामाजिक न्याय, मानसिक स्वास्थ्य, वातावरणीय मुद्दों आदि अनेक विषयों पर जागरूकता बढ़ाने और युवाओं की आवाज़ को मुखर बनाने का काम बखूबी किया है। सामाजिक विषयों जैसे मी टू, क्लाइमेट चेंज कैम्पेन, लैंगिक समानता, भ्रष्टाचार निरोधी अभियान आदि को इसलिए ही सफलता मिली क्योंकि इनमें किशोरों और युवाओं ने ऑनलाइन भाग लिया। किशोर व युवा अपनी समस्याओं को ऑनलाइन सपोर्ट कम्यूनिटी ग्रुप्स में अक्सर साझा करते हैं। सोशल मीडिया उन्हें मेंटल हैल्थ से जुड़े हुए जागरूकता समूहों व हेल्पलाइन से जोड़ देता है जहां ये अपनी दैनिक समस्याओं का निवारण कर सकते हैं। इन लाभों के अलावा इसका अत्याधिक प्रयोग किशोरों व युवाओं पर गंभीर नकारात्मक प्रभाव भी डाल रहा है। वर्तमान की सबसे बड़ी चिंता उनका मानसिक स्वास्थ्य है जो इससे अत्याधिक प्रभावित हो रहा है। एक सर्वे बताता है कि जो किशोर सोशल मीडिया पर हर दिन दो घंटे से अधिक समय बिताते हैं, उनमें चिंता, अवसाद व तनाव के लक्षण अधिक दिखाई दे रहे हैं और घर, पढ़ाई व अन्य गतिविधियों मे उनकी रुचि कम हो गई।

सोशल मीडिया संस्कृति अधिकतर आदर्श लाइफ़स्टाइल व आडंबरों का दिखावा हो गई है। आई सी एस एस आर के सर्वे में पाया गया कि 65 प्रतिशत किशोर खुद की तुलना इंफ्लुएंसर से करते हैं और खुद को कम आँकते हैं, यह एक ऐसा पैटर्न है जो आत्मविश्वास कम करता है और अस्वास्थ्यकर शारीरिक छवि की समस्याओं को बढ़ाता है। लाईक्स, कमेंट्स और फोलोवेर्स पाने का दबाव अक्सर असली सेल्फ वर्थ के बजाय ऑनलाइन प्रसिद्धि के आधार पर मान्यता की भावना पैदा करता है। सायबरबुलिंग, ट्रोलिंग, ऑनलाइन उत्पीड़न आदि किशोरों और युवाओं में भावनात्मक परेशानियों को बहुत ज्यादा बढ़ा देते हैं। टीनएजर्स को ट्रोलिंग, बॉडीशेमिंग वाले कमेंट्स का सामना भी करना पड़ सकता है। नॉर्थ इंडिया सर्वे में पाया गया कि इन्स्टाठााम व व्हाट्सएप पर 4 में से 1 किशोर सायबरबुलिंग का सामना कर रहा है। इससे उनमें भावनात्मक असुरक्षा, समाज से दूरी और आत्महत्या के विचार तक आ सकते हैं। यह न तो उनके लिए और न ही समाज व राष्ट्र के लिए हितकारी है, जो युवा ताकत स्वयं के व राष्ट्र के विकास में लगनी चाहिए वह व्यर्थ ही नष्ट हो रही है। किशोर व युवा फीड्स स्क्रोल करने, रील्स देखने या ऑनलाइन चैटिंग में इतना ज्यादा समय बिता रहें हैं कि उनकी नियमित दिनचर्या, नींद व शारीरिक स्वास्थ्य पर गहरा खतरा मंडरा रहा है। इससे उनकी एकाग्रता में कमी, पढ़ाई में खराब प्रदर्शन, खेलकूद में व पारिवारिक गतिविधियों में दिलचस्पी कम होती जा रही है। सोशल मीडिया का इनके सामाजिक व्यवहार पर भी गहरा प्रभाव पड़ता है। ऑनलाइन दोस्त और इंटरएक्शन तो बहुत है लेकिन वास्तविक जीवन की व्यावहारिकता व असली दोस्त नदारद हैं, आमने-सामने की बातचीत व सम्बन्धों को निभाने का कौशल न के बराबर है जो की एक चिंता जनक तथ्य है। सोशल मीडिया ट्रेंड्स व साथियों के दबाव के चलते उनके व्यवहार पर व दृष्टिकोण पर प्रभाव पड़ता है, कभी-कभी जोखिम भरे व्यवहार में सम्मिलित होकर वे अपना, परिवार का व समाज का बहुत बड़ा नुकसान भी कर देते हैं। किशोर व युवा लोग सोशल मीडिया पर अपनी व्यक्तिगत फोटो व लोकेशन साझा कर देते हैं जिससे उनकी निजता पर आघात हो सकता है।

निष्कर्ष रूप में यह कहा जा सकता है कि सोशल मीडिया का किशोरों व युवाओं पर बहुत गहरा प्रभाव पड़ता है, जो मौके भी देता है और चुनौतियाँ भी। हालांकि यह संवाद, सीखने, रचनात्मकता व सामाजिक जागरूकता को बढ़ाता है लेकिन इसका बहुत ज्यादा व बिना नियंत्रण का प्रयोग किशोरों व युवाओं के मानसिक स्वास्थ्य, अकादमिक प्रदर्शन और सामाजिक सम्बन्धों पर गंभीर असर डाल सकता है। इसलिए माता-पिता, शिक्षकों और पॉलिसी बनाने वालों के लिए यह ज़रूरी है कि वे युवाओं व किशोरों को सोशल मीडिया का ज़िम्मेदारी से और संतुलित प्रयोग करने के लिए मार्ग प्रशस्त करें। 2025-26 के इकोनोमिक सर्वे के अनुसार 15-29 वर्ष के किशोरों व युवाओं में अत्यधिक सोशल मीडिया एडिक्शन है। सोशल मीडिया एडिक्शन की भयावहता का अंदाज़ा इस घटना से लगाया जा सकता है जो फरवरी 2026 में घटित हुई। जब तीन किशोर बहनों ने (12-16 वर्ष) एक साथ आत्महत्या कर ली जो कि फोन पर 20 घंटे ऑनलाइन कंटैंट और गेमिंग में बिताती थी। ज्यादा समय स्क्रीन पर रहने से अलगाव व अवसाद की भावना ने उन्हें घेर लिया जिससे वे स्वयं बाहर निकलने में असमर्थ रही होंगी अत: आवश्यक है कि ऐसे बच्चों को घरवालों का सहयोग मिले और साथ ही परामर्श भी मिले तो स्थिति को नियंत्रित किया जा सकता है और बच्चों को ऐसा कदम उठाने से रोका जा सकता है।

अब प्रश्न यह उठता है कि किशोरों व युवाओं कि मदद कैसे की जाये? इसका जवाब हम कुछ रचनात्मक उपायों को अपना कर दे सकते हैं। डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा देकर, स्वास्थ्य सीमाएँ बनाकर, स्क्रीन से दूर रहकर शारीरिक व पारंपरिक गतिविधियां अपनाकर बहुत हद तक इस समस्या का निवारण किया जा सकता है। किशोरों को वास्तविक दुनिया से अवगत कराया जाये, सामाजिक व्यवहार कौशल घर और विद्यालय में सिखाया जाये और मेंटल हैल्थ सपोर्ट दिया जाए ताकि वे अवसाद, चिंता व साइबर बुलिंग से अपना बचाव कर सकें और माताओं की कोख फिर इस वजह से न उजड़े। अगर सोशल मीडिया का प्रयोग समझदारी से किया जाए तो युवाओं व किशोरों का सामाजिक व व्यक्तिगत विकास सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ सकता है।

-डॉ. मिनाक्षी धारीवाल,
कनोडिया महाविद्यालय

शिविरा पंचांग 2026-27 में अवकाश कटौती पर शिक्षक संघ का विरोध

राजस्थान शिक्षक संघ (अंबेडकर) ने शिक्षा मंत्री को पत्र भेजा

अनूपगढ़, (निसं)। राजस्थान शिक्षक संघ (अंबेडकर) ने शिविरा पंचांग 2026-27 में अवकाशों में की गई कटौती का कड़ा विरोध दर्ज कराया है। संगठन ने शिक्षा मंत्री को इस संबंध में सुधार करने की मांग को लेकर एक पत्र भेजा है।

- **संगठन ने चेतावनी दी है कि यदि अवकाश कटौती को शीघ्र वापस नहीं लिया तो आंदोलन किया जाएगा**
- **'ग्रीष्मकालीन अवकाश को 30 जून के बजाय 20 जून तक सीमित करना प्रदेश की भीषण गर्मी को देखते हुए अनुचित है'**

संगठन के प्रदेश अध्यक्ष कृष्ण बारूपाल ने इस कटौती को अव्यावहारिक बताया। उन्होंने कहा कि ग्रीष्मकालीन, मध्यावधि और संस्था प्रधान के विवेकाधीन अवकाशों में कमी शिक्षकों और छात्रों दोनों के हितों के खिलाफ है। प्रदेश महामंत्री सोहन जोहरम के अनुसार, ग्रीष्मकालीन अवकाश को 30 जून के बजाय 20 जून तक सीमित करना प्रदेश की भीषण गर्मी को देखते हुए अनुचित है। साथ ही, संस्था प्रधान के विवेकाधीन अवकाश में कटौती से स्कूलों का संचालन प्रभावित होगा और प्रशासनिक जटिलताएं बढ़ेंगी। संगठन ने बताया कि पूर्व में शिक्षा मंत्री की अध्यक्षता में हुई बैठक में भी इस कटौती का विरोध किया गया था। इसके बावजूद विभाग ने एकतरफा निर्णय लागू किया, जिसे निराशाजनक बताया गया है। शिक्षक संघ का कहना है कि शैक्षिक सुधार अवकाश घटाने से नहीं, बल्कि शिक्षकों को गैर-शैक्षणिक कार्यों से मुक्त कर शिक्षण पर केंद्रित करने से संभव है। संगठन ने चेतावनी दी है कि यदि अवकाश कटौती को शीघ्र वापस नहीं लिया गया तो आंदोलन किया जाएगा।

अवैध बजरी से भरे वाहन जब्त

जोधपुर, (कासं)। लूणी थाना पुलिस ने अवैध खनन एवं परिवहन के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए बजरी से भरे वाहनों सहित पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

थानाधिकारी सुरेश चौधरी ने बताया कि लूणी नदी से अवैध रूप से बजरी का खनन कर उसका परिवहन किया जा रहा था। इस संबंध में सूचना प्राप्त होने पर पुलिस टीम ने मौके पर दबिश दी। कार्रवाई के दौरान बजरी से भरा एक डम्पर, एक खाली डम्पर तथा एक बिना नंबर की जेसीबी मशीन जब्त की गई। इस अवैध खनन में संलिप्त आरोपियों में रमेश पटेल पुत्र केवलराम पटेल, तेजाराम पुत्र भलाराम जाट, लिखमाराम पुत्र केवलराम पटेल, विरेंद्र पुत्र सोनाराम पटेल तथा बिरमनाथ पुत्र देवनाथ को दस्तयाब कर गिरफ्तार किया गया।

राशिफल रविवार 5 अप्रैल, 2026

पंडित अनिल शर्मा

वैशाख मास, कृष्ण पक्ष, तृतीया तिथि, रविवार, विक्रम संवत 2083, विशाखा नक्षत्र रात्रि 12:08 तक, वज्र योग दिन 2:44 तक, विष्टि करण दिन 12:00 तक, चन्द्रमा सायं 5:28 से वृश्चिक राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-मीन, चन्द्रमा-तुला, मंगल-मीन, बुध-कुम्भ, गुरू-मिथुन, शुक्र-मेष, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह

आज भद्रा दिन 12:00 तक है। आज संकष्ट चतुरथी व्रत है। चन्द्रोदय जयपुर में रात्रि 9:56 पर होगा। आज इस्टर सण्डे है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर 7:50 से 9:24 तक, लाभ-अमृत 9:24 से 12:30 तक, शुभ 2:03 से 3:36 तक।

राहूकाल: 4:30 से 6:00 तक। सूर्योदय 6:17, सूर्यास्त 6:42

मेष
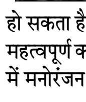
परिवार में आपसी सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। परिवार में आपसी सहयोग से महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं।

वृष
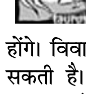
मित्रों/रिश्तेदारों से चल रहे आपसी मतभेद समाप्त होंगे। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। दिनचर्या में सुधार होगा। स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी।

मिथुन
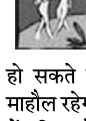
परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है।

कर्क

परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। परिवार में धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।

सिंह
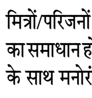
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। मित्रों/परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। आज नये-पुराने मित्रों के साथ मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं।

कन्या
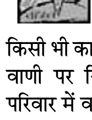
स्वास्थ्य संबंधित मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी। किसी भी कारण से मन में भय बना रहेगा। वाणी पर नियंत्रण रखना ठीक रहेगा। परिवार में वाद-विवाद हो सकते हैं।

तुला
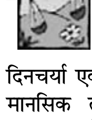
विवादित मामलों का निपटारा हो सकता है। दिनचर्या एवं स्वास्थ्य में सुधार होगा। मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मन:स्थिति में सुधार होगा।

वृश्चिक

घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कारणों से तनाव बना रहेगा। समय अनर्गल कार्यों में खराब हो सकता है। मन में असंतोष बना रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

धनु
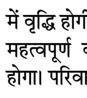
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

मकर
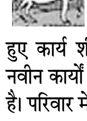
महत्वपूर्ण कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। अटके हुए कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिल सकती है। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

कुंभ
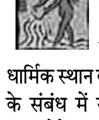
आज धार्मिक-मांगलिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है। नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन/संदेश प्राप्त होंगे। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी।

मीन
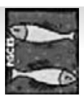
अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। नवीन कार्यों में परेशानी हो सकती है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। यात्रा में दुर्घटना का भय है।

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

बीकानेर

Rashtradoot

फोनः- 2200660 फैक्सः 0151-2527371 वर्षः 47 संख्याः 250 प्रभात बीकानेर, रविवार 5 अप्रैल, 2026 डाक प.स.बीकानेर/045/2020-22 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रू.

अब तक का सबसे ज्यादा हिंसा प्रधान चुनाव होगा, बंगाल में

ममता बनर्जी इस बार राजनीतिक वातावरण को विषाक्त बना रही हैं, एक के बाद एक नई कहानी गढ़ कर प्रचारित करके

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 4 अप्रैल। बंगाल में बढ़ते तापमान और असहनीय उमस के साथ-साथ चुनाव प्रचार भी गर्माता जा रहा है।

राजनीतिक दलों द्वारा फैलाए जा रहे झूठ, और खासकर वे, जो मुख्यमंत्री ममता बनर्जी फैला रही हैं, हैरान कर रहे है। बंगाल की महिलाओं को संबोधित करते हुए, ममता ने कहा है कि भाजपा ''लक्ष्मी भंडार'' योजना के तहत उनके बैंक खातों में जमा पैसे चुराने या हड़पने की साजिश रच रही थी।

- महिलाओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, अगर कोई अजनबी उनसे उनके बैंक अकाउण्ट की ''डिटेल'' पूछे तो कतई मत दीजिए, क्योंकि आपके बैंक के खाते की डिटेल्स लेकर, भाजपा आपके एकाउण्ट में बंगाल की सरकार ने जो पैसा ''लक्ष्मी भण्डार'' योजना के तहत जमा करवाया है, वह निकाल लेगी।
- इससे पहले, एक के बाद एक आमसभा में, मंच से मु.मंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि अगर भाजपा प.बंगाल में सत्ता में आ गई तो ''मछली व मांस के सेवन पर प्रतिबंध लगा देगी।''
- शायद ममता बनर्जी इन कहानियों को प्रतिपादित करके, कांग्रेस व भाजपा को रक्षातमक मुद्रा में लाना चाहती हैं और ये राजनीतिक पार्टियों, तृणमूल कांग्रेस के खिलाफ प्रचार करने में असमर्थ हो जाएंगी, उनका परिश्रम तो अपनी पार्टियों के खिलाफ चलाए जा रहे मिथ्या प्रचार का जवाब देने में ही चला जाएगा।

बात को घुमाने की महारथी ममता महिलाओं को चेतावनी दे रही हैं कि वे अपने बैंक खाते का विवरण उन अजनबियों को न बताएं, जो यह दावा कर रहे हैं कि वे पश्चिम बंगाल सरकार के हैं। उनका कहना है कि जैसे ही विवरण उपलब्ध होंगे, भाजपा उनके पैसे निकाल लेगी।

साथ ही, वे यह भी कह रही हैं कि सत्ता में आने पर भाजपा मीट, मछली, अंडा पर प्रतिबंध लगा देगी। ममता यह संदेश लगातार सार्वजनिक सभाओं में फैला रही हैं ''न मछली, न मीट।'' '' इस तरह के सीधे और बेतुके हमलों का सामना करते हुए, अन्य राजनीतिक दल, जिनमें भाजपा भी शामिल है, टीएमसी पर हमले करने के बजाय, संकट प्रबंधन की स्थिति में दिख रहे हैं।

यह स्पष्ट नहीं है कि उनकी बातें सुन रहे लोग वास्तव में उन्हें कितनी गंभीरता से ले रहे हैं। स्थिति जो भी हो, लेकिन परिस्थितियां बंगाल में लगातार आक्रामक होती जा रही हैं। ऐसे में, इस बार भी चुनावों के हिंसक होने का डर है।

जैसा कि पहले होता आया है, ममता यह कहानी चला रही हैं कि भाजपा बंगाल की संस्कृति के अनुकूल नहीं है। अगर यह पहले उचित रूप से प्रसारित किया गया होता, तो भाजपा के बंगाल विंग में कुछ ऐसे जिद्दी बंगाली भी हैं, जो बंगाल की संस्कृति के लिए खड़े और अड़े हुये हैं। भाजपा के राज्य अध्यक्ष सामिक भट्टाचार्य उनमें से एक हैं, जो एक सच्चे बंगाली हैं।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ओलावृष्टि व बारिश से राजस्थान में फसलें तबाह

नई दिल्ली, 04 अप्रैल। मौसम का मिजाज पूरी तरह बदल गया है। देश के एक बड़े हिस्से में अचानक आए इस बदलाव ने लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने देश के कई राज्यों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग के मुताबिक, अगले 24 घंटों में कई राज्यों में तेज आंधी-तूफान के साथ भारी ओलावृष्टि और बिजली कड़कने की संभावना है। इस दौरान हवा की रफ्तार 60 से 70 किलोमीटर प्रति घंटा तक पहुंच सकती है।

- मौसम विभाग ने समूचे उत्तर भारत से मध्य भारत तक भारी बारिश और अंधड़ की चेतावनी दी।

मौसम विभाग ने उत्तर से लेकर मध्य भारत तक के कई इलाकों में भारी बारिश की चेतावनी दी है। इन सभी इलाकों में लोगों को सावधान रहने को कहा गया है। इसके अलावा, जम्मू-कश्मीर के लिए भी ऑरेंज अलर्ट है, जहां भारी बारिश के साथ बिजली गिरने की आशंका जताई गई है।

देश के कई अन्य हिस्सों में येलो अलर्ट जारी किया गया है, जिसका मतलब है कि वहां मौसम खराब हो सकता है और लोगों को सचेत रहने की

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

एस.आई. भर्ती परीक्षा-2021 परीक्षा अन्ततोगत्वा रद्द हुई

परीक्षा रद्द करने के हाईकोर्ट को एकलपीठ के फैसले को बरकरार रखकर खंडपीठ ने सशंय समाप्त किया

-यादवेन्द्र शर्मा-

जयपुर, 4 अप्रेल। राजस्थान हाईकोर्ट की खंडपीठ ने सब इंस्पेक्टर (एसआई) भर्ती-2021 की परीक्षा को रद्द करने वाले एकलपीठ के फैसले को बरकरार रखा है। अदालत ने राज्य सरकार को कहा है कि पेपरलीक में लिप्त हुए लोगों को हटाने की कार्रवाई शुरू करनी चाहिए। अदालत ने यह भी कहा कि आर.पी.एस.सी. में राजनीति के आधार पर चयन नहीं होना चाहिए और चयन प्रक्रिया में पारदर्शिता के लिए कानून लाया जाना चाहिए। कार्यवाहक न्यायाधीश संजीव प्रकाश शर्मा और जस्टिस संगीता शर्मा की खंडपीठ ने यह आदेश राज्य सरकार व अन्य की ओर से दायर अपीलों पर फैसला सुनाते हुए दिए। खंडपीठ ने गत 19 जनवरी को सभी पक्षों की बहस सुनकर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था।

- कार्यवाहक न्यायाधीश संजीव प्रकाश शर्मा और जस्टिस संगीता शर्मा की खंडपीठ ने आर.पी.एस.सी. के तत्कालीन अध्यक्ष संजय श्रोत्रिय व सदस्य मंजू शर्मा व संगीता आर्या की अपीलों को खारिज किया।
- हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को कहा है कि पेपरलीक में लिप्त आर.पी.एस.सी. सदस्यों को तत्काल हटाने की कार्रवाई शुरू करे। साथ ही यह भी देखे कि आर.पी.एस.सी. में राजनीति के आधार पर चयन नहीं होना चाहिए और कानून बनाकर चयन प्रक्रिया में पारदर्शिता लाएं।
- पेपरलीक रद्द करवाने के लिए मूल याचिकाकर्ता कैलाश चंद शर्मा की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता आर.पी. सिंह ने कोर्ट में पैरवी की थी।

खंडपीठ ने आर.पी.एस.सी. के तत्कालीन अध्यक्ष संजय श्रोत्रिय और तत्कालीन सदस्य मंजू शर्मा व संगीता आर्या सहित अन्य की अपीलों को भी खारिज कर दिया है। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा आरपीएससी में सदस्य बनाई गई मंजू शर्मा व संगीता आर्या का कहना था कि उनका नाम एफ.आई.आर की चार्जशीट में गलत तरीके से जोड़ा गया है, क्योंकि जिन बाबूलाल कटारा व रामूराम राईका के जिन बयानों के आधार पर हमें आरोपी बनाया गया है, वे खुद पेपरलीक के मुख्य आरोपी हैं। उन्होंने यह भी कहा था कि, इंटरव्यू में किसी अभ्यर्थी को ज्यादा अंक देकर फायदा पहुंचाने की साजिश करना असंभव है, क्योंकि उम्मीदवारों की संख्या बहुत ज्यादा होती है। यह किसी सदस्य को पूर्व में मालूम नहीं होता कि, कौन अभ्यर्थी कहां जाकर इंटरव्यू देगा।

वहीं अदालत ने एकलपीठ की ओर से आर.पी.एस.सी. की कार्यशैली को लेकर स्वप्रेरणा से प्रसंज्ञान लेकर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

केरल में शशि थरुर के काफिले का रास्ता रोका

रास्ता रोकने वाले झुण्ड ने थरुर के सुरक्षा स्टाफ पर हमला भी किया

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 4 अप्रेल। कांग्रेस सांसद शशि थरूर का काफिला कथित तौर पर केरल के मलप्पुरम जिले में रोका गया और उनकी टीम के एक सुरक्षाकर्मी पर हमला किया गया। यह घटना शुक्रवार को हुई।

- घटना मलप्पुरम जिले की है, जहाँ थिरुवल्ली पुल के पास कुछ लोगों ने थरुर के काफिले का रास्ता रोका, सुरक्षा स्टाफ से मारपीट की। घटना का वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। पुलिस घटना की जाँच कर रही है।
- थरुर ने भी एक्स पर एक पोस्ट में घटना की पुष्टि की, और सभी शुभचिंतकों का आभार जताया।

कांग्रेस सांसद थरूर जब एक चुनावी अभियान कार्यक्रम के सिलसिले में वांडूर में जा रहे थे, तो उनका काफिला थिरुवली चेल्लीथोडु ब्रिज के पास रोका गया।

प्रदर्शन स्थल से आया एक वीडियो दर्शा रहा है कि तिरुवनंतपुरम सांसद फ्रंट सीट पर बैठे हैं और उनके वाहन के आसपास लोग घिरे हुए हैं। कुछ को चिल्लाते हुए सुना जा सकता है।

70 वर्षीय कांग्रेस नेता ने शनिवार सुबह एक्स पर इस घटना की पुष्टि की।

सांसद ने एक्स पर पोस्ट किया, ''कल रात हुई अप्रिय घटना में जब मेरे सुरक्षा गार्ड पर हमला किया गया, तो उसके प्रति चिंता जताने वाले सभी संदेशों और कॉल्स ने सचमुच मेरे हृदय को छू लिया है वे (गार्ड) सुरक्षित हैं और मैं अप्रभावित रहा। सभी मित्रों और शुभचिंतकों का धन्यवाद।''

उन्होंने यह भी कहा कि काफिला आगे बढ़ा और उन्होंने घटना के बाद दो और कार्यक्रम सम्पन्न किए।

उन्होंने कहा, ''हमने कल निडर होकर अपने कार्यक्रम को जारी रखा और दो और कार्यक्रम योजनानुसार पूरे किए। और हमारा कार्यक्रम प्रभावित नहीं हुआ।''

सुरक्षा कर्मियों की शिकायत के आधार पर वांडूर पुलिस ने मामला दर्ज किया है, तीन लोगों को हिरासत में लिया है और दो वाहनों को जब्त किया गया है।

केदारनाथ में भारी बर्फबारी

रुद्रप्रयाग (उत्तराखंड), 04 अप्रैल। अप्रैल माह की शुरुआत के साथ ही मौसम ने एक बार फिर करवट ले ली है। विश्व प्रसिद्ध केदारनाथ धाम में बीती रात से लगातार बर्फबारी हो रही है, जिससे पूरे क्षेत्र में फिर से बर्फ की मोटी चादर बिछ गई है। हाल ही में जिन रास्तों से बर्फ हटाई गई थी, वे एक बार फिर पूरी तरह बर्फ से ढ क गए हैं। मंदिर परिसर भी पूरी तरह बर्फ से आच्छादित हो गया है। लगातार हो रही बर्फबारी से

- अक्षय तृतीया 22 अप्रैल को कपाट खुलने को लेकर प्रशासन में भारी चिंता।

वहां चल रहे यात्रा तैयारियों के कार्य प्रभावित हो गए हैं। मजदूरों द्वारा की गई कड़ी मेहनत पर मौसम ने पानी फेर दिया है, जिससे व्यवस्थाओं को फिर से पटरी पर लाने की चुनौती सामने खड़ी हो गई है।

बताया जा रहा है कि इस बार अप्रैल में भी मौसम सामान्य नहीं है और लगातार खराब बना हुआ है। ऐसे में

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'केजरीवाल पर चड्ढा के खिलाफ एक्शन का दबाव डाला गया'

पार्टी के अंदरूनी सूत्रों ने नाम गोपनीय रखते हुए भी यह भी कहा कि पार्टी का एक गुट राघव की बढ़ती लोकप्रियता से जलता है

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 4 अप्रेल। पार्टी नेतृत्व से आहत आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद राघव चड्ढ़ा ने खुद पर लगाये गये सभी आरोपों को खारिज कर दिया और पार्टी में अपने आलोचकों को चुनौती दी कि वे एक भी ऐसा उदाहरण पेश करें, जब उन्होंने संसदीय कार्यवाही में भाग नहीं लिया।

- राघव चड्ढा ने भी आम आदमी पार्टी नेतृत्व के खिलाफ मोर्चा खोल दिया और संसदीय कार्यवाही में शामिल नहीं होने के आरोप को सरासर झूठा बताया।
- राघव ने कहा, संसद कर दाताओं के पैसे से चलती है, वे वहाँ काम करने जाते हैं, हल्ला करने नहीं। उन्होंने विपक्ष के वॉक आउट में शामिल नहीं होने के आरोप को भी झूठा बताया।
- मुख्य निर्वाचन आयुक्त के खिलाफ प्रस्ताव पर हस्ताक्षर करने के मसले पर उन्होंने कहा, उनसे किसी भी पार्टी नेता ने प्रस्ताव पर साइन करने के लिए नहीं कहा था।
- एक्स पर पोस्ट किए गए अपने वीडियो संदेश में राघव चड्ढा ने भविष्य की रणनीति के बारे में कोई स्पष्ट संकेत तो नहीं दिया पर धुरंधर फिल्म के डायलॉग से अपनी मंशा जता दी कि वे कुछ तो प्लान कर रहे हैं, राघव ने कहा ''घायल हूँ इसलिए घातक हूँ।''

राज्यसभा सांसद चड्ढ़ा ने शनिवार को कहा, ''मैं संसद में प्रभाव पैदा करने जाता हूँ, शोर मचाने नहीं।'' उन्होंने आरोपों को ''झूठा'' और ''संगठित अभियान का हिस्सा'' बताया।

एक वीडियो में, चड्ढ़ा ने यह दावा खारिज किया कि उन्होंने विपक्षी बहिष्कारों में हिस्सा नहीं लिया, और इसे ''सफेद झूठ'' बताया।

अपने वीडियो को फिल्म धुरंधर की एक लोकप्रिय पंक्ति के साथ खत्म करते हुए, चड्ढा ने कहा: ''घायल हूँ, इसलिए घातक हूँ।''

उन्होंने अपने आलोचकों को चुनौती दी कि वे एक भी उदाहरण पेश करें, जब उन्होंने संसदीय कार्यवाही में भागीदारी नहीं की, और कहा कि संसदीय कार्यवाही सीसीटीवी कैमरों में रिकॉर्ड की जाती है। मृदु भाषी और वाक्पटु चड्ढा ने यह भी खारिज किया कि उन्होंने मुख्य निर्वाचन आयुक्त से संबंधित प्रस्ताव पर हस्ताक्षर करने से मना किया।

उन्होंने कहा कि किसी भी पार्टी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ट्रम्प का ईरान को 48 घंटे का अल्टीमेटम

वॉशिंगटन, 04 अप्रैल। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने ईरान होर्मुज़ स्ट्रेट खोलने के लिए 48 घंटे का अल्टीमेटम दिया है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि तय समय में यह जलमार्ग नहीं खोला गया, तो अमेरिका कड़ी कार्रवाई कर सकता है।

ट्रम्प ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ''ट्रुथ सोशल'' पर पोस्ट करते हुए कहा कि समय तेजी से खत्म हो रहा है। उन्होंने याद दिलाया कि पहले ईरान को 10 दिन का समय दिया गया था, लेकिन अब यह अवधि घटाकर 48 घंटे कर दी गई है।

- ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर लिखा कि पहले ईरान को दस दिन का समय दिया था पर अब घटाकर 48 घंटे कर दिया है।

होर्मुज़ स्ट्रेट वैश्विक तेल आपूर्ति के लिए बेहद महत्वपूर्ण मार्ग है, जहां

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अमेरिका के राजनैतिक पटल पर एक और भारतीय रिनी संपत का उदय

रिनी वॉशिंगटन डीसी के मेयर चुनाव में डेमोक्रेटिक पार्टी की तरफ से प्रत्याशी बनने के लिए चुनाव मैदान में हैं

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 4 अप्रैल। अमेरिकी राजनीतिक परिदृश्य पर एक और भारतीय अमेरिकन नेता उभर रही हैं। ये हैं 31 वर्षीय रिनी संपत, तमिलनाडु के थेनी की मूल निवासी, जो वॉशिंगटन डीसी मेयर के चुनाव में डेमोक्रेटिक उम्मीदवार के रूप में अपनी दावेदारी पेश कर रही हैं।

वे एक सरकारी ठेकेदार हैं और शहर में मेयर प्राइमरी बैलेट पर दिखाई देने वाली पहली दक्षिण एशियाई हैं।

उनका अभियान ''फिक्स द बेसिक्स'' (बुनियादी समस्याओं में सुधार) पर केन्द्रित है, जिसमें बेहतर इन्फ्रास्ट्रक्चर, कम लागत और सार्वजनिक सेवाओं में सुधार का वादा किया गया है। वे खुद को राजनीतिक बाहरी के रूप में पेश कर रही हैं।

रिनी संपत एक भारतीय-अमेरिकी प्रोफेशनल और उभरती राजनीतिक हस्ती हैं, जो 2026 के वॉशिंगटन डीसी मेयर चुनाव में हिस्सा ले रही हैं।

थेनी में जन्मीं संपत सात वर्ष की आयु में अमेरिका चली गईं। वे 31 वर्ष की हैं और एक दशक से अधिक समय से वॉशिंगटन डीसी में रह रही हैं। प्रोफेशनल रूप से, वे सरकारी ठेकेदार और साइबर सिक्योरिटी प्रोफेशनल के रूप में काम करती हैं।

संपत ने यूनिवर्सिटी ऑफ सादर्न कैलिफ़ोर्निया में पढ़ाई की, जहां 2015में छात्रसंघ अध्यक्ष के रूप में पूरे प्रदेश का ध्यान आकर्षित किया।

यूनिवर्सिटी में अपने समय के दौरान, उन्होंने कैंपस सुरक्षा, विविधता और छात्र अधिकारों की वकालत की और नस्लवाद और उत्पीड़न के खिलाफ आवाज उठाई।

- 31 वर्षीय रिनी जब सात साल की थी, तब अपने परिवार के साथ तमिलनाडु से अमेरिका गईं थी।
- युनिवर्सिटी ऑफ सदर्न कैलिफोंनिया में पढ़ी रिनी सम्पत वहाँ छात्रसंघ अध्यक्ष के रूप काफी चर्चित थीं। वर्तमान में वे साइबर सिक्योरिटी प्रोफेशनल होने के साथ-साथ सरकारी ठेकेदार भी हैं।
- अगर उन्हें डेमोक्रेटिक पार्टी की तरफ से मेयर पद का प्रत्याशी चुन लिया जाता है तो वे मेयर चुनाव के मत पत्र पर नज़र आने वाली पहली दक्षिण एशियाई हस्ती होंगी।

वे 2026 वॉशिंगटन डीसी मेयर चुनाव में डेमोक्रेटिक उम्मीदवार के रूप में भाग ले रही हैं। विशेष रूप से, वे इस पद के लिए प्रतिस्पर्धा करने वाली पहली दक्षिण एशियाई उम्मीदवारों में शामिल हैं।

संपत खुद को पोलिटिकल आउटसाइडर के रूप में प्रस्तुत करती हैं, जो स्थापित राजनीतिक समूहों से जुड़ी हुई नहीं है। उनका अभियान ''फिक्स द बेसिक्स'' के थीम पर केन्द्रित है, जिसमें शामिल हैं: इन्फ्रास्ट्रक्चर सुधार (सड़कों, गड्ढ़ों की मरम्मत), पोटोमैक नदी में अपशिष्ट जल की समस्याओं का समाधान, आपातकालीन सेवाओं, जैसे 911 का रैस्पॉन्स देने के समय में सुधार। उन्होंने मौजूदा नेतृत्व की आलोचना करते हुए कहा कि शहर की सरकार बुनियादी सेवाओं में विफल रही है।

संपत के अनुसार, उन्होंने चुनाव में भाग लेने का निर्णय खराब शहर सेवाओं, जैसे बर्फीले तूफान पर रैस्पॉन्स प्रतिक्रिया, और इन्फ्रास्ट्रक्चर की विफलताओं से उत्पन्न निराशा के कारण लिया।

वॉशिंगटन डीसी में डेमोक्रेट्स का वर्चस्व है और 1975 के बाद से इस शहर में कभी भी रिपब्लिकन मेयर नहीं रहे। इसके पहले, शहर का प्रशासन अमेरिका के राष्ट्रपति द्वारा नियुक्त कमिश्नरों के बोर्ड द्वारा चलाया जाता था। कोलंबिया जिले का प्रशासन लोकप्रिय रूप से चुने गए मेयर और 13 सदस्यीय जिला परिषद द्वारा किया जाता है।

उन्होंने कहा, ''वॉशिंगटन डीसी के मेयर के रूप में मेरी प्राथमिकता यह सुनिश्चित करना होगी कि हमारा शहर अपने निवासियों के प्रति अपनी बुनियादी जिम्मेदारियों को पूरा करे। प्रशासन गड्ढ़ों को भरें। पोटोमैक में विनाशकारी अपशिष्ट जल रिसाव को रोके। कीमतें कम करें। 911 की प्रतीक्षा समय में सुधार करे।''

प्राइमरी चुनाव 16 जून को और आम चुनाव 3 नवंबर को आयोजित किया जाएगा।

मेयर चुनाव में अन्य उम्मीदवार हैं, जनीस लुईस जॉर्ज, केन्यन मैकडफी, गैरी गुडवेदर, रॉबर्ट एल ग्रॉस और रॉन्डा हैमिल्टन।

नासिक में बड़ा हादसा

नासिक, 04 अप्रैल। महाराष्ट्र के नासिक जिले के दिंडोरी तालुका में देर रात एक भीषण सड़क दुर्घटना ने पूरे इलाके को सदमे में डाल दिया। एक मारुति एक्सएल 6 कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे स्थित पानी से भरे कुएं में जा गिरी, जिसमें सवार नौ लोगों की मौत हो गई। इस दर्दनाक हादसे में एक ही परिवार के नौ सदस्य शामिल थे। हादसा शुक्रवार रात डिंडोरी शहर के शिवाजी नगर इलाके में हुआ।

- कुएं में कार गिरने से एक ही परिवार के नौ सदस्यों की मौत।

पुलिस के अनुसार,पीड़ित लोग डिंडोरी तालुका के इंदौर गांव के दरगुडे परिवार के सदस्य थे। मृतकों की पहचान सुनील दत्तु दरगुडे (32), उनकी पत्नी रेशमा, आशा अनिल दरगुडे (32) और परिवार के छह बच्चों के रूप में हुई है। इन बच्चों में सात से 14 साल की उम्र की पांच लड़कियां और 11 साल का एक लड़का शामिल है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

नाबालिग बेटे ने पिता की हत्या को लेकर मां के खिलाफ कोर्ट में गवाही दी

कोर्ट ने बच्चे के मौखिक बयान सुनने के बाद आगे की गवाही को अगली तारीख तक के लिए स्थगित किया

अलवर, (निसं)। अलवर में 7 जून 2025 को महिला ने प्रेमी के साथ मिलकर पति का मर्डर कर दिया था। कोर्ट में शनिवार को मां के खिलाफ नाबालिग बेटे ने गवाही दी। कोर्ट ने बच्चे के मौखिक बयान सुनने के बाद आगे की गवाही को अगली तारीख तक के लिए स्थगित (डेफर) कर दिया। बेटे ने बताया कि आरोपियों ने मेरे पापा की गर्दन मरोड़ दी, मुक्के मारे, दांत तोड़ दिए और नाखूनों से उनके शरीर पर निशान बना दिए। मेरे सामने पापा तड़पते रहे। मैं छिपकर सब देखता रहा।

जानकारी के अनुसार खेड़ली कस्बे में पत्नी अनीताराज ने अपने प्रेमी काशी और उसके साथियों के साथ मिलकर अपने पति वीरू की बेरहमी से हत्या करवा दी थी। इस पूरी घटना का चश्मदीद गवाह उसका नाबालिग बेटा ही है, जिसने अब कोर्ट में सात जून की रात की पूरी कहानी बयां की।

बेटे ने बताया कि घटना वाली रात मेरे पापा घर आए और फोन चार्ज पर लगाने के लिए कहा। मैं फोन चार्ज पर लगाकर टीवी देखने लगे। इसी दौरान मेरी मां ने मुझे सोने के लिए कहा। वह टीवी और हॉटस्पॉट बंद करके सो गया। देर रात काशी (आरोपी) घर आया, जिसके लिए मां ने दरवाजा खोला। काशी के साथ चार अन्य लोग भी थे, जिन्हें वह नहीं जानता था। बच्चे ने बताया कि काशी पहले भी घर आता-जाता था और उसे खाने-पीने की चीजें, जैसे काजू कतली, लाकर देता था। उस रात काशी ने मेरे पिता के मुंह पर तकिया रख दिया, जबकि पिता बाहर चारपाई पर सो रहे थे। जब पिता ने बचने की कोशिश की, तो काशी के साथ आए चार लोगों ने उनके हाथ-पैर पकड़ लिए और उन्हें मोड़ने लगे। काशी ने मेरे पिता से कहा कि अब बोल ना, अब क्यों नहीं बोलता। इसी दौरान मेरी मां ने कहा कि इस वीरू को मार दो, बेटे को मत मारना। इसके बाद काशी ने गर्दन मरोड़ दी, मुक्के मारे, दांत तोड़ दिए और नाखूनों से शरीर पर निशान बना दिए।

अनिता जाटव आरोपी पत्नी, काशीराम प्रजापत आरोपी प्रेमी, मृतक वीरु जाटव।

> ■ बेटे ने बताया कि आरोपियों ने मेरे पापा की गर्दन मरोड़ दी, मुक्के मारे, दांत तोड़ दिए और नाखूनों से शरीर पर निशान बना दिए, पापा तड़पते रहे और मैं छिपकर सब देखता रहा

बेटे ने आगे बताया कि जब वह अपने पिता को बचाने की कोशिश कर रहा था, तो काशी ने उसे अंदर फेंक दिया। इसके बाद वह अंदर छिपकर पूरी घटना देखता रहा। जब उसके पिता की मौत हो गई, तो उसकी मां ने कहा- ये तो मर गया, अब क्या करूं। आरोपियों के जाने के बाद मां ने शव पर कंबल डाल दिया और मुंह और नाक से निकले खून को साफ किया। मां और काशी दोनों ने मुझे धमकाया और कहाकि किसी को कुछ मत बताना, अगर कोई पूछे तो कह देना कि वह सो रहा था।

पुलिस के अनुसार, अनीताराज ने वीरू से 2001 में प्रेम विवाह किया था। अनीता का पहले से एक बेटा था, जिसे छोड़कर उसने वीरू से शादी की थी। इसके बाद में उसे वीरू से भी एक बेटा हुआ। उसी बेटे ने अब अपनी मां के खिलाफ कोर्ट में गवाही देकर पूरे मामले का खुलासा किया। घटना के बाद तड़के करीब चार बजे अनीता ने रिश्तेदारों और परिजनों को फोन कर बताया कि उसके पति की तबीयत खराब है। इसके बाद उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। परिवार ने इस मामले में हत्या का शक जताते हुए पुलिस थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। इसके बाद पुलिस ने जांच शुरू की और करीब 100 सीसीटीवी फुटेज खंगाले, जिससे पूरे घटनाक्रम का खुलासा हुआ। फिलहाल कोर्ट में मामले की सुनवाई जारी है। अगली तारीख पर नाबालिग गवाह की गवाही दर्ज की जाएगी। इसके बाद अन्य गवाहों को सुनने के बाद फैसला सुनाया जाएगा।

श्रीगंगानगर में नशे की ओवरडोज से दो युवकों की मौत

मृतकों में से एक युवक की पहचान नहीं हो पाई

श्रीगंगानगर, (निसं)। जिला मुख्यालय पर दो युवकों की नशे की ओवरडोज से मौत हो गई। एक युवक की पहचान नहीं हो पाई। दूसरे युवक की मौत उसी समय हुई, जब उसके पिता का सड़क हादसे में निधन होने पर गांव में अंतिम संस्कार किया जा रहा था। पहला मामला जवाहरनगर थाना क्षेत्र का है।

ड्यूटी अधिकारी एएसआई गुरदीपसिंह के अनुसार सुबह करीब 10 बजे सूचना मिली कि मौसम विभाग रोड पर छजगरिया बस्ती के उत्तर की तरफ खाली जगह एक युवक अचेत पड़ा है। पुलिस मौके पर पहुंची तब युवक की नब्ज चल रही थी। युवक को 108 एंबुलेंस से जिला अस्पताल पहुंचाया गया। इलाज के दौरान आधे घंटे बाद उसकी मौत हो गई। मृतक 29 वर्षीय जगसीरसिंह संगरूर जिले की धुरी तहसील के गांव समुदरगढ़ का रहने वाला था। वह श्रीगंगानगर में एक निजी चिकित्सा संस्थान में सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी करता था। एएसआई गुरदीपसिंह ने बताया कि उसके पिता कश्मीरसिंह जटसिख का सड़क हादसे में निधन हो गया था। गांव में उनका अंतिम संस्कार हो रहा था। उसी समय बेटे की भी मौत हो गई। दो दिन में पिता-पुत्र की मौत से परिवार में कोहराम मच गया।

> ■ दूसरे युवक की मौत उस समय हुई, जब उसके पिता का सड़क हादसे में निधन होने पर गांव में अंतिम संस्कार किया जा रहा था

जगसीरसिंह माता-पिता का इकलौता बेटा था। उसकी दो बहनें हैं। दोनों शादीशुदा हैं। वह अविवाहित था। एक बहन का ससुराल सरवर खुईयां गांव में है। वह कनाडा में रहती है। युवक के पास मोबाइल फोन नहीं मिला। कागजों में एक मोबाइल नंबर मिला। उस पर फोन किया गया। बहन से बात हुई तो उसने अपने भाई के निधन की सूचना अपने ससुर चरणजीतसिंह को दी। सूचना मिलने के बाद वे श्रीगंगानगर पहुंचे। पोस्टमार्टम के बाद शव गांव स्थित घर ले जाया गया।

मेडिकल कॉलेज के बगल वाली रोड के किनारे झाडियों में मृत मिला दूसरा मामला सदर थाना क्षेत्र में सामने आया। ड्यूटी अधिकारी हैड कांस्टेबल सत्यनारायण कूकणा ने बताया कि सरकारी मेडिकल कॉलेज के साथ सदभावनानगर वाली रोड पर विकासपुरी की ओर एक फैक्ट्री के सामने झाड़ियों में युवक मृत मिला। युवक के पास पानी का मग पड़ा था। एक सीरिंज भी मिली। उसके हाथ से खून बहकर जमीन पर जमा था।

परीक्षा सील्ड बॉक्स की फोटो स्टेट्स पर लगाई, सरकारी कर्मचारी सस्पेंड

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर में आयोजित में उप निरीक्षक/प्लाटून कमाण्डर संयुक्त परीक्षा 2025 के सील्ड बंद स्टील बॉक्स के फोटो खींचकर स्टेट्स लगाना सरकारी कर्मचारी को भारी पड़ गया। सरकारी कर्मचारी दीपक को विभाग की तरफ से सस्पेंड कर दिया गया। परीक्षा आयोजन तीन अप्रैल को हुआ था। इसके खिलाफ उदयमंदिर थाने में शिक्षा विभाग की तरफ से परिवाद भी दिया गया है।

उदयमंदिर थानाधिकारी सीताराम खोजा ने बताया कि 3 अप्रैल को उप निरीक्षक/प्लाटून कमाण्डर संयुक्त परीक्षा 2025 की सील्ड बंद स्टील बॉक्स को कोषालय में रखते हुए सरकारी कार्मिक दीपक गहलोत ने फोटो खींच ली। बाद में उसे अपने मोबाइल के स्टेट्स पर लगा दिया। इसका पता लगने पर उसे विभाग की तरफ से निलंबित करने के आदेश जारी हो गए। वह राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय आसोप भोपालगढ़ में बेसिक कंप्यूटर अनुदेशक लगा हुआ है। उसने कौतुहलवश फोटो खींचकर अपने व्हाटसएप पर स्टेटस लगाया था, जिसकी सूचना मिलने पर तुरंत प्रभाव से उक्त कार्मिक से पूछताछ की गई, जिससे उसने अज्ञानतावश स्टेट्स लगाना बताया। कार्मिक के विरूद्ध विभागीय कार्रवाई प्रारम्भ करते हुए जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा निलंबित किया गया है तथा फोटो खींचने के सम्बन्ध में दिये गये परिवाद पर जांच की जा रही है।

शराब से भरी जीप जब्त, एक गिरफ्तार

उदयपुर, (निसं)। शहर के धामनण्डी थाना पुलिस एवं यातायात पुलिस ने कार्रवाई करते हुए अवैध शराब से भरी कार जब्त कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया। जिला पुलिस अधीक्षक डॉ. अमृता दुहन के निर्देश पर चलाए जा रहे तलाशी अभियान के दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश ओझा, पुलिस उप अधीक्षक राजेश यादव, अशोक आंजना के सुपरविजन में धानमण्डी थानाधिकारी जगदीश कुमार मय टीम एवं यातायात पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए देहलीगेट पर जीप को जिसके आगे व पिछे अलग-अलग नंबर होने से रोक कर तलाशी ली। इस पर उसमें 220 बोतल एवं 92 पव्वे शराब के मिले। इस पर चालक अविनाश कुमार पुत्र सुरेश भाई को गिरफ्तार किया। इस मामले में पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की।

अजमेर में महिला कपड़ा व्यापारी के साथ 94 लाख की ठगी

अजमेर, (निसं)। शहर में एक महिला कपड़ा व्यापारी के साथ 94 लाख रुपये की बड़ी धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। आरोप है कि दो सगे भाइयों ने डॉलर में भुगतान कराने और खर्चा बचाने का झांसा देकर नकद राशि ले ली, लेकिन न तो चीन में ऑर्डर कराया और न ही पैसे लौटाए। पीड़िता की शिकायत पर कृष्णगंज थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

> ■ आरोप है कि दो सगे भाइयों ने डॉलर में भुगतान कराने और खर्चा बचाने का झांसा देकर नकद राशि ले ली, लेकिन न तो चीन में ऑर्डर कराया और न ही पैसे लौटाए

पुलिस के अनुसार अभियंता नगर, चैससियावास रोड निवासी हेमा पारवानी ने रिपोर्ट दर्ज कराई है। उन्होंने बताया कि वह पूर्व में चीन में कपड़ों का कारोबार करती थी, लेकिन कोरोना काल के बाद अजमेर में रह रही हैं। हाल ही में उन्होंने अपने परिचितों और रिश्तेदारों के साथ मिलकर चीन की एक कंपनी को करीब एक लाख डॉलर के लेगिंग्स का ऑर्डर दिया था। इस दौरान उनके पति के परिचित कमल तिलोकानी और उसके भाई सुमित तिलोकानी ने उन्हें सलाह दी कि यदि वे भारत में ही नकद राशि दे दें तो वे डॉलर में भुगतान कर देंगे। आरोपियों ने यह भी कहा कि इससे टैक्स के अलावा मुद्रा परिवर्तन का अतिरिक्त खर्च बच जाएगा। उनकी बातों में आकर पीड़िता ने 15 से 17 जनवरी के बीच अलग-अलग परिचितों और रिश्तेदारों से रकम एकत्र कर 94 लाख 28 हजार 100 रुपये नकद आरोपियों को सौंप दिए। रिपोर्ट में बताया गया कि काफी समय बीतने के बाद भी जब चीन की कंपनी को भुगतान नहीं हुआ तो पीड़िता को संदेह हुआ। इस पर संपर्क करने पर आरोपी सुमित उर्फ सन्नी ने एक फर्जी रसीद थमा दी। इसके बाद भी न तो ऑर्डर किया गया और न ही राशि वापस की गई। मामले में कृष्णगंज थाना पुलिस ने धोखाधड़ी का प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है और पूरे लेन-देन की जांच की जा रही है।

मादक पदार्थ में लिप्त तीन जने गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। सांगोद पुलिस टीम ने अवैध मादक पदार्थ डोडा-चूरा की खरीद-फरोख्त में लिप्त तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

ग्रामीण पुलिस अधीक्षक सुजीत शंकर ने बताया कि सांगोद थानाधिकारी अनिल कुमार के नेतृत्व में गठित टीम ने थाना बपावर कलां के एनडीपीएस एक्ट अवैध मादक पदार्थ डोडा-चूरा की खरीद-फरोख्त के दर्ज प्रकरण में कार्रवाई करते हुए तीन तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस टीम ने मामले में जिला बारां के कालपा जागीर निवासी रामस्वरूप, जिला बारां के भीलखेड़ा सेतकोलू निवासी सोनू लववंशी और जिला बारां के लाबांखेड़ा निवासी सोनू कुमार को गिरफ्तार किया है, पकड़े गये आरोपियों से अनुसंधान जारी है।

अवैध सिलिका रेत से भरे डंपर जब्त, जुर्माना वसूला

बीकानेर, (निसं)। खनन विभाग की ओर से अवैध रेत से भरे पांच डंपर जब्त किए हैं। इसके साथ ही चार लाख से ज्यादा का जुर्माना लगाया है। जानकारी के अनुसार कलैक्टर निशांत जैन ने पहली ही बैठक में साफ कर दिया था कि गड़बड़ी करने पर सीधे कार्रवाई होगी। ऐसे में खनन विभाग भी एक्टिव मोड पर आ गया है। खनन और पुलिस विभाग ने मिलकर बड़ी कार्रवाई करते हुए लाखों रुपए की सिलिका रेत ले जा रहे वाहनों की धरपकड़ की गई है।

खनिज अभियंता एमपी पुरोहित ने बताया कि एक डंपर अवैध सिलिका रेत से भरा हुआ पकड़ा था, जिसे श्रीडूंगरगढ़ थाने ले जाया गया। जबकि दो अन्य डंपर मौके से बरामद हुए थे। इन तीनों वाहनों पर कुल 4 लाख 76 हजार रुपए का जुर्माना लगाया गया, जिसमें से 2 लाख 88 हजार रुपए की राशि मौके पर ही वसूल ली गई। वहीं नाल क्षेत्र में भी कार्रवाई करते हुए सिलिका रेत से भरे दो डम्परों को जब्त किया गया। इन वाहनों पर 2 लाख 88 रुपए जुर्माना लगाते हुए पूरी राशि की वसूली कर ली गई। पुरोहित ने बताया कि अवैध खनन एवं परिवहन के खिलाफ विभाग द्वारा लगातार निगरानी रखी जा रही है।

अधेड़ ने फंदा लगाकर जान दी

जोधपुर, (कासं)। शहर के सूरसागर पुलिस थाना क्षेत्र में नई रकासनी गांव में रहने वाले एक अधेड़ ने अपने घर में फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली। आत्महत्या का कारण पता नहीं चला है। शव को कार्रवाई के बाद परिजन के सुपुर्द किया गया।

सूरसागर थााना पुलिस ने बताया कि नई रकासनी निवासी 45 साल के नरेश पुत्र ओमप्रकाश ने अपने घर में फंदा लगाकर खुदकुशी की। उसके आत्महत्या का पता लगने पर फंदे से उतारकर अस्पताल ले जाया गया, मगर डॉक्टर ने उसे मृत बता दिया। उसके भाई मनीष की तरफ से पुलिस में मर्ग की रिपोर्ट दी गई।

जयपुर : प्रेमप्रकाश मंडल के चैत्र मेले में वासुदेव देवनानी ने शिरकत की

अजमेर, (निसं)। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने जयपुर के अमरापुर स्थान पर आयोजित प्रेमप्रकाश मंडल के 105 वें वार्षिक चैत्र मेले में भाग लेकर धर्मलाभ अर्जित किया। इस अवसर पर देवनानी ने विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों में हिस्सा लिया और प्रभु भक्ति में लीन होकर श्रद्धा सुमन अर्पित किए। मेले में उमड़ी श्रद्धालुओं की विशाल भीड़ और भक्तिमय वातावरण ने आयोजन को भव्य एवं दिव्य स्वरूप प्रदान किया।

देवनानी ने संतों के सानिध्य में अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रकार के धार्मिक आयोजन हमारी सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत को संरक्षित रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि यह मेला भाईचारे, सेवा भावना और ईश्वर के प्रति अटूट आस्था का प्रतीक है, जो समाज को सकारात्मक दिशा प्रदान करता है।

विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने जयपुर के अमरापुर स्थान पर आयोजित प्रेमप्रकाश मंडल के वार्षिक चैत्र मेले में धर्मलाभ लिया।

उन्होंने भजन-कीर्तन और सेवा कार्यों से परिपूर्ण इस आयोजन को प्रेरणादायक बताते हुए संतों से आशीर्वाद प्राप्त किया और कहा कि संतों के विचार समाज के कल्याण के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। अंत में उन्होंने प्रदेश और देशवासियों के सुख, समृद्धि एवं उत्तम स्वास्थ्य की कामना की।

सड़क हादसे में सपोटरा थाना अधिकारी हनुमान मीणा की मौत

हादसे में दो कांस्टेबल घायल हो गये, अस्पताल में भर्ती कराया

दौसा, (निसं.)। जयपुर-बांदीकुई एक्सप्रेस-वे पर स्थित नांगल बेला गांव के पास एक सड़क हादसे में करौली जिले के सपोटरा थाने में तैनात सब इंस्पेक्टर हनुमान मीणा (55) की मौत हो गई तथा दो कांस्टेबल घायल हो गये।

सपोटरा थाना में तैनात सब इंस्पेक्टर हनुमान मीणा, कॉन्स्टेबल कजोड़ जाट, रामराज बैरवा और रामनरेश मीणा के साथ एक केस के सिलसिले में मेरठ (उत्तर प्रदेश) गए थे। दिल्ली से लौटते समय प्रात: पांच बजे जयपुर-बांदीकुई एक्सप्रेस-वे पर स्थित नांगल बेला गांव के पास तेज रफ्तार से चल रही उनकी कार ट्रेलर में जा घुसी, जिसके चलते आगे की सीट पर बैठे एसआई हनुमान मीणा की मौके पर ही मौत हो गई तथा कार में सवार कॉन्स्टेबल कजोड़ जाट, रामराज बैरवा और रामनरेश मीणा घायल हो गये। इधर घटना की जानकारी मिलने के साथ ही आंधी थानाधिकारी गोपाल सिंह मय जाब्ते के घटना स्थल पर पहुंचे तथा घायलों को तुरंत श्री रामकरण जोशी राजकीय जिला चिकित्सालय दौसा में भर्ती कराया, जहां चिकित्सकों ने एसआई हनुमान मीणा को मृत घोषित कर दिया तथा घायल पुलिसकर्मियों का इलाज किया गया। वहीं दूसरी ओर चिकित्सकों ने मृतक एसआई के पार्थिव देह का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया। घायल रामनरेश मीणा ने बताया कि संभवत: कार ड्राइवर को सुबह के वक्त नींद की झपकी आ गई थी। तेज रफ्तार कार आगे चल रहे ट्रेलर में जा घुसी, जिसका सीधा असर आगे वाली सीट पर बैठे एसआई हनुमान मीणा पर पड़ा तथा उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

> ■ दिल्ली से लौटते समय जयपुर-बांदीकुई एक्सप्रेस-वे पर नांगल बेला गांव के पास तेज रफ्तार से चल रही पुलिस की कार ट्रेलर में जा घुसी
>
> ■ सब इंस्पेक्टर हनुमान मीणा, कॉन्स्टेबल कजोड़ जाट, रामराज बैरवा और रामनरेश मीणा के साथ एक केस के सिलसिले में मेरठ (उत्तर प्रदेश) गए थे

बीकानेर कलैक्टर ने फसल के नुकसान का सर्वे कर रिपोर्ट पेश करने के निर्देश दिये

बीकानेर में बारिश-ओलावृष्टि से फसलें तबाह, गेहूं-ईसबगोल की खेती बर्बाद

बीकानेर, (निसं)। बीकानेर जिले में बारिश-ओले गिरने से फसलें उजड़ गई और गेहूं की खेती बर्बाद हो गई। ईसबगोल की 70 प्रतिशत फसल खराब हो गई। किसानों का कहना है कि अब तो घर में खाने का भी संकट हो गया है। शुक्रवार को बीकानेर में बारिश के साथ गिरे ओलों की चादर सी बिछ गई थी। बीकानेर कलैक्टर निशांत जैन ने अफसरों को नुकसान का सर्वे कर जल्द से जल्द रिपोर्ट पेश करने के निर्देश हैं।

जानकारी के अनुसार लूणकरणसर, अरजनसर और महाजन इलाके में शुक्रवार को ओले गिरे, खेतों में बर्फ की चादर बिछ गई। किसानों ने खेत से निकली बर्फ की सिल्ली दिखाई। ये भी दिखाया कि अब तक जड़ों में बर्फ जमी है। अरजनसर के किसान शिव कुमार शर्मा कहते हैं कि बीकानेर में गेहूं, ईसबगोल और तारामीरा की फसलें खेत में कटाई के लिए पड़ी थी, तो कुछ कटी हुई रखी थी। लूणकरणसर, अरजनसर के किसानों को सबसे ज्यादा नुकसान हुआ है।

> ■ लूणकरणसर, अरजनसर और महाजन इलाके में ओले गिरे थे

शिव कुमार का कहना है कि लूणकरणसर तहसील के रामसरा, चक असरासर, चक 99 आरडी, चक 103 आरडी, नया खानीसर और चक जोड़ तक फसलें खराब हुई हैं। इसके आगे श्रीगंगानगर के सूरतगढ़ तक इसका असर हुआ है। सूरतगढ़ के मोकलसर, चक 79, चक 85, चक 92 आरडी और राजियासर गांव की रोही में भी ओलावृष्टि से भारी नुकसान हुआ है। यह पूरा क्षेत्र एक पट्टी के रूप में प्रभावित हुआ है। ये पूरा एरिया करीब 175 किमी का है। शिव कुमार कहते हैं- मैंने 50 बीघा में गेहूं की फसल की थी। ये कटने को तैयार थी, इससे पहले आसमान से बरसी आफत ने पूरा नुकसान कर दिया। मेरी 100 फीसदी फसल खराब हो गई। ठीक ऐसी ही स्थिति महाजन क्षेत्र के किसान शक्ति सिंह की है। शक्ति सिंह का कहना है कि मैंने 50 बीघा जमीन पर गेहूं की बुवाई की थी। बीच-बीच में हुई बारिश से फसल अच्छी तरह पक चुकी थी और जल्द ही अच्छी कमाई की उम्मीद थी। शुक्रवार को हुई ओलावृष्टि ने सब बर्बाद कर दिया। मेरा पूरा खेत बर्फ से ढक गया, जो गेहूं की फसल 1 दिन पहले तक खड़ी थी, वह बर्फ के नीचे दब गई। लूणकरणसर के किसान नरेंद्र कड़वासरा ने बताया कि इस पूरे इलाके में 500 बीघा के इलाके में फसल बर्बाद हो गई है। एक बीघा में औसतन 15 क्विंटल गेहूं होता है। इस हिसाब से 50 बीघा वाले किसान की करीब 750 क्विंटल गेहूं की उपज नष्ट हो गई। किसान को लाखों का नुकसान हुआ है।

हत्या के आरोपी गिरफ्तार

उदयपुर (निसं)। ऋषभदेव थाना पुलिस ने बालिका की हत्या कर शव को फांसी पर लटकाने वाले मुख्य आरोपी के साथी को गिरफ्तार कर वारदात में प्रयुक्त बाइक जब्त की। इस मामले में मुख्य आरोपी घटना के बाद आत्महत्या कर चुका है।

जिला पुलिस अधीक्षक डॉ. अमृता दुहन के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अंजना सुखवाल, पुलिस उप अधीक्षक राजीव राहर के निर्देश पर ऋषभदेव थानाधिकारी हेमंत अहारी के नेतृत्व में गठित दल ने नाबालिग बालिका क अपहरण कर उसकी हतया कर शव को फांसी के फंदे पर लगाने वाले मुख्य आरोपी मगनलाल ने भी फांसी लगा आत्महत्या कर ली थी। इस मामले में आरोपी मगन का सहयोग करने वाले विनोद पुत्र कमलेश निवासी बिलख सोमावत देवीघाटी ऋषभदेव को पूछताछ के बाद गिरपतार कर इसके कब्जे से वारदात में प्रयुक्त बाइक बरामद की।

शादी का झांसा देकर युवती से दुष्कर्म

सूरतगढ़, (निसं)। सिटी थाने में एक युवती ने शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने और आपत्तिजनक वीडियो बनाकर ब्लैकमेल करने का मामला दर्ज कराया है। पुलिस ने आरोपित सहित तीन लोगों के खिलाफ जांच शुरू कर दी है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रही युवती ने रिपोर्ट दी है कि करीब चार वर्ष पहले उसकी पहचान आरोपी से हुई थी। पढ़ाई के सिलसिले में दोनों की मुलाकातें होती रहती थी। युवती ने बताया कि आरोपी ने एक दिन जन्मदिन मनाने के बहाने उसे कमरे पर बुलाया और मिठाई खिलाई, जिसके बाद वह बेहोश हो गई। आरोप है कि इसी दौरान आरोपी ने उसके साथ रेप किया और आपत्तिजनक वीडियो बना लिया।

होश में आने पर विरोध करने पर आरोपित ने शादी का झांसा देकर उसे शांत कराया। इसके बाद वीडियो सोशल मीडिया पर डालने की धमकी देकर कई बार उसके कमरे और आरोपित के कमरे के अलावा शहर के कुछ होटलों में भी दुष्कर्म किया। युवती के अनुसार इस दौरान वह गर्भवती हो गई तो आरोपित उसे एक डॉक्टर के पास ले गया और दवाइयों से गर्भपात करवा दिया।

पुलिस को दी गई रिपोर्ट में बताया गया कि बाद में आरोपी ने शादी से इनकार कर दिया और वीडियो से ब्लैकमेल करता रहा। युवती ने आरोप लगाया कि आरोपी ने उसे झांसे में लेकर फोन-पे के माध्यम से कई बार पैसे भी लिए और उसकी सोने की चैन व अंगूठी भी ले गया। युवती ने आरोपी के मामा पर भी धमकी देने का आरोप लगाया है। पुलिस ने युवती की रिपोर्ट पर आरोपियों के खिलाफ बीएनएस की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच एसआई नगेन्द्र सिंह को सौंपी गई है।

सड़क हादसे में युवक की मौत

कोटा, (निसं)। दादाबाड़ी थाना इलाके में दो बाइकों की आमने-सामने की टक्कर में एक बाइक सवार युवक की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार बाइक सवार युवक कार्य से लौटकर घर की ओर जा रहा था, कि दादाबाड़ी इलाके के शिवपुरा में सामने से आ रही बाइक से टक्कर हो गई। हादसे में घायल युवक को उपचार के लिये अस्पताल लाया गया, जहां डॉक्टर ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। दादाबाड़ी थाने के एएसआई वहीद अहमद ने बताया कि मृतक शिवपुरा निवासी किशनचंद (35) था, जो शुक्रवार रात्रि को बाइक से कार्य से घर की ओर जा रहा था, कि शिवपुरा क्षेत्र में सामने से आ रहे बाइक सवार से टकरा गया, हादसे में बाइक सवार के सिर में चोट आई, जिसे अस्पताल में डॉक्टर ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। एएसआई ने बताया कि शनिवार को मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया है, मृतक के परिजनों की शिकायत पर खिलाफ मामला दर्ज कर जांच की जा रही है।

इस मानसून में 10 करोड़ पौधारोपण का लक्ष्य रखा भजनलाल सरकार ने

प्रदेश में नमो वन एवं नमो नर्सरी तथा चंदन वन की स्थापना की जाएगी

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रदेश को हरित बनाने के संकल्प को दोहराते हुए कहा कि ''हरियालो राजस्थान'' राज्य सरकार की प्राथमिकता है। आगामी मानसून सीजन में 10 करोड़ पौधारोपण का लक्ष्य तय किया गया है। मुख्यमंत्री कार्यालय में वन एवं पर्यावरण विभाग की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए उन्होंने अधिकारियों को विस्तृत कार्ययोजना तैयार करने और पौधारोपण कार्य की निरंतर मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस बड़े लक्ष्य की प्राप्ति के लिए सभी विभागों की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है और मुख्य सचिव स्तर पर इसकी नियमित समीक्षा की जाए।

मुख्यमंत्री ने बताया कि पौधारोपण अभियान की शुरुआत विश्व पर्यावरण दिवस से होगी, जबकि जुलाई, अगस्त और सितंबर में इसे व्यापक स्तर पर गति दी जाएगी। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी विभाग पहले से स्थान चयन, गड्ढे तैयार करने और फेंसिंग जैसे कार्य समय पर पूरे कर लें। शर्मा ने कहा कि राजस्व विभाग के सहयोग से उपयुक्त स्थानों का चयन किया जाए। साथ ही भारतीय रेलवे के साथ समन्वय कर रेलवे परिसंपत्तियों पर भी पौधारोपण किया जाएगा। सार्वजनिक निर्माण विभाग को प्रमुख सड़कों और चारागाह भूमि पर वृक्षारोपण की योजना बनाने के निर्देश दिए गए हैं।मुख्यमंत्री ने मिट्टी की उत्पादकता के अनुरूप पौधारोपण करने और विशेष रूप से गूलर जैसे वृक्षों को बढ़ावा देने के निर्देश दिए। उन्होंने सीएसआर के माध्यम से पौधों की सिंचाई के लिए टैंकर जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराने तथा 'वृक्षिमत्रों' की भागीदारी सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया। 'मुख्यमंत्री वृक्षारोपण महाअभियान' के तहत किसानों को निःशुल्क फलदार पौधे उपलब्ध कराए जाएंगे।साथ ही उदयपुर, सिरोही और बांसवाड़ा जिलों में चंदन वन विकसित करने की योजना पर भी काम किया जाएगा, जिसमें ड्रिप सिंचाई और तारबंदी जैसी व्यवस्थाएं की जाएंगी। मुख्यमंत्री ने प्रत्येक जिले में 'नमो नर्सरी' स्थापित करने और पंचायत समिति स्तर पर 'नमो वन' विकसित करने की योजना को प्राथमिकता से लागू करने के निर्देश दिए। उन्होंने पहाड़ी और वन क्षेत्रों में ड्रोन सीडिंग तकनीक के उपयोग को भी बढ़ावा देने की बात कही।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने ''हरियालो राजस्थान'' को लेकर शनिवार को वन एवं पर्यावरण विभाग की समीक्षा बैठक ली। इस मौके पर वन राज्यमंत्री संजय शर्मा, अतिरिक्त मुख्य सचिव अखिल अरोड़ा, आनंद कुमार सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

- पहाड़ी एवं वन क्षेत्रों में ड्रोन सीडिंग की जाएगी, किसानों को फलदार पौधे दिए जाएंगे
- रेलवे परिसंपत्तियों, प्रमुख सड़कों के पास तथा चारागाह भूमि में वृक्षारोपण करें : मुख्यमंत्री

उल्लेखनीय है कि 'मिशन हरियालो राजस्थान' के तहत वर्ष 2024 से 2028 तक कुल 50 करोड़ पौधारोपण का लक्ष्य रखा गया है। वर्ष 2024 में 7.22 करोड़ और 2025 में 11.74 करोड़ पौधे लगाए जा चुके हैं, जो निर्धारित लक्ष्यों से अधिक है। बैठक में वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री संजय शर्मा, अतिरिक्त मुख्य सचिव अखिल अरोड़ा, आनंद कुमार सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे, जबकि मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से जुड़े।

खनन क्षेत्र के ऑटोमाइज्ड अधिकृत तुलाई कांटों का 8 जुलाई को लाइव परीक्षण

व्हीकल ट्रेकिंग सिस्टम से जुड़ेंगे खनिज परिवहन वाहन : एसीएस माइंस

जयपुर । राज्य में खनन क्षेत्र के ऑटोमाइज्ड अधीकृत तुलाई कांटों का 8 अप्रेल से लाइव परीक्षण आरंभ किया जाएगा। अतिरिक्त मुख्य सचिव माइंस एवं पेट्रोलियम अपर्णा अरोरा ने बताया कि माइनिंग सेक्टर में राज्य के खानधारकों और राज्य सरकार दोनों के व्यापक हितों को देखते हुए रेडियो फ्रीक्वेंसी आइडेंटिफिकेशन सिस्टम आरएफआईडी चालू करने का निर्णय लिया गया है।

उन्होंने बताया कि पहले चरण में वे-ब्रिज ऑटोमाइजेशन और जीपीएस आरएफआईडी आधारित व्हीकल ट्रेकिंग सिस्टम वीटीएस के माड्यूल्स तैयार कर चरणवद्ध तरीके से तुलाई कांटों और खनिज परिवहन वाहनों के ऑटोमाइजेशन का काम शुरु कर दिया गया है। विभाग के संबंधित फील्ड अधिकारियों को अवकाश के दिनों में भी ऑटोमाइजेशन का कार्य जारी रखने के निर्देश दिए गए हैं।

एसीएस माइंस एवं पेट्रोलियम अपर्णा अरोरा ने बताया कि राज्य सरकार के उन्नति कार्यक्रम में आरएफआईडी के कार्य को शामिल किया गया है और यह कार्य अनवरत होने के बावजूद अगस्त तक तुलाई कांटों और खनिज परिवहन वाहनों के ऑटोमाइजेशन कार्य का लक्ष्य रखा गया है। इसके लिए तय समयसीमा में कार्य कराने और प्रभावी मोनेटरिंग के लिए फील्ड स्तर पर नोडल अधिकारी नियुक्त करने के निर्देश दिए गए हैं।

- फील्ड अधिकारी बनाएं सहायक नोडल अधिकारी, मॉड्यूल इंस्टालेशन व लाइव कराने का अहम् दायित्व : अपर्णा अरोरा

अरोरा ने बताया कि आरएफआईडी के तहत होने वाले इस कार्य के क्रियान्वयन की टाइमलाइन तय कर दी गई है। 8 अप्रेल को वीटीएस और जीपीएस सिस्टम का ट्रायल रन किया जाएगा। 8 अप्रेल को ही विभागीय अधिकारी खनिज अभियंता और सहायक खनिज अभियंताओं का ओरियंटेशन कार्यक्रम भी होगा। उन्होंने बताया कि तुलाई कांटों के ऑटोमाइजेशन और खनिज परिवहन वाहनों में वीटीएस सिस्टम प्रभावी तरीके से प्रयोग में आने से माइनिंग सेक्टर में पारदर्शिता और व्यवस्था का सरलीकरण हो सकेगा। इससे सबसे अधिक लाभ खानधारकों को होगा वहीं राज्य सरकार के राजस्व में होने वाली छीजत पर भी रोक लग सकेगी।

अधीक्षण खनि अभियंता जयपुर एनएस शक्तावत ने बताया कि अतिरक्त मुख्य सचिव श्रीमती अरोरा जयपुर एसएमई कार्यक्षेत्र के चयनित तुलाई कांटे के ऑटोमाइजेशन के कार्य को लाइव करेंगी। इसके साथ ही ऑटोमाइज्ड कांटों का लाइव प्रदर्शन शुरु हो जाएगा।

अतिरिक्त निदेशक मुख्यालय एवं नोडल अधिकारी आरएफआइडी महेश माथुर ने बताया कि विभाग के खनि अभियंताओं और सहायक खनि अभियंताओं को सहायक नोडल अधिकारी बनाते हुए उन्हें चिन्हित तुलाई कांटों और खनिज परिवहन वाहनों में ऑटोमाइजेशन के कार्य को तय समय सीमा में कराने के निर्देश दिए गए हैं। हाईब्रिड बैठक में निदेशक माइंस महावीर प्रसाद मीणा, संयुक्त सचिव अरविन्द सारस्वत, विशेषाधिकारी श्रीकृष्ण शर्मा, अतिरिक्त निदेशक आईटी शीतल अग्रवाल व संबंधित अधिकारियों ने हिस्सा लिया।

देवदूत बने राजस्थान पुलिस के जांबाज

जयपुर। ब्रह्मपुरी इलाके में शुक्रवार शाम का मंजर किसी डरावने सपने से कम नहीं था। तेज अंधड़ और बारिश ने एक टीन शेड वाले घर को पलभर में मलबे में बदल दिया था। मलबे के नीचे दबी कराहती व मदद को पुकारती एक महिला... ऊपर बिखरे टीन के टुकड़े... और चारों तरफ फैले टूटे बिजली के तार, जिनमें दौड़ रहा था करंट। हर सेकंड खतरा बढढ़ हा था, हर पल मौत करीब आ रही थी।

बिजली के खुले तारों को देखकर कोई भी शख्स महिला को निकालने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहा था। लेकिन तभी मिली सूचना पर बिजली की गति से वहां पहुंचे दो चेहरे-हेड कांस्टेबल भागीरथ और चालक हंसराज-जो उस दिन सिर्फ पुलिसकर्मी नहीं, बल्कि जिंदगी की आखिरी उम्मीद और देवदूत बनकर आए।

हालात ऐसे थे जहां एक कदम आगे बढ़ाना भी जान जोखिम में डालने जैसा था। मगर इन दोनों ने न हालात देखे, न खतरा... बस देखा तो एक जिंदगी, जो मदद को पुकार रही थी। करंट से भरे तारों के बीच, मलबे को हटाते हुए, हर पल खतरे से जूझते हुए उन्होंने उस महिला तक पहुंच बनाई। पसीने, डर और जोखिम के बीच आखिरकार उन्होंने उसे बाहर खींच लिया-जैसे मौत के मुंह से जिंदगी छीन ली हो। इसके बाद बिना समय गंवाए महिला को तुरंत एसएमएस हॉस्पिटल के ट्रॉमा सेंटर पहुंचाया गया, जहां अब वह सुरक्षित है।यह सिर्फ एक रेस्क्यू नहीं था... यह उस जज्बे की कहानी थी, जहां वर्दी सिर्फ जिम्मेदारी नहीं, बल्कि इंसानियत का प्रतीक बन जाती है। जब हर कोई पीछे हट जाता है, तब यही पुलिसकर्मी आगे बढ़ते हैं...और साबित कर देते हैं-आड़े वक्त में पुलिस सिर्फ कानून नहीं, जिंदगी भी बचाती है।

ब्रह्मपुरी इलाके में मलबे में दबे परिवार को पुलिसकर्मियों को सुरक्षित बाहर निकालकर जान बचाई।

एनर्जी मिक्स से करें ऊर्जा की दीर्घकालिक मांग का समुचित प्रबंधन : केन्द्रीय विद्युत सचिव

पीक ऑवर्स में बिजली की निर्बाध आपूर्ति के लिए बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली विकसित करने पर जोर दिया

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । केन्द्रीय विद्युत मंत्रालय के सचिव पंकज अग्रवाल ने दीर्घकालिक ऊर्जा आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए विभिन्न ऊर्जा स्त्रोतों के मिश्रण (एनर्जी मिक्स) पर आधारित परियोजनाओं को गति देने के निर्देश प्रदेश के विद्युत निगमों को दिए हैं। उन्होंने कहा कि नवीकरणीय एवं गैर नवीकरणीय स्त्रोतों की बंडलिंग से राज्य में ऊर्जा की बढ़ती मांग का बेहतर प्रबंधन किया जा सकता है। केन्द्रीय विद्युत सचिव शनिवार को विद्युत भवन में राज्य के एनर्जी सेक्टर से संबंधित विषयों पर ऊर्जा विभाग एवं विद्युत निगमों के वरिष्ठ अधिकारियों से फीडबैक ले रहे थे।

- पीएम कुसुम में अब तक करीब 3800 मेगावाट क्षमता की परियोजनाएं राजस्थान में स्थापित हो चुकी : आरती डोगरा

उन्होंने कहा कि राजस्थान में पीएम-कुसुम योजना के माध्यम से विकेन्द्रित सौर ऊर्जा परियोजनाओं को बढ़ावा मिला है। केन्द्रीय विद्युत सचिव ने कहा कि डिसेन्ट्रलाइज सोलर परियोजनाएं विकसित होने के बाद ग्रिड में उत्पादित सौर ऊर्जा के इंटीग्रेशन की चुनौती भी पैदा हो रही है। ऐसे में वितरण निगम ग्रिड स्थिरता की दिशा में स्वयं को बेहतर तरीके से तैयार करें। उन्होंने पीक ऑवर्स में बिजली की निर्बाध आपूर्ति के लिए बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली सहित अन्य परियोजनाओं को समय पर विकसित करने पर जोर दिया।

केन्द्रीय विद्युत सचिव ने राज्य के 24 जिलों में कृषि क्षेत्र को दिन में सप्लाई, लॉस रिडक्शन, आरडीएसएस योजना के अन्तर्गत स्मार्ट मीटर की प्रगति, रिसोर्स एडीक्वेसी प्लान आदि पर चर्चा की। उन्होंने प्रदेश में ट्रांसमिशन परियोजनाओं के विस्तार, एसटीयू नेटवर्क पर नवीकरणीय ऊर्जा की कनेक्टिविटी आदि की भी जानकारी ली। इस अवसर पर रूरल इलेक्ट्रिफिकेशन कारपोरेशन (आरईसी) के सीएमडी जितेन्द्र श्रीवास्तव भी उपस्थित थे। ऊर्जा विभाग की शासन सचिव आरती डोगरा ने केन्द्रीय विद्युत सचिव को अवगत कराया कि पीएम कुसुम में अब तक करीब 3800 मेगावाट क्षमता की परियोजनाएं स्थापित हो चुकी हैं। उन्होंने जयपुर, अजमेर एवं जोधपुर विद्युत वितरण निगम द्वारा लॉस रिडक्शन की दिशा में किए जा रहे कार्यों की भी जानकारी दी। राजस्थान अक्षय ऊर्जा निगम के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक रोहित गुप्ता, राजस्थान विद्युत प्रसारण निगम के प्रबंध निदेशक सिद्धार्थ सिहाग, उत्पादन निगम के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक देवेन्द्र श्रृंगी ने भी केन्द्रीय सचिव को संबंधित विषयों से अवगत कराया। इस दौरान केन्द्रीय विद्युत मंत्रालय के संयुक्त सचिव (वितरण) शशांक मिश्रा सहित केन्द्रीय विद्युत मंत्रालय के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे।

केन्द्रीय विद्युत मंत्रालय के सचिव पंकज अग्रवाल ने शनिवार को विद्युत भवन में राज्य के एनर्जी सेक्टर से संबंधित विषयों पर चर्चा की।

हाईकोर्ट ने खारिज की पीआईएल

जयपुर । राजस्थान हाईकोर्ट की खंडपीठ ने सांगानेर न्यायालय में पारिवारिक मामलों का क्षेत्राधिकार दिए जाने के खिलाफ दायर जनहित याचिका को खारिज कर दिया है। एक्टिंग सीजे एसपी शर्मा व जस्टिस शुभा मेहता की खंडपीठ ने यह निर्देश पारिवारिक न्यायालय बार एसोसिएशन जयपुर के तत्कालीन महासचिव विष्णु शर्मा की जनहित याचिका पर दिया। याचिका में कहा कि आमजन को सुलभ न्याय देने के उद्देश्य से राज्य सरकार ने 24 अगस्त 2022 के आदेश से सांगानेर बस्सी एवं चौमू के एडीजे न्यायालय को पारिवारिक न्यायालय का क्षेत्राधिकार दिया था। इसके पालन में ही हाईकोर्ट ने 30 अगस्त को आदेश पारित किया। जिसे जनहित याचिका में चुनौती दी गई। इस याचिका में सांगानेर बार एसोसिएशन के तत्कालीन अध्यक्ष महावीर सुरेंद्र जैन व महासचिव नेमीचंद सामरिया ने पक्षकार बनने का प्रार्थना पत्र दायर किया। सांगानेर बार एसोसिएशन की ओर से पैरवी करते हुए सीनियर एडवोकेट सुरेश पारीक व अधिवक्ता मनु पंचोली ने बताया कि मामलों का क्षेत्राधिकार पूर्व से एडीजे कोर्ट को दिया जा चुका है। प्रदेश में भी सभी मुख्यालयों पर एडीजे कोर्ट को ही पारिवारिक मामलों का क्षेत्राधिकार है। ऐसे में जनहित याचिका को खारिज किया जाए।

''ग्राम-2026'' के लिए देशभर में आयोजित होंगे रोड-शो

जयपुर । राजस्थान सरकार के कृषि विभाग द्वारा 23 से 25 मई को आयोजित होने जा रही ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक मीट (ग्राम)-2026 के प्रचार-प्रसार और निवेशकों को आकर्षित करने के उद्देश्य से देशभर के प्रमुख शहरों में रोडशो आयोजित किए जाएंगे। ये रोड-शो 10 अप्रैल को जयपुर, 17 अप्रैल को दिल्ली, 24 अप्रैल को अहमदाबाद, 6 मई को हैदराबाद तथा 8 मई को पुणे में होंगे।

प्रमुख शासन सचिव कृषि एवं उद्यानिकी मंजू राजपाल ने बताया कि ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक मीट-2026 मई माह में की जाएगी। इन रोड-शो के माध्यम से निवेशकों, एग्रीटेक कंपनियों, शोध संस्थानों, स्टार्टअप्स और कृषि क्षेत्र से जुड़े विभिन्न हितधारकों को ग्राम-2026 में सहभागिता के लिए आमंत्रित किया जाएगा। साथ ही उन्हें राजस्थान के कृषि क्षेत्र में उपलब्ध निवेश संभावनाओं और राज्य सरकार की विभिन्न पहलों की जानकारी दी जाएगी। रोडशो का उद्देश्य राजस्थान को कृषि निवेश के लिए एक प्रमुख गंतव्य के रूप में स्थापित करना तथा कृषि क्षेत्र में नवाचार, आधुनिक तकनीकों और आईटी आधारित समाधानों को बढ़ावा देना है। इन आयोजनों के दौरान संभावित निवेशकों, एग्रीटेक डेवलपर्स, उद्योग प्रतिनिधियों और नीति निर्माताओं के साथ संवाद स्थापित करते हुए राज्य में कृषि आधारित उद्योगों, प्रसंस्करण और मूल्य संवर्धन से जुड़े अवसरों पर चर्चा की जाएगी। रोड शो के दौरान प्रतिभागियों को तकनीकी सत्र, कार्यशालाएं, प्रदर्शनियां, स्मार्ट फार्म एवं पशु प्रदर्शनी, बिजनेस-टू-बिजनेस और बिजनेस-टू-गवर्नमेंट बैठकें तथा निवेश संवाद के बारे में भी जानकारी दी जाएगी।

- जयपुर सहित नई दिल्ली, अहमदाबाद, हैदराबाद और पुणे में निवेशकों और एग्रीटेक कंपनियों से होगा संवाद

चाकसू में पति ने पत्नी की चाकू से गला रेतकर हत्या की

जयपुर। चाकसू क्षेत्र के स्वामी का बास गांव में एक दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई है, जहां पति ने पत्नी की चाकू से गला रेतकर हत्या कर दी और पूरी रात शव के पास बैठा रहा। घटना शुक्रवार देर रात की बताई जा रही है। थानाधिकारी मनोहर लाल के अनुसार सांगानेर के श्योपुर निवासी सुनीता (25) की शादी वर्ष 2020 में स्वामी का बास निवासी रामवतार रैगर से हुई थी। दोनों के बीच पिछले कुछ समय से विवाद चल रहा था। रामवतार बेरोजगार था। जिसके चलते आए दिन कहासुनी होती रहती थी। जहां शुक्रवार रात विवाद बढ़ने पर आरोपी ने गुस्से में आकर पत्नी सुनीता का चाकू से गला रेत दिया। हमले के दौरान सुनीता ने बचने का प्रयास किया। जिससे कमरे में खून फैल गया। हत्या के बाद आरोपी ने खुद के गले पर भी चाकू से वार कर आत्महत्या का प्रयास किया। लेकिन बच गया और रातभर पत्नी के शव के पास ही बैठा रहा।

जब शनिवार सुबह करीब 6 बजे परिजनों ने गेट के पास सुनीता का शव और पास में घायल रामवतार को देखा। जिसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस मौके पर पहुंची और महिला के शव को पोस्टमार्टम के लिए सीएचसी चाकसू की मोर्चरी भिजवाया। जबकि आरोपी को उपचार के बाद हिरासत में ले लिया गया। मृतका के भाई मुकेश ने पति और ससुराल पक्ष पर दहेज उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए हत्या का मामला दर्ज कराया है। पुलिस पूरे प्रकरण की जांच में जुटी है।

कांग्रेस को रसातल में पहुंचाने वाले गहलोत को पार्टी ने किया साइड लाइन : घनश्याम तिवाड़ी

''गहलोत अपनी खीझ मिटाने के लिए सोशल मीडिया पर कर रहे है मिथ्या ट्विट''

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं राज्यसभा सांसद घनश्याम तिवाड़ी ने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के इंतजार शास्त्र पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि भारत में शास्त्र तो 64 ही हुए है, शास्त्र जैसे पवित्र शब्द के साथ इंतजार जोड़ना नहीं चाहिए। वे चाहे तो इजहार नामा कर सकते है। गहलोत हारने के बाद अपनी उपेक्षा से पीड़ित होकर हताशा का इजहार कर सकते है। गहलोत जब-जब मुख्यमंत्री बने, उसके बाद उन्होंने पार्टी को रसातल में पहुंचाया और सत्ता भाजपा के पास आई। इसके चलते कांग्रेस नेतृत्व ने उन्हें साइड लाइन कर दिया। कांग्रेस पार्टी को रसातल में पहुंचाने वाले गहलोत साहब को दिल्ली में पायलट और राजस्थान में डोटासरा के चलते तवज्जो नहीं दी जा रही, ऐसे में वे सोशल मीडिया पर अपने कार्यों का इजहार कर रहे है। तिवाड़ी ने पूर्व मुख्यमंत्री गहलोत के कार्यकाल पर कटाक्ष करते हुए कहा कि ''फूलां बाई फूलगी, गेल का दिन भूलगी'' लोकोक्ति अशोक गहलोत पर चरितार्थ हो रही है।

भाजपा के वरिष्ठ नेता घनश्याम तिवाड़ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री गहलोत अपना कार्यकाल कैसे भूल गए, जब प्रतियोगी परीक्षाओं के पेपरलीक हुए और प्रदेश के युवाओं के साथ कुठाराघात किया गया। गहलोत कैसे भूल गए कि प्रदेश के लिए महत्वकांक्षी परियोजना ईआरसीपी और यमुना जल समझौते को कांग्रेस सरकार ने लटकाने का कार्य किया। गहलोत कैसे भूल गए कि जेजेएम घोटाले में उनकी सरकार के मंत्री से लेकर विभाग के अधिकारी तक जेल पहुंच गए। गहलोत के कार्यकाल में युवा रोजगार के लिए इंतजार कर रहे थे, पेपरलीक रूकने का इंतजार कर रहे थे, बहन-बेटियां सुरक्षा का इंतजार कर रही थी, किसान जमीन बचाने का इंतजार कर रहे थे और जनता भ्रष्टाचार से मुक्ति का इंतजार कर रही थी।

सांसद घनश्याम तिवाड़ी

- तिवाड़ी ने कहा ''गहलोत पर वह कहावत फिट बैठती है, ''फूलां बाई फूलगी, गेल का दिन भूलगी''
- 'गहलोत ने इंतजार के साथ शास्त्र जोड़ा, यह शास्त्र का अपमान, इंतजार शास्त्र की जगह करें इजहार नामा'

तिवाड़ने कहा कि सोशल मीडिया पर गहलोत सीरीज चला रहे है, जबकि आईपीडी टॉवर प्रोजेक्ट से लेकर टैंडर प्रक्रिया तक अनियमितताओं से भरा हुआ था। गहलोत सरकार के आंकलन का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि उनके ही कार्यकाल में परियोजना की लागत 400 करोड़ रुपए से बढ़कर 700 करोड़ रूपए हो गई, 1500 बेड वाले टावर के लिए पार्किंग व्यवस्था सिर्फ 190 की गई। यह उनकी जल्दबाजी एवं दिखावे की राजनीति थी। सांगानेरी गेट महिला चिकित्सालय आईपीडी टॉवर को लेकर भी सिर्फ झूठ फैलाया। इसका सिविल वर्क लगभग पूरा हो गया, उपकरणों की खरीद का कार्य प्रगति पर है। गहलोत भूल गए कि उनके कार्यकाल के पहले 2 साल में एक भी पीएचसी नहीं खोली गई, जबकि भजनलाल सरकार ने 6 नई पीएचसी स्थापित की। कांग्रेस ने पहले 2 साल में 53 सीएचसी, भजनलाल सरकार ने 84 सीएचसी खोली, उप जिला अस्पताल गहलोत के कार्यकाल में 1, भजनलाल सरकार ने 61, जिला अस्पताल गहलोत के कार्यकाल में 3 तो भजनलाल सरकार ने 14 और सेटेलाइट अस्पताल 2 के मुकाबले 18 खोलने का कार्य किया है। इतना ही नहीं, भजनलाल सरकार ने चिकित्सा क्षेत्र में दो साल में 50000 से अधिक भर्तियां की, 14 हजार से अधिक प्रक्रियाधीन है, जबकि गहलोत सरकार ने 5 साल में ही महज 29 हजार पदों पर ही भर्तियां की थी। पहले 49 जिला अस्पताल थे, आज 63 है। गहलोत साहब मेडिकल कॉलेज को लेकर भ्रम फैला रहे है,जबकि हकीकत यह है कि 2016 तक राजस्थान में सिर्फ 8 मेडिकल कॉलेज थे, जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 23 नए मेडिकल कॉलेज शुरू किए गए।

घनश्याम तिवाड़ने कहा कि गहलोत ने चुनावी साल में घोषणाओं की बाढ़ ला दी थी, शिलान्यास तो कर दिए, लेकिन उनके लिए बजट में कोई ठोस प्रावधान तक नहीं किया था। गहलोत ने 5 साल में 4148 घोषणाएं की थी, जिनमें से 2208 पूरी ही नहीं हुई। करीब 626 घोषणाएं तो ऐसी थी जिन पर एक रुपए तक खर्च नहीं हुआ। जबकि भजनलाल सरकार ने 2719 बजट घोषणाएं की, जिसमें से 90 फीसदी पर स्वीकृतियां जारी कर दी गई है। इनमें से 34 प्रतिशत में कार्य पूर्ण हो गया, 56 प्रतिशत प्रगतिरत है और 10 प्रतिशत पर कार्य प्रारंभ होना है। महात्मा गांधी इंस्टीट्यूट हो या दिव्यांग विश्व विद्यालय, गहलोत ने सिर्फ राजनीतिक लाभ के लिए इस्तेमाल किया। सिविल लाइन्स आरओबी लेकर गहलोत साहब सफेद झूठ बोल रहे है। वर्ष 2021 में शुरू होने वाली योजना में 2022 तक सिर्फ 9 प्रतिशत कार्य हुआ। कांग्रेस के कार्यकाल में सिर्फ 20 प्रतिशत काम ही हुआ था।

सूने मकानों में चोरी करने वाले दो गिरफ्तार

जयपुर। जयपुर पुलिस की खोराबीसल थाना पुलिस ने सूने मकानों को निशाना बनाकर चोरी करने वाले दो शातिर बदमाशों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने करधनी, कालवाड और खोराबीसल थाना क्षेत्रों में एक दर्जन से अधिक वारदातें करना कबूल किया है। जिनके पास से सोने-चांदी जेवरात सहित नगदी बरामद की है। साथ ही चोरी के औजार और वारदात में प्रयुक्त एक्टिवा स्कूटी भी जब्त की है। फिलहाल आरोपियों से पूछताछ की जा रही है।

पुलिस उपायुक्त (पश्चिम) प्रशांत किरण ने बताया कि खोराबीसल थाना पुलिस ने सूने मकानों को निशाना बनाकर चोरी करने वाले देव प्रताप सिंह उर्फ देव (21) निवासी करणी विहार व हाल खोराबीसल तथा रुद्राक्ष मिश्रा उर्फ गोविंद (22) निवासी सोडाला हाल खोराबीसल को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने इनके कब्जे से सोने-चांदी के जेवर, 2,74,607 रुपए नकद, चोरी के औजार और वारदात में प्रयुक्त एक्टिवा स्कूटी जब्त की है। जांच में सामने आया कि दोनों आरोपी जयपुर में किराए पर रहकर वारदात को अंजाम देते थे। शक से बचने के लिए खुद को ऑनलाइन बिजनेस करने वाला बताते थे। दिन में कॉलोनियों में घूम कर सूने मकानों की रेकी करते और रात में ताला तोड़कर जेवर, नकदी व कीमती सामान चुरा लेते थे। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपियों ने करधनी क्षेत्र में किराए का मकान लेकर उसे सेफ हाउस बना रखा था। चोरी का माल और नकदी मकान की फॉल्स सीलिंग में छिपाकर रखते थे। जिससे किसी को भनक तक नहीं लगती थी। थानाधिकारी सुरेंद्र चौधरी के अनुसार आरोपियों से 3 जोड़ी सोने की बालियां, 4 सोने की पातड़ियां, 1 सोने की अंगूठी, 7 चांदी की अंगूठियां, 5 जोड़ी चांदी की पायजेब, चांदी के सिक्के सहित नकदी बरामद की गई है। पुलिस आरोपियों ने अन्य वारदातों के संबंध में पूछताछ कर रही है।

सार-समाचार

भाजपा स्थापना दिवस की तैयारियां तेज

बीकानेर(निसं)। भारतीय जनता पार्टी के 06 अप्रैल को मनाए जाने वाले स्थापना दिवस को लेकर गंगाशहर मंडल कार्यालय में एक महत्वपूर्ण बैठक एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। बैठक में स्थापना दिवस के कार्यक्रमों की तैयारियों पर विस्तार से चर्चा करते हुए संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत बनाने का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम में बीकानेर शहर जिला अध्यक्ष सुमन छाजेड़, गंगानगर सह-प्रभारी मोहन सुराणा, पूर्व महापौर नारायण चोपड़ा, सरिता नाहटा, एवं मंडल अध्यक्ष प्रकाश मेघवाल ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कार्यकर्ताओं से सक्रिय भूमिका निभाने का आ ान किया। सभी वक्ताओं ने स्थापना दिवस को उत्सव के रूप में मनाने और अधिक से अधिक जनसंपर्क बढ़ाने पर जोर दिया।इस अवसर पर गंगानगर सह-प्रभारी मोहन सुराणा को भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष बनने पर साफा, शॉल, दुपट्टा एवं श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया गया। साथ ही शिखरचंद डागा, राजश्री कच्छावा एवं अंकुश चोपड़ा को पार्टी में नए दायित्व मिलने पर तथा अमरचंद भाटी को गंगाशहर सैन समाज का अध्यक्ष चुने जाने पर उनका स्वागत व अभिनंदन किया गया। बैठक में गंगाशहर मंडल संयोजक राजश्री कच्छावा, सह-संयोजक जगदीश सोनी एवं शिव प्रजापत ने भी अपने विचार रखते हुए कार्यक्रम को सफल बनाने का आव्हान किया। इस दौरान सभी बूथ अध्यक्षों, सक्रिय कार्यकर्ताओं एवं सदस्यों को पार्टी के ध्वज वितरित किए गए तथा प्रत्येक बस्ती और गांव में ध्वज लगाने का आग्रह किया गया।

आलेख व काव्य संग्रह का लोकार्पण आज

बीकानेर,(निसं)। मुक्ति संस्थान के तत्वावधान में रविवार सायं 4:30 बजे अजित फाउंडेशन सभागार में साहित्यकार अशोक रंगा के विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित आलेख संग्रह 'कलम और यह परिवेश' तथा महेंद्र रंगा के काव्य संग्रह 'कह गया जो लौटेगा एक दिन' का लोकार्पण किया जाएगा। मुक्ति संस्थान द्वारा आयोजित होने वाले समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता एवं दिल्ली उच्च न्यायालय के वरिष्ठ पैनल अधिवक्ता सिद्धार्थ आचार्य उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ साहित्यकार राजेंद्र जोशी करेंगे। विशिष्ट अतिथियों के रूप में वरिष्ठ साहित्यकार मालचंद तिवाड़ी, लेखक-व्यंग्यकार एवं संपादक प्रो. डॉ. अजय जोशी तथा सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के उप निदेशक डॉ. हरि शंकर आचार्य मंच पर मौजूद रहेंगे।कार्यक्रम के दौरान दोनों पुस्तकों पर पत्रवाचन किया जाएगा। 'कलम और यह परिवेश' पर डॉ. हरि शंकर आचार्य तथा 'कह गया जो लौटेगा एक दिन' पर श्री हरीश बी. शर्मा पत्रवाचन करेंगे।

नोखा रोटरी क्लब में सेवा प्रकल्प शुरू करने की तैयारी

नोखा,(निसं)। यहा रोटरी क्लब की बैठक हुई। इस दौरान डॉ. शेखावत ने नोखा रोटरी क्लब से स्थायी सेवा प्रकल्प शुरू करने और अधिक से अधिक नए सदस्यों को संगठन से जोड़ने का आव्हान किया। उन्होंने कहा कि सक्रिय सदस्यता और निरंतर सेवा कार्यों के जरिए संगठन को और मजबूत बनाया जा सकता है। गवर्नर डॉ. निशा शेखावत ने कहा- रोटरी क्लब विश्व का सबसे बड़ा सेवा संगठन है, जो अपने सदस्यों से सहयोग राशि एकत्रित कर जरूरतमंदों की सहायता करता है। उन्होंने कहा कि रोटरी क्लब का उद्देश्य समाज के कमजोर वर्गों तक मदद पहुंचाना और सेवा के माध्यम से सकारात्मक बदलाव लाना है। डॉ. निशा शेखावत ने बताया कि रोटरी क्लब के दुनिया भर में 1.2 मिलियन से अधिक सदस्य जुड़े हुए हैं। यह संगठन 163 देशों में करीब 32 हजार क्लबों के माध्यम से विभिन्न सामाजिक और सेवा गतिविधियों को अंजाम दे रहा है। उन्होंने कहा कि रोटरी क्लब विश्व स्तर पर शांति और आपसी समझ को बढ़ावा देने के साथ-साथ स्वास्थ्य, शिक्षा और आर्थिक विकास के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। बैठक में डॉ. उमेश भार्गव और डॉ. मनोज डबराल ने भी अपने विचार रखे। इससे पहले ईश्वरचंद्र दुगड़ ने नोखा रोटरी क्लब की स्थापना से लेकर अब तक किए गए विभिन्न सेवा कार्यों की विस्तृत जानकारी साझा की। बैठक से पूर्व नोखा पहुंचने पर रोटरी क्लब के पदाधिकारियों ने डॉ. निशा शेखावत का स्वागत किया और उन्हें स्मृति चिन्ह भेंट किया।

विधायक गेदर ने ओलावृष्टि प्रभावित गांवों का दौरा किया

सूरतगढ़,(निंसं)। क्षेत्र में ओलावृष्टि से फसलों को हुए भारी नुकसान के बाद विधायक डूंगरराम गेदर ने शनिवार को प्रभावित गांवों का दौरा किया। उन्होंने किसानों के लिए तत्काल मुआवजे की मांग की और प्रशासनिक अधिकारियों को सर्वे के निर्देश दिए। विधायक गेदर ने खेतों में जाकर फसलों को हुए नुकसान का जायजा लिया। किसानों ने उन्हें बताया कि ओलावृष्टि से गेहूं, सरसों सहित अन्य फसलें पूरी तरह नष्ट हो गई हैं, जिससे उन्हें भारी आर्थिक क्षति हुई है। विधायक ने मौके पर मौजूद प्रशासनिक अधिकारियों को तुरंत प्रभावित क्षेत्रों का सर्वे कर वास्तविक नुकसान का आकलन करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि सर्वे रिपोर्ट जल्द से जल्द उच्च अधिकारियों को भेजी जाए, ताकि किसानों को राहत दिलाने की प्रक्रिया शुरू हो सके। गेदर ने राज्य सरकार से ओलावृष्टि प्रभावित किसानों को जल्द से जल्द उचित मुआवजा और आर्थिक सहायता प्रदान करने की मांग की। उन्होंने जोर दिया कि इस कठिन समय में किसानों को सरकारी मदद की आवश्यकता है। इस दौरे के दौरान कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष परसराम भाटिया, गिरधारी स्वामी, जिला महासचिव बनवारी लाल थोरी, ब्लॉक उपाध्यक्ष बजरंग शर्मा, गणेश गोदारा, बलराज सहारण, कांग्रेस राजियासर पंचायत अध्यक्ष जसवंत सिंह राठौड़, कांग्रेस मोकलसर पंचायत अध्यक्ष केसरा राम, जुगल सिंह राठौड़, गणेश सुथार, भानीराम मेघवाल, संतराम मेघवाल, जगदीश बांगड़वा, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी राजियासर महामंत्री चेतराम नेहरा, मंगतुराम बैगड़, नरेश गोदारा, मदनलाल कुम्हार सहित कई जनप्रतिनिधि और अधिकारी मौजूद थे। विधायक गेदर ने किसानों को आश्वासन दिया कि उनके हितों की रक्षा के लिए हर संभव प्रयास किए जाएंगे और उनकी समस्याओं को सरकार के समक्ष प्रभावी ढंग से उठाया जाएगा।

सागर गुरुकुल में सामूहिक यज्ञोपवीत संस्कार 3 मई को

बीकानेर,(निसं)। करपात्री स्वामी निरंजन देव तीर्थ संस्कृत महाविद्यालय में विशाल सामूहिक यज्ञोपवीत संस्कार प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी 03 मई रविवार को आयोजित किया जा रहा है। करपात्री स्वामी धर्म संघ के मांगीलाल भोजक एवं श्याम व्यास ने बताया कि उपनयन संस्कार में सम्मिलित होने के इच्छुक अभिभावक एवं बालक निर्धारित तिथि से पूर्व महाविद्यालय कार्यालय में अपना पंजीयन करवा सकते हैं।

सामाजिक चिंतक शिवकुमार थानवी का किया नागरिक अभिनंदन

■ थानवी ने 'प्रेरणा और प्रतिबद्धता' को अपने सामाजिक कार्यो की आधारशिला बनाया है। जोशी ने कहा कि केवल शिक्षा देना ही नहीं, बल्कि युवाओं के चरित्र, दृष्टिकोण और सामाजिक जिम्मेदारी का विकास करना वास्तविक शिक्षा है

बीकानेर,(निसं)। साझी विरासत, बीकानेर के तत्वावधान में प्रख्यात सामाजिक चिंतक और सामाजिक कार्यकर्त्ता शिवकुमार थानवी के सृष्टिपर्व के अवसर पर उनका नागरिक अभिनंदन किया गया।

अभिनंदन समारोह की अध्यक्षता वरिष्ठ साहित्यकार कवि-कथाकार राजेन्द्र जोशी ने की । समारोह के मुख्य अतिथि जल वितरण विशेषज्ञ इंजीनियर सुनील पुरोहित थे तथा विशिष्ट अतिथि युवा एडवोकेट खुशालचंद जोशी रहे।

नृसिंह विला में आयोजित शिवकुमार थानवी के सृष्टिपर्व अभिनंदन समारोह में उनके सामाजिक, शैक्षिक और युवागत कार्यों की विस्तृत चर्चा की गई। समारोह की अध्यक्षता करते हुए वरिष्ठ साहित्यकार राजेन्द्र जोशी ने कहा कि थानवी ने 'प्रेरणा और प्रतिबद्धता' को अपने सामाजिक कार्यों की आधारशिला बनाया है। जोशी ने कहा

बीकानेर में सामाजिक चिंतक शिवकुमार थानवी का किया नागरिक अभिनंदन।

कि केवल शिक्षा देना ही नहीं, बल्कि युवाओं के चरित्र, दृष्टिकोण और सामाजिक जिम्मेदारी का विकास करना वास्तविक शिक्षा है और इसी दृष्टि से थानवी ने जीवनपर्यंत अपना कार्य किया है। मुख्य अतिथि पुरोहित ने अपने उद्बोधन में उल्लेख किया कि थानवी स्वयं सीमित साधनों के बीच से उठकर युवाओं को उच्च शिक्षा, खेलकूद और सांस्कृतिक विकास के अवसर प्रदान करने हेतु लगातार प्रयासरत रहे हैं।

विशिष्ट अतिथि के रूप में बोलते हुए खुशालचंद जोशी ने कहा कि शिवकुमार थानवी के व्यावहारिक सामाजिक कार्यों पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि कई लोग बोलने बोलने तक सीमित रह जाते हैं, लेकिन थानवी ने नकारात्मकता के स्थान पर निर्माणात्मक पहल चुनी है और युवाओं को सड़कों से मैदानों और कक्षाओं तक लाने का प्रयास किया है।

स्वागत के प्रति उत्तर में शिवकुमार थानवी ने साझी विरासत के प्रति आभार प्रकट करते हुए युवाओं से आ ान किया कि उन्हें शिक्षा के साथ-साथ स्वास्थ्य के लिए खेलकूद पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। प्रारंभ में सामाजिक कार्यकर्त्ता मोहनलाल आचार्य ने स्वागत उद्बोधन देते हुए थानवी के साथ बिताए समय का सदुपयोग बताया।अतिथियों ने थानवी को शाल,श्रीफल, स्मृति चिह्न और अभिनंदन पत्र भेंट कर सम्मान किया।

विजय जोशी ने थानवी के व्यक्तित्व और कृतित्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन महेन्द्र आचार्य ने किया तथा सभी के प्रति मोहनलाल जोशी ने आभार व्यक्त किया।

प्रतियोगी परीक्षा आज से

बीकानेर, (निसं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा उप निरीक्षक/पाल्टून कमांडर संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा-2025 का आयोजन 5 और 6 अप्रैल को दो-दो सत्रों में जिले के 48 परीक्षा केंद्रों पर किया जाएगा। जिला कलेक्टर निशांत जैन और पुलिस अधीक्षक मृदुल कच्छावा ने शनिवार को परीक्षा की तैयारियों की समीक्षा की और इससे जुड़े सभी कार्मिकों को पूर्ण गंभीरता तथा जिम्मेदारी से कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि परीक्षा की शुचिता बनी रहे। इसे पूर्ण पारदर्शी तरीके से आयोजित करवाना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। सभी कार्मिक, राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा जारी सभी दिशा-निर्देश अच्छी तरह से पढ़ लें तथा इनकी अक्षरशः पालना हो। इसमें किसी प्रकार की लापरवाही असहनीय होगी। जिला कलेक्टर ने बताया कि अतिरिक्त जिला कलेक्टर (नगर)रमेश देव परीक्षा समन्वयक होंगे तथा 32 उप समन्वयक लगाए गए हैं। परीक्षा के लिए 8 सतर्कता दल बनाए गए हैं। इनमें राजस्थान प्रशासनिक सेवा, राजस्थान पुलिस सेवा के अलावा शिक्षा विभाग के एक-एक अधिकारी को सम्मिलित किया गया है।

कृषि आदान विक्रेता फर्मों का किया निरीक्षण

बीकानेर,(निसं)। कृषि आयुक्तालय, जयपुर के आदेशानुसार व अतिरिक्त निदेशक कृषि त्रिलोक कुमार जोशी व संयुक्त निदेशक कृषि मदनलाल के मार्गदर्शन व नेतृत्व में शनिवार को बीकानेर में अनुदानित यूरिया के गैर कृषि कार्य /औद्योगिक उपयोग डायवर्जन रोकने हेतु एक दिवसीय विशेष अभियान के तहत कृषि उर्वरक विक्रेता फर्मों का निरीक्षण आदान निरीक्षक द्वारा किया गया ताकि आगामी खरीफ सीजन के मध्य नजर किसानों को पर्याप्त उर्वरक उपलब्धता सुनिश्चित हो सके। इसी क्रम में कृषि आदान निरीक्षक उद्यान विभाग के सहायक निदेशक मुकेश गहलोत ने बीकानेर मुख्यालय पर कृषि आदान विक्रेता फर्मों के विक्रय परिसर एवं गोदामों का सघन निरीक्षण कर उर्वरक स्टॉक का जायजा लिया।

गहलोत ने निरीक्षण के दौरान उर्वरक विक्रेताओं को पोस मशीन एवं गोदाम में उपलब्ध उर्वरक के स्टॉक को दुरूस्त करने के निर्देश दिए गए एवं आगामी खरीफ सीजन हेतु क्षेत्र की मांग

कृषि विभाग के अधिकारियोंने कृषि आदान विक्रेता फर्मो का किया निरीक्षण।

अनुसार उर्वरकों उपलब्धता सुनिश्चित करने की सलाह दी ताकि आगामी खरीफ सीजन में क्षेत्र के किसानों को समय पर मांग अनुसार यूरिया एवं डीएपी व अन्य उर्वरकों की व्यवस्था करवाई जा सके। यदि उर्वरक विक्रेताओं की पोस मशीन के उर्वरक स्टॉक एव गोदाम में उपलब्ध उर्वरक स्टॉक में अंतर पाया जाएगा उनके विरुद्ध उर्वरक नियंत्रण आदेश 1985 के तहत आवश्यक कार्यवाही अमल में लाई जाएगी। संयुक्त निदेशक कृषि मदनलाल ने बताया कि जिले की ग्राम सेवा सहकारी समिति एवं क्रय विक्रय सहकारी समितियों को कृषि आदान वितरण हेतु अधिकाधिक क्रियाशील करवाया जाएगा एवं पात्र एवं इच्छुक समितियों को उर्वरक लाइसेंस जारी कर उर्वरक की आपूर्ति करवाई जाएगी ताकि स्थानीय स्तर पर ही आगामी समय में समिति के द्वारा क्षेत्र के किसानों को उर्वरकों का वितरण करवाया जा सके। बीकानेर मुख्यालय पर निरीक्षण के दौरान कृषि अधिकारी रमेश भाम्भू व सहायक कृषि अधिकारी राजेंद्र पहाड़िया टीम के साथ रहें।

सड़कों पर पशु छोड़ने पर नगर परिषद सख्त

हनुमानगढ़(निसं)। नगर परिषद ने सड़कों पर निराश्रित पशुओं की बढ़ती समस्या पर सख्ती शुरू कर दी है। जिला कलेक्टर और नगर परिषद आयुक्त के निर्देशों पर शनिवार को एक विशेष अभियान चलाया गया। इस दौरान पशुपालकों को सड़कों पर पशु नहीं छोड़ने की चेतावनी दी गई। अभियान के तहत सफाई निरीक्षक रमनदीप कौर के नेतृत्व में नगर परिषद की टीम ने शहर के विभिन्न वार्डों में घर-घर जाकर पशुपालकों से संपर्क किया। टीम ने उन्हें समझाया कि पालतू पशुओं को सड़कों पर छोड़ने से यातायात बाधित होता है और दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ जाता है। नगर परिषद अधिकारियों ने बताया कि शहर में निराश्रित पशुओं की समस्या लगातार गंभीर हो रही है। सड़कों पर घूमते पशुओं के कारण आम जनता को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कई बार ये पशु अचानक सड़क पर आ जाने से हादसे भी हो चुके हैं। सफाई निरीक्षक रमनदीप कौर ने जानकारी दी कि इससे पहले भी नगर परिषद ने पशुपालकों को दो बार नोटिस जारी कर पालतू पशुओं को सड़कों पर न छोड़ने के निर्देश दिए थे।

आदेश के 4 माह बाद भी आरसीटी नहीं

■ मरीज अब भी निजी क्लीनिकों के भरोसे

बीकानेर,(निसं)। शहर के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल पीबीएम में मरीजों की परेशानी कम होने के बजाय बढ़ती नजर आ रही है। निवर्तमान जिला कलेक्टर नम्रता वृष्णि के स्पष्ट निर्देशों के बावजूद यहां डेंटल हॉस्पिटल में रूट कैनाल (आरसीटी) और फिलिंग जैसी बुनियादी सुविधाएं शुरू नहीं हो पाई हैं। नतीजतन मरीजों को मजबूरी में महंगे निजी इलाज का सहारा लेना पड़ रहा है। जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक के दौरान निवर्तमान कलेक्टर नम्रता वृष्णि ने पीबीएम अस्पताल में डेंटल सेवाओं को सुदृढ़ करने के निर्देश दिए थे। खासतौर पर रूट कैनाल (आरसीटी) और दांतों की फिलिंग जैसी सुविधाएं नियमित रूप से शुरू करने पर जोर दिया गया था, ताकि मरीजों को निजी क्लीनिकों के चक्कर न काटने पड़ें। लेकिन आदेश के करीब चार महीने बाद भी पीबीएम की डेंटल हॉस्पिटल में स्थिति जस की तस बनी हुई है। यहां रोजाना 150 से 300 मरीजों का ओपीडी रहता है, जिनमें गंभीर केस जैसे एक्सीडेंट में जबड़े की हड्डी टूटना या कैंसर से जुड़े उपचार भी शामिल हैं। इसके बावजूद रूट कैनाल जैसी सामान्य लेकिन जरूरी सुविधा का अभाव मरीजों के लिए परेशानी का कारण बना हुआ है। स्थिति की गंभीरता इस बात से समझी जा सकती है कि जस्सूसर गेट स्थित एसडीएम राजकीय जिला अस्पताल में इसी आदेश के बाद तत्काल आरसीटी सुविधा शुरू कर दी गई, जबकि संभाग के सबसे बड़े अस्पताल में यह सेवा अब तक शुरू नहीं हो पाई है। डेंटल विशेषज्ञों के अनुसार रूट कैनाल और फिलिंग के लिए एंडो मोटर, एपेक्स लोकेटर, फाइल्स, गट्टा पर्चा, सीलर, कंपोजिट फिलिंग मटेरियल, लाइट क्योर यूनिट, डिस्पोजेबल किट्स सहित कई आवश्यक उपकरण और सामग्री की जरूरत होती है। इनकी अनुपलब्धता के कारण उपचार शुरू नहीं हो पा रहा है। पीबीएम के डेंटल हॉस्पिटल में सुपर स्पेशियलिटी डॉक्टरों की मौजूदगी के बावजूद इस सुविधा का शुरू नहीं होना कहीं न कहीं सिस्टम की कमजोरी और इच्छाशक्ति के अभाव को उजागर करता है।

बिना मान्यता स्कूल चलाने पर होगी कार्रवाई

बीकानेर,(निसं)। जिले में बिना मान्यता संचालित हो रहे निजी स्कूलों पर अब सख्त कार्रवाई की तैयारी है। जिला शिक्षा अधिकारी (मुख्यालय) किशनदान चारण ने इस संबंध में आदेश जारी करते हुए सभी ब्लॉक शिक्षा अधिकारियों को जांच के निर्देश दिए हैं। साथ ही डमी स्टूडेंट्स को एडमिशन दे रहे निजी स्कूलों के खिलाफ भी सख्त कार्रवाई के आदेश दिए गए हैं। ऐसे स्कूलों की मान्यता समाप्त करने के प्रस्ताव माध्यमिक शिक्षा निदेशक को भेजे जाएंगे।

जिला शिक्षा अधिकारी ने सभी मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे अपने-अपने क्षेत्र में जांच कर दो सदस्यीय टीम गठित करें और 16 अप्रैल तक इसकी रिपोर्ट पेश करें। आदेश में कहा गया है कि जिले में कई निजी स्कूल बिना विभागीय मान्यता के संचालित हो रहे हैं। इसके अलावा कुछ स्कूलों द्वारा स्वीकृत कक्षाओं से ऊपर की कक्षाओं में भी अवैध रूप से प्रवेश दिए जा रहे हैं, जो नियमों का उल्लघन है।

जिला शिक्षा अधिकारी किशनदान चारण ने बताया कि कुछ स्कूल डमी स्टूडेंट्स के एडमिशन लेकर उन्हें अन्य स्कूलों में ट्रांसफर कर रहे हैं। वहीं कोचिंग संस्थानों में पढ़ने वाले स्टूडेंट्स भी डमी एडमिशन वाले स्टूडेंट्स को सुबह की शिफ्ट में पढ़ा रहे हैं।

टीबी मुक्त भारत अभियान केम्प

बीकानेर(निसं)। जिला क्षय निवारण केंद्र, बीकानेर की ओर से चलने वाले सौ दिवसीय टीबी मुक्त भारत अभियान के अन्तर्गतआज जिले मे तीन ग्राम पंचायतो मे केम्प लगाये गए। शिविर में संभावित टीबी मरीजों एवं क्षय रोगियों के परिवारजनों की टीबी स्क्रिनिंग की गयी !हेंड हेंडल्ड एक्स-रे मशीन द्वारा संभावित टीबी मरीजों के एक्स-रे किये गए। शिविर में उपस्तिथ ग्रामीणों को भी क्षय रोग के बारे में जागरूक किया गया। जिन टीबी मरीजों की टीबी की दवाइयाँ चल रही है उन्हें नियमित पोष्टीक आहार की उपयोगिता बताई। प्रचार-प्रसार सामग्री वितरित की गयी, टीबी एक संक्रमक बीमारी है इसलिए समय पर इसका इलाज करवाए।

ओलावृष्टि और अंधड़ से खराब हुई फसलों का किसानों को मुआवजा दे सरकार : सियाग

बीकानेर,(निसं)। बीकानेर जिले की विभिन्न तहसीलों में अचानक हुई तेज आंधी-तूफान, ओलावृष्टि और बेमौसम बारिश को लेकर जिला कांग्रेस कमेटी देहात अध्यक्ष बिशनाराम सियाग ने भेजा कलेक्टर को ज्ञापन।

ज्ञापन में लिखा हैं कि खेतों में खड़ी रबी की फसलें बड़े पैमाने पर नष्ट हो गईं। इस आपदा से किसानों की चार माह की मेहनत पूरी तरह बर्बाद हो गई है। जिले में इसबगोल, गेहूं, जीरा, सरसों, खडवा और चना सहित अधिकांश रबी फसलें कटाई के लिए तैयार थीं या खेतों में खड़ी थीं। अचानक आई तेज आंधी और ओलों ने इन फसलों को पूरी तरह नुकसान पहुंचाया हैं।

किसानों ने फसल की बुवाई और फसल पकाई तक बैंकों, सहकारी समितियों, आढ़तियों और साहूकारों से ऊंची ब्याज दरों पर ऋण लिया था। बीज, खाद, ट्रैक्टर और मजदूरी पर भारी खर्च करने के बाद तैयार फसलें इस प्राकृतिक आपदा की भेंट चढ़ गईं, जिससे किसान गंभीर आर्थिक संकट में फंस गए हैं। स्थिति को देखते हुए प्रशासन से मांग की है कि सर्वे के बाद प्रभावित क्षेत्रों में तुरंत विशेष गिरदावरी करवाई जाए और फसल नुकसान का सही आकलन कर जल्द से जल्द उचित मुआवजा दिया जाए।

देहात अध्यक्ष बिशनाराम सियाग ने कहा कि बीकानेर जिले में हुई अचानक ओलावृष्टि, तेज आंधी-तूफान ने किसानों की कमर तोड़ दी है। किसानों की महीनों की मेहनत से तैयार रबी फसलें पूरी तरह नष्ट हो गई हैं, जिससे वे गहरे आर्थिक संकट में आ गए हैं। हम प्रशासन से मांग करते हैं कि प्रभावित क्षेत्रों में तुरंत विशेष गिरदावरी करवाई जाए तथा बिना देरी किए किसानों को उचित मुआवजा दिया जाए। साथ ही, किसानों के ऋणों में राहत प्रदान कर उन्हें इस संकट से उबारने के लिए ठोस कदम उठाए जाएं।

वैष्णोधाम मंदिर में प्रेम मंदिर की तर्ज पर नजर आएंगी झांकिया

बीकानेर,(निसं)। वैष्णो धाम मंदिर जयपुर रोड में वृंदावन के प्रेम मंदिर की तर्ज पर नजर आएंगी झांकियां। पहले चरण में तीन झांकियों का निर्माण शुक्रवार को शुरू हुआ। इस कार्य का नींव पूजन नौ नवंबर 2025 को मंदिर के 25 वर्ष पूर्ण होने पर हुआ था। झांकियों का निर्माण पूरा होने में करीब एक साल से अधिक समय लगेगा। दूसरे चरण में दो झांकियां और बनाई जाएगी। यहां पर गिरिराज पर्वत उठाए भगवान कृष्ण, रथ पर सवार कृष्ण और अर्जुन और झूले में बैठ रासीलाला करते राधा-कृष्ण की झांकी तैयार करने का काम शुरू हो चुका है। दूसरे चरण में शेषनाथ पर नाचते कृष्ण और राधा-कृष्ण गोपिकाओं के साथ नजर आएंगे।

झांकियों के आगे पार्क का निर्माण भी होगा। उसमें पानी का झरना नजर आएगा। यह दृश्य श्रद्धालुओं को वृंदावन के प्रेम मंदिर में खड़े होने का अहसास दिलाएगा। सप्ताह एक दिन रविवार को विशेष तौर पर फूलों से सजावट के साथ विशेष लाइटिंग की जाएगी। रविवार के दिन वैष्णो धाम मंदिर में श्रद्धालुओं की आने की तादाद अन्य दिनों की तुलना में दोगुनी होती है, इसलिए सजावट के वास्ते रविवार का दिन चुना गया है। झांकियों के निर्माण में खर्च होने वाले दो करोड़ रुपए का वहन श्रद्धालुओं और भगवती मंडल सेवा संस्था करेगी।

निर्माण कार्य शुरू करवाने से पहले अध्यक्ष सुरेश खिवाणी, ट्रस्टी मनोहर छाबड़ा,केशव रहेजा, हरीश मदार, मनोज हंस, राजेश गुप्ता निर्माण कार्य करवाने वाले जमशेदपुर के कारीगर और मूर्तिकार 12 नवंबर को वृंदावन गए थे। इन कारीगरों ने ही प्रेम मंदिर में झांकियों का निर्माण किया था। यहां प्रेम मंदिर में बनी झांकियों को देखकर आने के बाद अब बीकानेर में यह निर्माण कार्य शुरू करवाया गया है।

वैष्णोधाम मंदिर में झांकियों के निर्माण कार्य से पहले पूजन किया। जानिए जयपुर रोड स्थित वैष्णोधाम मंदिर की खासियत देशभर की आस्था का केंद्र है जम्मू में स्थित वैष्णो देवी माता का मंदिर। जहां पिंडियों के रूप में विराजित है सरस्वती, लक्ष्मी और काली माता और अदृश्य रूप में मां वैष्णो। देश के कोने-कोने से लाखों लोग वहां पर धोक लगाने पहुंचते हैं। बीकानेर भी उससे अछूता नहीं है। श्रद्धालुओं को जम्मू के वैष्णो धाम जैसे ही अनुभव हो। उसी तर्ज पर जयपुर रोड पर बीकानेर से छह किमी दूर वैष्णो धाम बनाया हुआ।

संगठन बढ़ाओ-संगठन बचाओ अभियान लिए समन्वयक नियुक्त

बीकानेर,(निसं)। 'संगठन बढ़ाओ-संगठन बचाओ' अभियान के तहत 1 अप्रैल से 30 अप्रैल तक पूरे प्रदेश में संगठनात्मक गतिविधियाँ संचालित की जा रही हैं।

राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार यह अभियान प्रदेशभर में मजबूती से चलाया जा रहा है। कांग्रेस ने भाजपा सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा है कि प्रदेश में पंचायतीराज एवं नगर निकाय चुनावों को टालकर लोकतंत्र एवं लोकतांत्रिक परम्पराओं पर कुठाराघात किया जा रहा है। इसके विरोध में ब्लॉक, मण्डल एवं ग्राम पंचायत स्तर तक व्यापक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। सभी ब्लॉक समन्वयक अपने प्रभार क्षेत्र के ब्लॉक अध्यक्ष, मण्डल कांग्रेस कमेटीयों की बैठक लेकर अभियान के तहत ग्राम पंचायत वार्ड व मण्डल स्तर पर जनजागरण कार्यक्रम, विरोध प्रदर्शन तथा प्रभात फेरी इत्यादि कार्यक्रम आयोजित करना सुनिश्चित करेंगें। इन्हीं कार्यक्रमों के साथ ही ग्राम पंचायत व वार्ड कांग्रेस कमेटीयों के अध्यक्ष हेतू नाम चयनित कर जिला कांग्रेस कमेटी को प्रेषित करेंगें।

जिला कांग्रेस कमेटी देहात बीकानेर द्वारा राज. प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा जारी परिपत्र की अनुपालना में तिथि-वार कार्यक्रमों के सफल संचालन सुनिश्चित करने हेतु जिला स्तर पर पदाधिकारियों को विभिन्न ब्लॉक क्षेत्रों का समन्वयक नियुक्त किया गया है। यह नियुक्तियाँ जिलाध्यक्ष बिशनाराम सियाग की स्वीकृति से की गई हैं। नियुक्त समन्वयकों को निर्देशित किया गया है कि वे अपने-अपने प्रभार वाले क्षेत्रों में जनप्रतिनिधियों, संगठन पदाधिकारियों एवं कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ समन्वय स्थापित कर प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा निर्धारित कार्यक्रमों को सफल बनाना सुनिश्चित कर सभी गतिविधियों की दैनिक प्रगति रिपोर्ट जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय में प्रस्तुत करेंगें।

सैय्यद हाजी पीर बलवान शाह बाबा की दरगाह पर सर्व समाज ने चादर चढ़ाई

■ सालाना उर्स के मुबारक मौके पर शनिवार की शाम को सर्व समाज मित्र एकता कमेटी द्वारा चादर चढ़ाई गई

बीकानेर (निसं)। बीकानेर शहर कोटगेट के अन्दर मार्ग पर स्थित हाजी सैय्यद बलवान शाह पीर बाबा की दरगाह पर सालाना उर्स के मुबारक मौके पर शनिवार की शाम को सर्व समाज मित्र एकता कमेटी द्वारा चादर चढ़ाई गई। सर्व समाज मित्र एकता सेवा समिति के वरिष्ठ उपाध्यक्ष एनडी कादरी ने बताया कि यह वो स्थान है जहां शहर ए बीकानेर की गंगा जमुनी संस्कृति के रूप में सभी धर्म समाज के लोग कार्यालय, प्रतिष्ठानों , मजदूरी आदि जाने से पहले यहां जियारत (धोक) लगाकर जातें हैं। बीकानेरी पहचान के तहत संत संतोषानंद जी महाराज , पंडित

सैय्यद हाजी पीर बलवान शाह बाबा की दरगाह पर सर्व समाज ने चादर चढाई।

गायत्री प्रसाद शर्मा बैंक कर्मचारी नेता सुनील दत्त नागल के नेतृत्व में मखमली चादर एवं पुष्प चढ़ाकर शहर में अमन-चैन और खुशहाली की प्रार्थना की। इस अवसर पर सर्व समाज मित्र एकता सेवा समिति के पदाधिकारी कवि शिव दाधीच, दिलीप गुप्ता, सैय्यद अख्तर, रामकिशन महाराज उपाध्याय कोलासर वाले, जयनारायण मारू, भवानी आचार्य, शाकिर हुसैन चौपदार केदारनाथ खत्री, रामकिशोर यादव सहित अन्य गणमान्य लोगों की मौजूदगी रही। इस अवसर पर दरगाह के मुजाविर बुनियाद अली शाह,आदम हुसैन शाह , रफीक शाह एवं दरगाह कमेटी मेम्बरो ने संत संतोष जी महाराज, पंडित गायत्री प्रसाद शर्मा, बैंक कर्मचारी नेता सुनील दत्त नागल, एनडी कादरी,कवि शिव दाधीच, रामकिशन महाराज कोलासर वाले, दिलीप गुप्ता, भवानी आचार्य, केदारनाथ खत्री का माला पहनाकर दरगाह में स्वागत किया। दरगाह खादिम बुनियाद शाह ने जानकारी देते हुए बताया कि सालाना तीन दिवसीय उर्स का आगाज 5 अप्रैल रविवार होगा। उर्स के पहले दिन जायरिनों द्वारा सवा लाख दुरूदे पाक का प्रोग्राम रखा गया, दूसरे दिन 6 अप्रैल सोमवार को दरगाह कमेटी व जायरिनों की तरफ से बाबा की दरगाह पर चादर चढ़ाई जाएगी । उर्स के तीसरे दिन मंगलवार 7 अप्रैल की देर शाम बाहर से आये कवाल जुबैर नीम अजमेरी एंड पार्टी के द्वारा बाबा की शान में कव्वालियां पेश की जायेगी।

ओलावृष्टि से तबाह हुई फसलें

■ किसानों को तुरंत मिले उचित मुआवजा : बेनीवाल

बीकानेर(निसं)। भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) के जिला सचिव सुंदरलाल बेनीवाल ने प्रेस बयान जारी कर जिले में हुई भारी ओलावृष्टि और बेमौसम बारिश से फसलों को हुए व्यापक नुकसान पर गहरी चिंता व्यक्त की है। बेनीवाल ने कहा कि कुदरत की इस मार ने बीकानेर के अन्नदाता की कमर तोड़ दी है, विशेषकर पकने को तैयार खड़ी गेहूँ और सरसों की फसलें पूरी तरह बर्बाद हो चुकी हैं।

माकपा नेता ने राज्य सरकार से माँग की है कि ओलावृष्टि प्रभावित क्षेत्रों में बिना विलंब किए 'विशेष गिरदावरी' के आदेश दिए जाएं। उन्होंने स्पष्ट किया कि बीमा कंपनियों के भरोसे किसानों को न छोड़कर सरकार स्वयं आगे आए और प्रति बीघा के आधार पर उचित नकद मुआवजा किसानों के खातों में हस्तांतरित करे।

बेनीवाल ने केंद्र और राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि संकट की इस घड़ी में किसानों को मंडियों में बिचौलियों के रहमों-करम पर नहीं छोड़ा जा सकता। सरकार तुरंत प्रभाव से न्यूनतम समर्थन मूल्य पर गेहूँ की सरकारी खरीद शुरू करे और खरीद केंद्रों की संख्या बढ़ाई जाए ताकि किसानों को अपनी बची-खुची उपज औने-पौने दामों पर न बेचनी पड़े।

उन्होंने आरोप लगाया कि फसल बीमा कंपनियाँ केवल प्रीमियम वसूलने में सक्रिय रहती हैं, लेकिन जब किसान पर आपदा आती है, तो नियम और शर्तों के जाल में फंसाकर क्लेम खारिज कर दिए जाते हैं। प्रशासन यह सुनिश्चित करे कि प्रत्येक प्रभावित किसान को उसका हक मिले।

किसान पहले ही कर्ज और बढ़ती लागत से परेशान है, ऊपर से इस प्राकृतिक आपदा ने उसे दाने-दाने को मोहताज कर दिया है। यदि सरकार ने जल्द ही मुआवजे और श्एइ पर खरीद की ठोस घोषणा नहीं की, तो सीपीआईएम किसानों के साथ मिलकर सड़कों पर उतरने और उग्र आंदोलन करने को मजबूर होगी।

खेल जगत

आईपीएल 2026 की नीलामी के दौरान, फ्रेंचाइजी ने कई गेंदबाजों पर विचार किया था, लेकिन उनमें से कुछ को खरीदने से चूक गई, जिन्होंने बाद में शानदार फॉर्म दिखाया।

- स्टीफन फ्लेमिंग

सीएसके के मुख्य कोच, खिलाड़ियों को खरीदने को लेकर बोलते हुए।

आज का खिलाड़ी सुनील गावस्कर

भारत के पूर्व कप्तान और मुंबई इंडियंस के सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा ने आईपीएल 2026 की धमाकेदार शुरुआत की है, जिसने सबका ध्यान खींचा है। इनमें लिटिल मास्टर सुनील गावस्कर भी शामिल हैं, जिनका मानना है कि शारीरिक स्थिति में सुधार के बाद शर्मा का फुटवर्क पहले से तेज हो गया है। स्टार स्पोर्ट्स पर बातचीत में गावस्कर ने रोहित की बेहतर फिटनेस और बल्लेबाजी पर इसके प्रभाव के बारे में बात की। गावस्कर ने कहा कि हम सभी ने रोहित शर्मा की शारीरिक स्थिति में बदलाव देखा है। उन्होंने स्पष्ट रूप से बहुत मेहनत की है, और इसके परिणाम साफ दिख रहे हैं।

क्या आप जानते हैं ?... राहुल द्रविड दुनिया के पहले बल्लेबाज हैं जिन्होंने टेस्ट क्रिकेट खेलने वाली सभी 10 टीमों (अपने समय में) के खिलाफ उन देशों में शतक लगाया है।

क्या सनराइजर्स के सामने बल्लेबाजी क्रम में बदलाव करेगा लखनऊ ?

नई दिल्ली, 4 अप्रेल। आईपीएल 2026 का दूसरा डबल हेडर मुकाबला रविवार को खेला जाएगा। दोपहर में लखनऊ सुपर जाएंट्स का सामना सनराइजर्स हैदराबाद से होगा। लखनऊ ने अपना पिछला मुकाबला गंवाया था और अगर उसे सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ जीत दर्ज करनी है तो उसके बल्लेबाजों को अहम भूमिका निभानी पड़ेगी। उप्पल के स्टेडियम में दोपहर के खेल में बल्लेबाजों को मदद मिलने की उम्मीद है जिससे कि लखनऊ के लिए यह मैच अधिक चुनौतीपूर्ण बन गया है। लखनऊ के लिए बल्लेबाजी क्रम में रणनीतिक फेरबदल भी काम नहीं आया। लखनऊ ने मार्श और मार्करम की अपनी स्थापित सलामी जोड़ी से हटकर भारतीय टीम से बाहर चल रहे विकेटकीपर बल्लेबाज पंत को पारी का आगाज करने के लिए भेज दिया। पंत रन आउट होने से पहले केवल सात रन ही बना पाए, जिससे उनके बल्लेबाजी क्रम को लेकर बहस फिर से शुरू हो गई। उन्हें अब तीसरे नंबर पर भेजा जा सकता है।

पिछले साल उन्होंने इसी नंबर पर खेलते हुए शतक लगाया था। पूरन ने भी इस नंबर पर खेलते हुए अच्छा प्रदर्शन किया है, लेकिन वेस्टइंडीज के इस स्टार खिलाड़ी को बीच के ओवरों की जिम्मेदारी संभालनी पड़ सकती है। एलएसजी की बल्लेबाजी में तालमेल की कमी नजर आ रही है और इसे देखते हुए उसके लिए मार्श और मार्करम की जोड़ी से पारी की शुरूआत करवाना अच्छा होगा। जस्टिन लैंगर की कोचिंग वाली टीम में ऑस्ट्रेलिया के टी20 कप्तान मिचेल मार्श, दक्षिण अफ्रीका के एडन मार्करम, कप्तान ऋषभ पंत और विस्फोटक निकोलस पूरन जैसे दमदार बल्लेबाज शामिल हैं। लेकिन इसके बावजूद उसकी टीम आईपीएल के अपने पहले मैच में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ अपने घरेलू मैदान इकाना में 141 रन पर आउट हो गई जिससे टीम की कई गंभीर समस्याएं उजागर हुईं।

राजस्थान ने रोमांचक मुकाबले में गुजरात को 6 रन से हराया, रवि बिश्नोई को चार विकेट

अहमदाबाद, 4 अप्रेल। राजस्थान रॉयल्स ने शनिवार को गुजरात टाइटंस को नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए रोमांचक मुकाबले में 6 रनों से मात दी। राजस्थान रॉयल्स ने ने पहले बैटिंग करते हुए 20 ओवर में 6 विकेट खोकर 210 रन बनाए। इसके जवाब में गुजरात टाइटंस बीच के ओवरों में कई विकेट गंवाने के बावजूद आखिरी ओवर तक मुकाबले को लेकर गए, जहां टीम को 6 रन से हार का सामना करना पड़ा। गुजरात को आखिरी ओवर में जीत के लिए 11 रन चाहिए थे लेकिन टीम 4 रन ही बना सकी। राजस्थान के लिए तुषार देशपांडे ने आखिरी ओवर डाला।

गुजरात टाइटंस ने 211 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए बेहतरीन शुरुआत की। साई सुदर्शन और कुशाठा के बीच पहले विकेट के लिए 78 रन की साझेदारी हुई। कुशाठा 18 रन बनाकर आउट हुए। साई सुदर्शन ने 44 गेंद में 73 रन की पारी खेली। ग्लेन फिलिप्स तीन और वॉशिंगटन सुंदर चार रन बनाकर पवेलियन लौटे। ये तीनों विकेट रवि बिश्नोई ने लिया। जोस बटलर 14 गेंद में 26 रन बनाकर आउट हुए। राहुल तेवतिया ने 6 गेंद में 12 रन बनाए। राजस्थान रॉयल्स ने शनिवार को गुजरात टाइटंस के खिलाफ पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 6 विकेट खोकर 210 रन बनाए हैं। राजस्थान की ओर से ध्रुव जुरेल ने सर्वाधिक 75 रन बनाए। गुजरात टाइटंस के लिए रबाडा ने दो विकेट लिए।

राजस्थान रॉयल्स के सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी 18 गेंद में 31 रन बनाकर आउट हुए। यशस्वी के साथ उन्होंने पहले विकेट के लिए 70 रन की साझेदारी की। पावरप्ले में राजस्थान ने बिना विकेट गंवाए 69 रन बनाए। यशस्वी जायसवाल 36 गेंद में 55 रन बनाकर पवेलियन लौटे। कप्तान रियान पराग 4 गेंद में 8 रन ही बना सके। शिमरन हेटमायर ने 8 गेंद में 18 रन बनाए। फरेरा एक रन ही बना सके। ध्रुव जुरेल ने 42 गेंद में 75 रन की बेहतरीन पारी खेली। रविंद्र जडेजा ने नाबाद सात रन बनाए।

दिल्ली में चमका नया सितारा रिजवी तूफानी पारी से मुंबई इंडियंस को चटाई धूल

नई दिल्ली, 4 अप्रेल। अरुण जेटली स्टेडियम में हर कोई समीर रिजवी की ही चर्चा कर रहा था। उन्होंने मात्र 51 गेंदों में तूफानी 90 रन बनाकर सबको चौंका दिया और एक बार फिर अपनी प्रतिभा को सबके सामने उजागर कर दिया। रिजवी की इस पारी ने न सिर्फ दिल्ली कैपिटल्स को मुंबई इंडियंस पर छह विकेट से शानदार जीत दिलाई, बल्कि यह भी साबित कर दिया कि वह वाकई भारतीय क्रिकेट के प्रतिभाशाली युवा सितारों में से एक हैं। दिल्ली को 163 रनों का पीछा करना था, और सच कहें तो उन्होंने इसे बेहद आसान बना दिया और 11 गेंदें शेष रहते ही लक्ष्य हासिल कर लिया। इस सीज़न में डीसी की यह लगातार दूसरी जीत है, और ऐसा लग रहा है कि वे आखिरकार लय में आ रहे हैं।

पिछले मैच में लखनऊ सुपरजाइंट्स के खिलाफ 47 गेंदों में नाबाद 70 रन की पारी खेलने वाले रिजवी जब क्रीज पर आए, तब दिल्ली का स्कोर दो विकेट पर सात रन था। उन्होंने 51 गेंदों में सात चौकों और सात छक्कों की मदद से 90 रन की पारी खेलने के अलावा पाथुम निसांका (44) के साथ तीसरे विकेट के लिए 49 गेंदों में 66 रन और चौथे विकेट के लिए डेविड मिलर (नाबाद 21) के साथ 39 गेंदों में 78 रन की साझेदारी कर दिल्ली को जीत दिलाई। मुंबई के लिए दीपक चाहर, मिचेल सैंटनर और कोर्बिन बोश ने एक-एक विकेट लिए। नियमित कप्तान हार्दिक पंड्या के अस्वस्थ होने के कारण टीम का नेतृत्व कर रहे सूर्यकुमार ने 36 गेंदों में तीन चौकों और दो छक्कों की मदद से 51 रन बनाए। उन्होंने रोहित शर्मा (35) के साथ तीसरे विकेट के लिए 53 और नमन धीर (28) के साथ पांचवें विकेट के लिए 37 रन की अहम साझेदारी की।

रोहित ने 26 गेंदों की पारी में पांच चौके और एक छक्का लगाया, तो वहीं नमन ने 21 गेंदों की पारी में दो चौके और एक छक्का जड़ा। दिल्ली के लिए मुकेश कुमार ने तीन ओवर में 26 रन देकर दो विकेट लिए। उन्हें अक्षर (22 रन पर एक विकेट), लुंगी एनगिडी (34 रन पर एक विकेट), विपराज निगम (24 रन पर एक विकेट) और टी. नटराजन (24 रन पर एक विकेट) का अच्छा साथ मिला। लक्ष्य का पीछा करते हुए दिल्ली की शुरुआत बेहद खराब रही।

केएल राहुल (एक) पहले ओवर में ही दीपक चाहर की लेग स्टंप से बाहर जाती गेंद को ग्लांस करने की कोशिश में विकेटकीपर रिकेल्टन को कैच दे बैठे, तो वहीं अगले ओवर में नीतिश राणा खाता खोले बगैर जसप्रीत बुमराह के सीधे थ्रो पर रन आउट हो गए। चाहर इस बीच अपनी ही गेंद पर निसांका के करारे प्रहार को लपकने में नाकाम रहे और श्रीलंका के इस बल्लेबाज ने जीवनदान का जश्न अगले ओवर में सैंटनर के खिलाफ दो चौकों के साथ मनाया। वहीं, पिछले मैच में मैच जिताऊ पारी खेलने वाले समीर रिजवी ने शार्दुल ठाकुर के खिलाफ लगातार गेंदों पर छक्का और चौका लगाकर दबाव कम करने की कोशिश की।

दिल्ली ने पावरप्ले में दो विकेट पर 42 रन बनाए, जबकि आठवें ओवर की दूसरी गेंद पर टीम का अर्धशतक पूरा हुआ। बोश की गेंद पर नमन ने निसंका का मुश्किल कैच टपका दिया और रिजवी ने अगली गेंद पर शानदार छक्का जड़कर मुंबई के जख्मों पर नमक छिड़का। उन्होंने अगले ओवर में सैंटनर का स्वागत चौके से किया, लेकिन न्यूजीलैंड के इस अनुभवी गेंदबाज ने अनुभव का इस्तेमाल करते हुए निसांका की पारी पर विराम लगा दिया। रिजवी ने बोश के खिलाफ लगातार दो चौके जड़े, जिनमें विकेटकीपर के ऊपर से लगाया गया उनका रैंप शॉट दिलकश था। उन्होंने ओवर की आखिरी दो गेंदों पर दो छक्के जड़कर मुंबई के गेंदबाजों द्वारा कायम दबाव को खत्म किया। दिल्ली ने पारी के इस 11वें ओवर से 20 रन बटोरे। रिजवी ने मार्कंडेय के खिलाफ कवर क्षेत्र के ऊपर से छक्का लगाकर 31 गेंदों में अपना अर्धशतक और दिल्ली के रनों का शतक पूरा किया। उन्होंने अगली गेंद पर कदमों का इस्तेमाल करते हुए मिडविकेट के ऊपर से गेंद को दर्शकों के पास भेज दिया।

तदर्थ समिति कन्वीनर राजेश कुमार ताम्बी ने चार्ज संभाला

जयपुर, 4 अप्रैल। जयपुर जिला क्रिकेट संघ की तदर्थ समिति के नव नियुक्त कन्वीनर राजेश कुमार ताम्बी ने आज के एल सैनी स्टेडियम पर पूर्व कन्वीनर सुरेश शर्मा से चार्ज लिया। इस अवसर पर तदर्थ समिति के सदस्य आनंद सिंह राठौड़, महेश सैनी, रोहित झालानी व मेघराज यादव उपस्थित रहे। सभी ने राजेश ताम्बी को शुभकामनाएं प्रेषित की।

पैट कमिंस आईपीएल 2026 कैंप छोड़कर ऑस्ट्रेलिया लौटे

नई दिल्ली, 4 अप्रेल। ऑस्ट्रेलिया के कप्तान और इंडियन प्रीमियर लीग में सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) के नामित कप्तान पैट कमिंस आईपीएल 2026 कैंप छोड़कर ऑस्ट्रेलिया लौट गए हैं ताकि पीठ की चोट का अंतिम स्कैन करा सकें। यह जानकारी ईएसपीएनक्रिकइंफो ने दी है। रिपोर्ट के अनुसार, कमिंस का स्कैन क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) की देखरेख में किया जाने वाला एक निर्धारित प्रक्रिया है। कमिंस गुरुवार को कोलकाता में सनराइजर्स हैदराबाद और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच हुए मैच के बाद भारत से रवाना हुए थे। सीए से मंजूरी मिलने के बाद, उनके 17 अप्रैल को टीम में वापस आने की उम्मीद है। कमिंस, जो पिछले साल जुलाई से काफी हद तक निष्क्रिय रहे हैं - एडिलेड में एक एशेज टेस्ट में खेलने के अलावा - ने पहले कहा था कि उन्होंने नेट में गेंदबाजी फिर से शुरू कर दी है और एक संरचित पुनर्वास योजना के हिस्से के रूप में धीरे-धीरे

अपना कार्यभार बढ़ा रहे हैं। ईएसपीएनक्रिकइंफो के अनुसार, बिजनेस ऑफ स्पोर्ट पॉडकास्ट पर बातचीत करते हुए कमिंस ने कहा कि मैं अभी भी पीठ की चोट से उबर रहा हूं, लेकिन सब ठीक है। मैंने नेट पर गेंदबाजी शुरू कर दी है। तेज गेंदबाज ने स्वीकार किया कि वह आईपीएल के शुरुआती चरण में नहीं खेल पाएंगे, लेकिन उन्हें उम्मीद है कि वह जल्द ही वापसी कर लेंगे।

कमिंस ने कहा था कि आईपीएल जल्द ही शुरू होने वाला है। मैं इसकी शुरुआत में नहीं खेल पाऊंगा, लेकिन मुझे उम्मीद है कि जल्द ही मैं मैदान पर वापसी कर लूंगा। कमिंस की जगह भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन 2026 सीजन में एसआरएच के कप्तान हैं। एसआरएच ने आईपीएल 2026 अभियान की शुरुआत खराब तरीके से की, क्योंकि उन्हें अपने पहले मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु से छह विकेट से हार का सामना करना पड़ा, लेकिन दूसरे मैच में उन्होंने शानदार वापसी करते हुए ईडन गार्डन्स में कोलकाता नाइट राइडर्स को 65 रनों से हराया। एसआरएच अब आईपीएल 2026 के अपने तीसरे मैच में 5 अप्रैल को राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में लखनऊ सुपर जायंट्स का सामना करेगी।

अय्यर पर 25 लाख का जुर्माना

नई दिल्ली, 4 अप्रेल। पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर पर 24 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है क्योंकि उनकी टीम को एमए चिदंबरम स्टेडियम में चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ आईपीएल 2026 के मैच के दौरान धीमी ओवर-रेट बनाए रखने का दोषी पाया गया था। आईपीएल आचार संहिता के तहत यह पीबीकेएस का इस सीजन का दूसरा उल्लंघन था। अनुच्छेद 2.22 के तहत, जुर्माना सिर्फ कप्तान तक ही सीमित नहीं रहा। इम्पैक्ट प्लेयर प्रियांश आर्य समेत प्लेइंग इलेवन के बाकी खिलाड़ियों पर भी 6 लाख रुपये या उनकी मैच फीस का 25 प्रतिशत, जो भी कम हो, का जुर्माना लगाया गया। इस तरह शानदार जीत के बावजूद मैदान के बाहर भी यह जुर्माना काफी महंगा साबित हुआ। मैदान से बाहर मिली निराशा के बावजूद, पीबीकेएस ने मैदान पर शानदार प्रदर्शन करते हुए सीएसके के खिलाफ 210 रनों के लक्ष्य का आसानी से पीछा किया। यह परिणाम उनकी बल्लेबाजी की गहराई और आक्रामक रणनीति दोनों को दर्शाता है, हालांकि धीमी ओवर-रेट के नियम ने एक शानदार प्रदर्शन के बाद के उत्साह को थोड़ा कम कर दिया। हालांकि यह इस सीज़न में पंजाब का दूसरा धीमी ओवर-रेट का उल्लंघन है, लेकिन आगामी मैचों में टीम द्वारा एक और उल्लंघन करने पर भी अय्यर को निलंबन का सामना नहीं करना पड़ेगा। इसका मुख्य कारण आईपीएल द्वारा 2025 सीज़न से पहले लागू किया गया एक महत्वपूर्ण नियम परिवर्तन है। टूर्नामेंट ने एक सीज़न में तीन ओवर-रेट उल्लंघनों के बाद कप्तानों पर एक मैच के प्रतिबंध के पुराने प्रावधान को समाप्त कर दिया है। इसके बजाय, अब दंड केवल जुर्माने और खेल के दौरान फील्डिंग पर प्रतिबंध तक सीमित हैं, जिससे बार-बार उल्लंघन करने पर तत्काल निलंबन का खतरा कम हो गया है। हालांकि, अब एक व्यापक प्रणाली लागू हो गई है। आईपीएल ने आईसीसी के अनुरूप अपनी आचार संहिता में अवमूल्यन अंक शामिल कर दिए हैं। मैच रेफरी द्वारा लगाए गए किसी भी दंड के परिणामस्वरूप खिलाड़ी या अधिकारी के रिकॉर्ड में अंक जुड़ जाते हैं, जो 36 महीनों तक मान्य रहते हैं। समय के साथ इन अंकों के संचय से निलंबन भी हो सकता है, जिससे अनुशासन तात्कालिक समस्या के बजाय दीर्घकालिक चिंता का विषय बन जाता है।

आर लीग ए डिवीजन फुटबॉल लीग

जेरठी फुटबॉल क्लब ने जीत का स्वाद चखा

जयपुर, 4 अप्रैल। संघ सचिव दिलीप सिंह शेखावत के अनुसार राजस्थान फुटबॉल संघ व पूर्णिमा यूनिवर्सिटी के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित आर लीग ए डिवीजन फुटबॉल लीग में शनिवार को तीन मुकाबले खेले गये। दिन का पहला मैच सनराइज फुटबॉल क्लब और फुटबॉल क्लब ब्रदर यूनाइटेड केबीच खेला गया । मैच के 5 वे मिनट में सुफियान के गोल से सनराइज ने मैच में जोरदार शुरूआत की। मध्यांतर तक दोनों टीमों ने गोल का भरसक प्रयास किया लेकिन दोनों टीम गोल नहीं कर सकी। मैच के 85 मिनट में सनराइज के कुशाग्रराज ने अपनी टीम के लिए दूसरा गोल किया। फुटबॉल क्लब ब्रदर यूनाइटेड ने गोल के भरसक प्रयास किये और मैच के 86 मिनट में विष्णु ने गोल करके अपनी टीम का स्कोर 2- 1 किया । मैच के अतिरिक्त टाईम में मिली पेनल्टी पर प्रीत ने गोल करके स्कोर 2- 2 बराबर कर दिया। इस तरह फुटबॉल क्लब ब्रदर यूनाइटेड और सनराइज फुटबॉल क्लब के बीच मैच बराबरी पर खत्म हुआ। दूसरे मुकाबले में जेरठी फुटबॉल क्लब ने रिहान फुटबॉल क्लब को 2-0 से हराया। जेरठी फुटबॉल क्लब की तरफ से कुमार प्रिंस ने मैच के 12 मिनट में अपनी टीम को बढ़त दिलाई विजयपाल ने 20 मिनट में गोल करके अपनी टीम को 2 गोल से आगे कर दिया। जो मैच के अंत तक कायम रही। तीसरा दिन का अंतिम मुकाबला जयपुर सिटी फुटबॉल क्लब और एसल फुटबॉल क्लब के बीच काफी रोमांचकारी हुआ।

धोनी के सच्चाई बताने के बाद लिया रिटायरमेंट : युवराज सिंह

नई दिल्ली, 4 अप्रेल। 2011 वर्ल्ड कप के हीरो रहे युवराज सिंह ने एक इंटरव्यू में कहा कि धोनी से पता चला था कि अब चयनकर्ता उनके नाम पर विचार नहीं कर रहे हैं। इसके बाद ही युवराज ने 10 जून 2019 को क्रिकेट के सभी फॉर्मेट सें संन्यास ले लिया था। युवराज ने कहा कि 36-37 साल की उम्र में जब वे टीम से अंदर-बाहर हो रहे थे, तब न तो नेशनल क्रिकेट एकेडमी न ही कप्तान विराट कोहली और न ही कोच रवि शास्त्री ने उनसे सीधे बात की। युवी ने कहा, उस समय मुझे लगा कि मैं बीच में फंस गया हूं। मैंने देश के लिए इतना क्रिकेट खेला, तो कम से कम थोड़ी इज्जत और साफ बात तो बनती थी, लेकिन मुझे कुछ भी साफ नहीं बताया गया। युवराज ने कहा कि उन्हें कहीं से कोई जवाब नहीं मिल रहा था, तब उन्होंने महेंद्र सिंह धोनी को फोन किया। धोनी उस समय कप्तान नहीं थे, लेकिन वे पूरी स्थिति पर नजर रखे हुए थे। युवराज के मुताबिक, धोनी ने मुझे सही नजरिया दिया। उन्होंने साफ कहा कि सिलेक्टर्स अब आगे की तरफ देख रहे हैं और मैं उनकी योजनाओं का हिस्सा नहीं हूं। धोनी की इस बात ने मुझे वह स्पष्टता दी जो मैनेजमेंट नहीं दे पा रहा था।

मास्टर्स टेबल टेनिस चैम्पियनशिप में उलटफेर

जयपुर, 4 अप्रैल। जयपुर में आयोजित राजस्थान स्टेट मास्टर्स टेबल टेनिस चैंपियनशिप में आज विभिन्न आयु वर्गों के मुकाबले उत्साहपूर्वक सम्पन्न हुए। प्रतियोगिता में प्रदेशभर के अनुभवी खिलाड़ियों ने शानदार खेल का प्रदर्शन किया। आज के प्रमुख परिणाम इस प्रकार रहे: मेंस सिंगल्स 60, विजेता - हरीश माथुर (जयपुर), उपविजेता - भोया दीपक (जयपुर), मेंस सिंगल्स 65, विजेता - राजीव अग्रवाल (जयपुर), उपविजेता - एस.के. माहेश्वरी (जयपुर), मेंस सिंगल्स 70, विजेता - सुभाष आचार्य (भीलवाड़ा), उपविजेता - मोती लाल (जयपुर) । मेंस सिंगल्स 75, विजेता - मुकुंद अग्रवाल, उपविजेता - एस.के. मेहता (जयपुर)। मेंस डबल्स 65, विजेता - त्रिलोक चंद एवं मनोहर, उपविजेता - चंद्रेश्वर एवं वासुदेव। मेंस डबल्स 70, विजेता - हरचरण एवं एस.एस. वर्मा, उपविजेता - मुकुंद अग्रवाल एवं एम. देवपुरा। ऑर्गनाइजिंग सेक्रेटरी राजीव गुप्ता, के अनुसार प्रतियोगिता में खिलाड़ियों के बीच कड़े एवं रोमांचक मुकाबले देखने को मिल रहे हैं। उन्होंने बताया कि इस चैंपियनशिप के माध्यम से वरिष्ठ खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का उत्कृष्ट मंच मिल रहा है। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि कल भी कई महत्वपूर्ण मुकाबले खेले जाएंगे, जिनमें खिलाड़ियों के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा देखने को मिलेगी।

जयपुर क्रिकेट एकेडमी ने राजीव गांधी क्रिकेट क्लब को हराया

जयपुर, 4 अप्रैल। जयपुर जिला क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित तथा एल वी फार्मा द्वारा प्रायोजित महिला ए डिवीजन लीग में आज खेले गए मैच में जयपुर क्रिकेट एकेडमी ने राजीव गांधी क्रिकेट क्लब को 7विकेट से हराया। के एल सैनी स्टेडियम पर राजीव गांधी क्रिकेट क्लब ने टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए आरुषि गर्ग के 17 रन, श्री चौधरी के 48 रन, ज्योति चौधरी के 39 रन से निर्धारित 27 ओवर में 7 विकेट पर 137 रन बनाए। जयपुर क्रिकेट एकेडमी के लिए शिवानी चौधरी ने 29 पर 3, सिद्धि शर्मा ने 33 पर 2 व वेदिका सिंह ने 11 पर एक विकेट लिया।जवाबी पारी में जयपुर क्रिकेट एकेडमी ने शिवानी चौधरी ने 37 रन, वेदिका सिंह के 45 रन व मैना सियोल के नाबाद 42 रनो से 22.5 ओवर में 3 विकेट पर 140 रन बनाकर मैच जीत लिया। राजीव गांधी क्रिकेट क्लब के लिए आशी ने 17 पर 2 व लावण्य शर्मा ने 29 पर एक विकेट लिया।

स्क्वैश एकेडमी की दिव्यांशी और धैर्य का एशियन चैम्पियनशिप के लिए भारतीय टीम में चयन

जयपुर, 4 अप्रैल। राजस्थान के युवा खिलाड़ियों ने एक बार फिर राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का परचम लहराते हुए अंतरराष्ट्रीय मंच पर जगह बनाई है। सवाई मानसिंह स्टेडियम स्थित राजस्थान स्क्वैश एकेडमी की दिव्यांशी जैन और धैर्य गोगिया को चीन के पांझीहुआ शहर में आयोजित होने वाली 33वीं एशियन जूनियर इंडिविजुअल स्क्वैश चैंपियनशिप के लिए भारतीय टीम में चुना गया है। यह चैंपियनशिप 20 से 24 मई तक होगी। चैंपियनशिप में अंडर-13 से अंडर-19 आयु वर्ग के मुकाबले होंगे। प्रत्येक कैटेगरी में भारत के 4-4 खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। राजस्थान स्क्वैश एकेडमी की संचालक सुरभि मिश्रा ने शनिवार को यहां बताया कि इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता के लिए दोनों खिलाड़ियों का चयन चेन्नई में 31 से 4 2026 तक आयोजित ट्रायल्स के आधार पर किया गया है। सुरभि ने बताया कि ट्रायल में एकेडमी के चार खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। अंडर-13 वर्ग में दिव्यांशी जैन और धैर्य गोगिया तथा अंडर-15 वर्ग में गौरी जायसवाल और फरीद अंद्राबी शामिल रहे। अंडर-13 वर्ग में दिव्यांशी जैन (गर्ल्स) और धैर्य गोगिया (बॉयज) का भारतीय टीम में चयन हुआ है। इन दोनों खिलाड़ियों ने ट्रायल्स के दौरान उत्कृष्ट खेल कौशल का प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा कि अंडर-15 वर्ग में गौरी जायसवाल और फरीद अंद्राबी ने भी अच्छा प्रदर्शन किया लेकिन उन्हें रिजर्व प्लेयर्स की सूची में रखा गया है। सुरभि ने दोनों खिलाड़ियों के भारतीय दल में चयन को प्रदेश के खेल जगत के लिए बड़ी उपलब्धि बताते हुए एशियन चैंपियनशिप में अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद जताई।

तन्मय के ऑलराउंड खेल व चिरांग की गेंदबाजी से भदोरिया एकेडमी जीती

शिफान व सचिन काकोडिया के अर्धशतकों से राजीव गांधी जीती

जयपुर, 4 अप्रैल। यूनियन क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित 27वीं नवीन-नफीस स्मृति क्रिकेट प्रतियोगिता में आज नैना क्रिकेट ग्राउण्ड पर खेले गये प्री क्वार्टर फाईनल में तन्मय तिवाडी 43 रन व 1 रन पर 2 विकेट के आलराउण्ड प्रदर्शन तथा चिरांग तंवर 17 रन पर 3 विकेट आदित्य चौधरी 6 रन पर 2 विकेट लोकेन्द्र चौधरी 21 रन पर 2 विकेट की शानदार गेंदबाजी की बदौलत भदौरिया क्रिकेट एकेडमी ने शास्त्री क्रिकेट एकेडमी को 61 रन से हराकर क्वाटर फाइनर में प्रवेश किया। दूसरे मैच में शिफान खान व सचिन काकोडिया के अद्धशतको की बदौलत राजीव गांधी एकेडमी ने स्टार क्रिकेट एकड़मी को 72 रन से हराकर क्वाटर फाईनल में प्रवेश किया । टॉस जीतकर भदौरिया एकेडमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए तन्मय तिवाडी 43 रन, भवानी सुधार 35 रन तथा आदित्य चौधरी 17 रन की मदद से निर्धारित 20 ओवर में 9 विकेट खोकर बनाये गेंदबाजी में शास्त्री एकेडमी की ओर से राजशेखर 31 पर 3 तथा एस.एस. शर्मा 35 रन पर तीन विकेट लेकर सफल गेंदबाज रहे। जवाबी पारी में शास्त्री एकेडमी की ओर से जशन रमाना 28 रन आयुष बंसल 19 रन साहिल मुण्डोतिया 15 रन ही भदौरिया एकेडमी के गेंदबाजों चिराग तवर 17 रन पर 3 विकेट तन्मय तिवाडी 1रन 2 विकेट आदित्य चौधरी 6 रन पर 2 विकेट लोकेन्द्र चौधरी 21 रन पर 2 विकेट की गेंदबाजी के समक्ष शास्त्री की पूरी टीम 17.3 ओवर में 102 रन पर सिमट गई। इस मैच का मैने आफ दा मैच तन्मय तिवाडी भदौरिया क्रिकेट एकेडमी रहे।

शास्त्री क्रिकेट एकेडमी 102 ऑल आउट 17.3 ओवर में

जयपुर, 4 अप्रैल। हुकम सिंह गाउण्ड में दूसरे मैच में राजीव गांधी एकेडमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए शिफान खान 61 रन (27 बाल 3 चौके व 6 छक्के तथा सचिन काकोडिया 50 रन नाबाद (31 गेंद 1 चौका 4 छक्के की मदद से निर्धारित 20 ओवर में 5 विकेट खोकर 185 रन बनाये गेंदबाजी में मयंक गिल व तेजकरण प्रत्येक 2-2 विकेट लेकर सफल गेंदबाज रहे। जवाबी पारी में स्टार क्रिकेट एकेडमी के विजय 49 रन व वरूण 25 रन की कुछ हद तक रन बनाने में सफल हो सकें। और निर्धारित 20 ओवर में 5 विकेट खोलकर 113 रन ही बना सकें। राजीव गांधी की ओर से सोरभ यादव देवाग सिगोदिया, विजय शर्मा श्याम सुन्दर व सचिन यादव प्रत्येक 1-1 विकेट लेकर सफल गेंदबाज रहें। इस मैच का मैन ऑफ दी मैच शिफान खान राजीव गांधी क्रिकेट एकेडमी रहें।

गाँव का युवा गाँव में ही प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करे- भजनलाल

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि अटल ज्ञान केन्द्रों पर ई-मित्र व ऑनलाइन क्लासेज़ की सुविधाएं विकसित करें

जयपुर, 4 अप्रेल। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि अटल ज्ञान केन्द्रों के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों के युवाओं को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए अब पंचायत स्तर पर ही आधुनिक लाइब्रेरी सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाएंगी। राज्य सरकार की मंशा है कि गांव का युवा गांव में ही प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर सके, इसके लिए अटल ज्ञान केन्द्रों को समुचित मूलभूत एवं आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित किया जाए, ताकि युवाओं को पढ़ाई के लिए शहरों की ओर पलायन न करना पड़े।

शर्मा ने शनिवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में आयोजित बैठक में निर्देश दिए कि अटल ज्ञान केन्द्रों पर प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए उपयोगी पुस्तकें, पत्र-पत्रिकाएं तथा डिजिटल संसाधनों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। साथ ही, इन केन्द्रों पर ई-मित्र सेवाएं एवं ऑनलाइन क्लासेस की सुविधा भी विकसित की जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अटल ज्ञान केन्द्रों के नवीन भवनों के निर्माण में गुणवत्ता एवं उपयोगिता का विशेष ध्यान रखा जाए। प्रत्येक केन्द्र का मानक नक्शा (मॉडल डिजाइन) तैयार कर उसे मॉडल के रूप में विकसित किया जाए।

मुख्यमंत्री ने स्वायत्त शासन विभाग को अपशिष्ट प्रबंधन को सुदृढ़ करने के लिए एकीकृत कंट्रोल रूम

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

मॉडल को सुदृढ़ीकरण के साथ अपनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इसके लिए जयपुर को स्मार्ट मैनेजमेंट और उन्नत तकनीक आधारित मॉडल सिटी के रूप में विकसित करने की दिशा में कार्य किए जाए, जिससे स्वच्छता, स्वास्थ्य और सार्वजनिक सुरक्षा को नई मजबूती मिल सकें।

शर्मा ने अमृत 2.0 योजना के अंतर्गत सीवरेज कार्यों को निर्धारित समय सीमा में पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों में देरी से लागत बढ़ती है। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि किसी भी विकास कार्य में देरी

- **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने यह भी निर्देश दिए कि मानसून से पहले सीवरेज कार्यों से प्रभावित सड़कों के गड्ढों व क्षतिग्रस्त हिस्सों की मरम्मत करें ताकि आमजन को बारिश के दौरान किसी प्रकार की परेशानी नहीं हो।**

के लिए जिम्मेदारी तय कर कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि मानसून से पूर्व सीवरेज कार्यों से प्रभावित सड़कों के गड्ढ़ों एवं क्षतिग्रस्त हिस्सों की मरम्मत की जाए, ताकि आमजन को बारिश के मौसम में किसी प्रकार की परेशानी नहीं हो। इस दौरान उन्होंने एफएसटीपी एवं शहरी क्षेत्रों में स्ट्रीट लाइट्स लगाए जाने के कार्यों में गति लाने के निर्देश दिए।

बैठक में पंचायतीराज मंत्री मदन दिलावर, नगरीय विकास राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) झाबर सिंह खर्रा सहित, मुख्यमंत्री कार्यालय, नगरीय विकास, स्वायत शासन एवं पंचायतीराज विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। साथ ही, मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास विडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से जुड़े।

ईरान ने तैनात किया नया एयर डिफेंस

तेहरान, 04 अप्रैल। ईरान ने क्षेत्र में जारी सैन्य तनाव के बीच अपनी रक्षा रणनीति को मजबूत करते हुए नया एयर डिफेंस सिस्टम तैनात करने का दावा किया है।

ईरानी सेना के अनुसार, इस आधुनिक प्रणाली का उद्देश्य देश की हवाई सुरक्षा क्षमता को बढ़ ाना और दुश्मन के लड़ाकू विमानों को रोकना है।

ईरान के संयुक्त सैन्य कमांड ख़तम अल-अंबिया वायु रक्षा बेस ने

- **ईरान ने दावा किया वह जल्दी ही अपने एयर स्पेस पर नियंत्रण हासिल कर लेगा।**

कहा कि यह नया सिस्टम हाल ही में तैनात किया गया है और इसका इस्तेमाल अमेरिकी लड़ाकू विमान को निशाना बनाने के लिए भी किया गया। हालांकि, इस दावे की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हो सकी है।

ईरानी सेना का कहना है कि एक महीने से अधिक समय से जारी अमेरिका-इज़रायल के हवाई हमलों के बावजूद वह जल्द ही अपने एयरस्पेस पर पूर्ण नियंत्रण हासिल कर लेगा।

जोधपुर की पॉश सोसायटी के फ्लैट में मिनी ड्रग फैक्ट्री पकड़ी

एंटी गैंगस्टर टॉस्क फोर्स ने छापे में दो करोड़ रूपए की एमडी ड्रग, नशीली गोलियाँ व उपकरण जब्त किए

जोधपुर, 4 अप्रेल (कासं)। प्रदेश में नशे के सौदागरों के खिलाफ चल रहे अभियान के तहत, एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ) और जोधपुर पुलिस को एक और बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने जोधपुर की पॉश सोसाइटी आशापूर्णा प्लेटिनम के एक फ्लैट में चल रही मिनी ड्रग फैक्टरी का भी भंडाफोड़ किया है। इस रेड में पुलिस ने अंतरराष्ट्रीय बाजार में दो करोड़ रुपये से अधिक कीमत की एमडी ड्रग, नशीली गोलियां और उपकरण बरामद किए हैं। इस पूरे ऑपरेशन की रूपरेखा अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस दिनेश एमएन के निर्देशन में तैयार की गई थी। एसपी ज्ञानचंद यादव और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नरोत्तम वर्मा के सुपरविजन में टीमों को सक्रिय किया गया, जिसमें सहायक उप निरीक्षक राकेश जाखड़ व कांस्टेबल सुमेर सिंह की सटीक सूचनाओं ने इस ड्रग फैक्टरी के केन्द्र तक पहुंचने का रास्ता साफ किया।

मामले की शुरुआत दो अप्रैल को गणपतराम विश्नोई की गिरफ्तारी से हुई।

- **दो अप्रेल को पकड़े गए मकान की छत पर ड्रग फैक्ट्री चलाने वाले गणपत राम से प्राप्त जानकारी पर ड्रग कारोबार के मास्टर माइंड भरत विश्नोई उर्फ आसुराम के आशापूर्णा प्लेटिनम के फ्लैट नम्बर यूए 803 पर छापा मारकर एजीटीएफ ने ये सफलता प्राप्त की**

बनाड़ क्षेत्र में एजीटीएफ ने आरोपी की मकान की छत पर बनी एक अन्य ड्रग फैक्टरी का खुलासा करते हुए तीन किलो से अधिक एमडी और 55 किलो से अधिक केमिकल बरामद किया था। पुलिस कस्टडी में गणपतराम ने खुलासा किया कि वह तो महज एक मोहरा है, असली मास्टरमाइंड भरत विश्नोई उर्फ आसुराम उर्फ लक्की है, जो अपनी पहचान छुपाकर आशापूर्णा प्लेटिनम के फ्लैट नंबर यूए 803 में एक महिला के साथ रहता है और सफेद जहर तैयार कर रहा है।

जब पुलिस टीम ने फ्लैट का दरवाजा तोड़ा तो अंदर अलमारी में रखा एक यूएमएमएयूएल लिखा बैग बरामद हुआ। इस बैग के अंदर नशे का जखीरा था। मौके पर बुलाई गई एफएसएल और एनसीबी की टीमों ने पुष्टि की कि बरामद सामान न केवल घातक एमडी ड्रग है, बल्कि उसमें उच्च गुणवत्ता वाला केमिकल भी शामिल है। पुलिस ने 366 ग्राम शुद्ध एमडी बरामद की। इसके साथ ही, 1.178 किलोग्राम ऐसा संदिग्ध केमिकल और पाउडर मिला, जो तैयार एमडी से भी अधिक उच्च श्रेणी का था। अल्ट्राटेक सीमेंट की पीली टेप से लिपटे पैकेटों और जीपर पाउच में 2000 से अधिक कुल 3.663 किलोग्राम नशीली गोलियां बरामद हुईं। मौके से एक इलेक्ट्रॉनिक कांटा, टेप रोल और आरोपी के बच्चों के आधार कार्ड सहित, कई अहम दस्तावेज जब्त किए गए।

दिल्ली में एक बार फिर "कृत्रिम बारिश" का प्रयास होगा

गत वर्ष भी आईआईटी कानपुर के सहयोग से यह प्रयास किया गया था, पर, असफल रहा था

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 4 अप्रैल। जैसे-जैसे दिल्ली लगातार वायु प्रदूषण की समस्या से जूझ रही है, अधिकारियों ने फिर से कृत्रिम बारिश की ओर रुख करने पर विचार किया है। आईआईटी कानपुर ने अप्रैल से जून के बीच क्लाउड सीडिंग (बादल बौछार) परीक्षण करने के लिए नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) से अनुमति मांगी है।

क्लाउड सीडिंग परियोजना को पिछले साल पहली बार दिल्ली सरकार और आईआईटी कानपुर ने मिलकर शुरु किया गया था। यह एक आपातकालीन उपाय के रूप में प्रदूषण के उच्च स्तर के समय लागू किया गया, और इसे एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) के माध्यम से औपचारिक रूप दिया गया।

असामान्य मौसम और नियामक अनुमतियों के कारण हुई महीनों की देरी के बाद, अक्टूबर 2025 के अंत में दो दौर के परीक्षण किए गए। ऑपरेशन में

- **पर, दिल्ली में प्रदूषण की समस्या से निपटने का "कृत्रिम बारिश" ही प्रभावी तरीका माना जाता है। अतः, एक बार फिर अप्रैल व जून में यह कोशिश की जाएगी।**

इस्तेमाल किए गए विमानों में विशेष रूप से सुसज्जित "सेसना" विमान भी शामिल था, जिसने दिल्ली के कुछ हिस्सों में बादलों में सिल्वर आयोडाइड, आयोडाइज्ड नमक और रॉक सॉल्ट का मिश्रण छोड़ा, ताकि बारिश उत्पन्न हो और हवा में तैर रहे प्रदूषक जम सकें।

लेकिन यह प्रयास सफल नहीं रहा।

आईआईटी कानपुर ने अपनी मूल्यांकन रिपोर्ट में कहा कि प्राप्त परिणाम का कारण बादलों में नमी की कम मात्रा थी और परिस्थितयाँ वर्षा के अनुकूल नहीं थी। विशेषज्ञ लगातार यह रेखांकित करते रहे ह ैं कि क्लाउड सीडिंग बादल नहीं बना सकती, यह केवल तब काम करती है, जब पर्याप्त बादल और आर्द्रता मौजूद हों।

सूत्रों ने इस बात की पुष्टि की कि उन परिणामों के बाद, इस साल की शुरुआत में दिल्ली में एक और दौर के परीक्षण किए गए।

जहाँ अधिकारी इस विकल्प को आगे भी काम में लेना चाह रहे हैं, वहीं विशेषज्ञ इसे केवल एक अल्पकालिक, सहायक उपाय मानते हैं, जो प्रदूषण से केवल अस्थायी राहत प्रदान कर सकता है और केवल अनुकूल मौसम की स्थिति में ही प्रभावी होता है।

क्लाउड सीडिंग एक मौसम संशोधन तकनीक है, जिसमें सिल्वर आयोडाइड या नमक जैसे पदार्थ मौजूदा बादलों में फैलाए जाते हैं, ताकि वर्षा बढ़ सके। ये कण नाभिक के रूप में कार्य करते हैं, पानी की बूंदों के निर्माण में मदद करते हैं, जिससे बारिश हो सकती है।

भाजपा कार्यालय पर हमले में 5 गिरफ्तार

चंडीगढ़ , 04 अप्रैल। पंजाब पुलिस के काउंटर इंटेलिजेंस विंग ने चंडीगढ़ पुलिस के साथ संयुक्त कार्रवाई में सेक्टर-37 स्थित भाजपा कार्यालय के बाहर हुए ग्रेनेड हमले का खुलासा किया है। इस मामले में पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है, जिनके कब्जे से एक हैंड ग्रेनेड, एक

- **सभी पांच आरोपियों के तार पाकिस्तान की गुप्तचर एजेंसी आईएसआई द्वारा संचालित आतंकी मॉड्यूल से बताए जा रहे हैं।**

.30 बोर जिगाना पिस्तौल और जिंदा कारतूस बरामद किए गए हैं।

डीजीपी पंजाब गौरव यादव ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों की पहचान बलविंदर लाल उर्फ शम्मी (गांव माजरी, एसबीएस नगर), जसवीर सिंह उर्फ जस्सी (गांव भरापुर, एसबीएस नगर), चरणजीत सिंह उर्फ चन्नी (गांव सुजावलपुर, एसबीएस नगर), रूबल चौहान (गांव ठाणा, शिमला) और मनदीप उर्फ अभिजोत शर्मा (धूरी, संगरूर) के रूप में हुई है।

'केजरीवाल पर चड्ढा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

नेता ने उन्हें, औपचारिक या अनौपचारिक रूप से, हस्ताक्षर करने के लिए नहीं कहा। उन्होंने यह भी कहा कि उनकी पार्टी के कई अन्य सांसदों ने भी इस प्रस्ताव पर हस्ताक्षर नहीं किए थे।

सांसद ने कहा कि संसद में उनका ध्यान जनता के मुद्दों, जैसे जीएसटी, आयकर, दिल्ली में वायु प्रदूषण, पंजाब में जल समस्याएँ, सार्वजनिक स्वास्थ्य, शिक्षा, रेलवे यात्री मुद्दे, मासिक धर्म एवं स्वास्थ्य, बेरोजगारी और महंगाई पर केन्द्रित रहा।

चड्ढा ने कहा कि वे संसद में "प्रभाव पैदा करने के लिए जाते हैं, शोर मचाने के लिए नहीं", क्योंकि संसद करदाताओं के पैसे पर चलती है और उनकी जिम्मेदारी है कि वे उनके मुद्दों को उजागर करें। उन्होंने कहा, हर झूठ उजागर किया जायेगा।"

"आप" के अंदरूनी सूत्रों ने नाम गुप्त रखने की शर्त पर बताया कि पार्टी प्रमुख अरविंद केजरीवाल को चड्ढ़ा के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए उकसाया गया, क्योंकि उनकी सोशल मीडिया प्रोफ़ाइल के कारण वे बहुत लोकप्रिय हो रहे थे।

सूत्रों ने कहा, चड्ढ़ा के खिलाफ इस प्रतिशोध का कारण उन कई नेताओं की ईर्ष्या है, जिनकी बात केजरीवाल सुनते हैं।

उनकी फिल्म अभिनेत्री पत्नी परिणीति चोपड़ा से उन्हें वह प्रचार मिलता है, जो पार्टी के अन्य लोगों के पास नहीं है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर उनकी बढ़ती लोकप्रियता के कारण, उनके लिये कई दरवाजे स्वतः खुल जाते हैं।

भाजपा के बड़े नेता राघव को पार्टी में आने के लिये लुभाने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन बताया जाता है कि वे इस समय वे कोई कदम नहीं उठाना चाहते। हालांकि वे गंभीरता से अपने भविष्य के विकल्पों पर विचार कर रहे हैं।

ईरान के खुज़ेस्तान में 6 पेट्रो केमिकल प्लांट पर हवाई हमला

तेहरान, 04 अप्रैल। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के बीच अमेरिका और इज़रायल ने दक्षिण-पश्चिमी ईरान के खुज़ेस्तान प्रांत के कई पेट्रो केमिकल प्लांट पर हवाई हमले कर उन्हें निशाना बनाया है। ?

महशहर इलाके में हुए इन हमलों में कम-से-कम 5 लोग घायल हुए हैं, जबकि कई औद्योगिक ठिकानों को नुकसान पहुंचा है। ताजा घटनाक्रम ने क्षेत्र में पहले से जारी सैन्य तनाव को और बढ़ ा दिया है।

ईरान की सरकारी समाचार संस्था प्रेसईडी टीवी के अनुसार, शनिवार को स्थानीय समयानुसार सुबह 10:45 बजे अमेरिका और इजराइल ने ईरान के दक्षिण-पश्चिमी प्रांत खुज़ेस्तान में मौजूद छह पेट्रोकेमिकल प्लांट को निशाना बनाकर हवाई हमले किए, जिसमें कम-से-कम पांच लोग घायल हो गए हैं।

- **हमले में 5 नागरिक घायल हो गए।**

इसके अलावा महशहर शहर के पूर्वी और पश्चिमी हिस्सों में भी ये हमले किए गए।

स्थानीय अधिकारियों के अनुसार, ईरान और इराक के बीच शालमचेह सीमा चौकी पर भी हमला किया गया। इस हमले से गंभीर नुकसान पहुंचा है।

शनिवार को जारी बयान में महशहर के पेट्रोकेमिकल क्षेत्र के जनसंपर्क विभाग ने कहा कि सभी कर्मचारियों को प्लांट से निकाल लिया गया है और क्षेत्र की बिजली काट दी गई है। बयान में कहा गया है कि आपातकालीन बचाव दल, चिकित्सा कर्मी और अग्निशमन विभाग कर्मी क्षेत्र में मौजूद हैं और स्थिति नियंत्रण में है।

अब तक का सबसे ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सामिक भट्टाचार्य ममता बनर्जी और उनके वरिष्ठ पार्टी सदस्यों की तुलना में कहीं अधिक शिक्षित बंगाली हैं। वे अपने भाषणों में श्रेष्ठ बंगाली कविता का उपयोग करने में निपुण हैं। इस मामले में, वे बंगाल के पुराने राजनेताओं की परंपरा में आते हैं।

लेकिन सतही रूप से देखा जाए, तो बंगाल में चुनावी हिंसा और डराना-धमकाना 1977 में लेफ्ट फ्रंट के सत्ता में आने के बाद से ही प्रचलित है। केन्द्रीय बलों को तैनात किया गया है, फिर भी राज्य भर में तृणमूल कांग्रेस के गुंडों द्वारा डराने-धमकाने की कई घटनाएं हुई हैं।

टीएमसी के राजू मंडल ने मतदाताओं को डराने और उन्हें भाजपा के पक्ष में एक भी वोट डालने से रोकने के लिए घर-घर जाकर धमकाया। शिकायत मिलने पर, राजू मंडल को गिरफ्तार कर लिया गया और हिरासत में ले लिया गया। लेकिन तृणमूल कांग्रेस की मददगार टीम ने तुरंत काम किया और राजू को जमानत मिल गई। तुरंत ही राजू अपने पुराने काम में लौट आए और धमकी भरे दौरे दोबारा शुरू कर दिए।

इसी तरह, माल्दा और मुर्शिदाबाद जिलों में तृणमूल कांग्रेस के कुछ गुंडे अत्यधिक सक्रिय हैं और रोज़ अपनी धमकियों को बदलते रहते हैं। प्रतिशोध और जान के डर से कोई उनके खिलाफ शिकायत दर्ज नहीं कर रहा।

वर्तमान संकेतों के आधार पर, यह कहा जा सकता है कि इस बार बंगाल का चुनाव अत्यधिक हिंसक होगा, जिसका नेतृत्व कोई और नहीं, बल्कि राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ही करेंगी।

ओलावृष्टि ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जरूरत है। मौसम विभाग के अनुसार, पश्चिमी राजस्थान, गुजरात, पश्चिमी मध्य प्रदेश, कर्नाटक, तेलंगाना, तटीय आंध्र प्रदेश, ओडिशा, बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में भी मौसम बिगड़ सकता है। एक तरफ जहां देश के ज्यादातर हिस्सों में बारिश और आंधी की संभावना जताई गई है, वहीं ओडिशा में मौसम विभाग ने भीषण गर्मी और उमस को लेकर भी चेतावनी जारी की है।

मौसम की सबसे ज्यादा मार किसानों पर पड़ी है। राजस्थान के कई जिलों में ओलावृष्टि के कारण फसलों को भारी नुकसान हुआ है। राजस्थान के उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा ने इसे प्राकृतिक आपदा करार दिया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के निर्देश पर सभी अधिकारियों को नुकसान का आकलन करने के लिए कहा गया है। सरकार संकट की इस घड़ी में पूरी तरह से किसानों के साथ खड़ी है।

बलोचिस्तान में पाकिस्तान सुरक्षा बलों के 86 जवान मारे गए

बलोचिस्तान के सशस्त्र विद्रोही ही संगठन बलोचिस्तान लिबरेशन आर्मी ने घटना का जिम्मा लिया

इस्लामाबाद, 04 अप्रैल। पाकिस्तान के अशांत प्रांत बलोचिस्तान में आजादी की मांग को लेकर मुखर सशस्त्र विद्रोही संगठन बलोचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने पाकिस्तानी सुरक्षा बलों के 86 जवानों को मार गिराने का दावा किया है। बीएलए ने कहा कि सेना के कई रडार नष्ट कर दिए गये हैं। सैन्य काफिले, हवाई अड्डा और मौत के दस्ते पर हमले कर सुरक्षा बलों को पीछे हटने को मजबूर कर दिया गया।

- **संगठन ने एक्स पर एक वीडियो भी जारी किया, 14 मिनट के वीडियो में हमले की पूरी घटना दिखाई गई है।**

"द बलोचिस्तान पोस्ट" की रिपोर्ट के अनुसार, बीएलए ने हमले की जिम्मेदारी लेते हुए एक्स पर वीडियो जारी किया है। यह वीडियो 14 मिनट का है। इस वीडियो में रडार प्रणालियों का विनाश, शम्सी एयरबेस पर रॉकेट से हमला, झाल मगसी पर हमले, सोराब और कुर्दगाप में सैन्य काफिलों पर हमले और कदन और मस्तुंग में सैन्य शिविरों पर हमले दिखाए गए हैं। वीडियो में दावा किया गया है कि बीएलए ने दलबांदिन में खनन स्थल पर नियंत्रण हासिल कर लिया है।

नासिक में बड़ा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

परिवार वाले एक सामाजिक कार्यक्रम में शामिल होकर घर लौट रहे थे। रात के अंधेरे में अचानक चालक का वाहन पर से नियंत्रण छूट गया और कार सीधे सड़क किनारे बने गहरे कुएं में गिर पड़ी।

घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस, प्रशासन और एनडीआरएफ की टीमें मौके पर पहुंच गईं। देर रात तक चले बचाव अभियान में कड़ी मशक्कत के बाद कार और शवों को कुएं से बाहर निकाला गया। हादसे के बाद पुलिस ने कुएं के मालिक राजेंद्र राजे के विरुद्ध मामला दर्ज किया गया है। साथ ही प्रदेश सरकार ने इस घटना में मृतकों के परिवार के लोगों को 5-5 लाख रुपये की आर्थिक मदद का ऐलान किया गया है। इस घटना के बाद महाराष्ट्र के मंत्री गिरीश महाजन और मंत्री नरहरि झिरवल ने घटनास्थल का दौरा किया। इसके बाद मंत्री गिरीश महाजन ने कहा कि यह बहुत ही दुखद घटना है। महाजन ने कहा कि इस घटना की जांच का भी आदेश मुख्यमंत्री ने दिया है। साथ उन्होंने जिला प्रशासन को इस खतरनाक बन चुके कुएं को तत्काल बंद करने का भी आदेश दिया है। यही नही अब सरकार सडक किनारे स्थित सभी कुओं का सर्वे भी कराएगी।

एस.आई. भर्ती परीक्षा-2021 ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

दर्ज याचिका को भी रद्द किया है। आयोग के तत्कालीन अध्यक्ष व सदस्यों ने अपील में एकलपीठ की ओर से दिए फैसले में उनके खिलाफ की गई टिप्पणियों को हटाने की गुहार की थी।

असफल अभ्यर्थियों की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता मेजर आरपी सिंह और अधिवक्ता हरेन्द्र नील ने परीक्षा रद्द करने की गुहार करते हुए कहा था कि आर.पी.एस.सी. के निलंबित सदस्य बाबूलाल कटारा ने परीक्षा से 35 दिन पहले तत्कालीन सदस्य रामूराम राइका को पेपर दिया था। कटारा ने अपने ड्राइवर के बेटे अजय प्रताप सिंह, रिश्तेदार विजय डामोर व राहुल कटारा, शिक्षक कुंदन, सहायक लेखाधिकारी संदीप कुमार व पुरुषोत्तम दाधीच, शिवसिंह एवं तत्कालीन पीएसओ राजकुमार यादव को भी पेपर दिया। राइका ने अपने बेटे-बेटी को यह पेपर दिया था। भर्ती में दोषियों की छंटनी मुश्किल है, इसलिए इसे रद्द किया जाए।

इसके विरोध में राज्य सरकार की ओर से महाधिवक्ता राजेन्द्र प्रसाद, सफल अभ्यर्थियों की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता आर.एन.माथुर, वरिष्ठ अधिवक्ता कमलाकर शर्मा व वरिष्ठ अधिवक्ता विकास बालिया ने कहा कि पेपर लीक व्यापक स्तर पर नहीं हुआ था और दोषियों की छंटनी संभव है। कुछ चयनित अभ्यर्थियों की ओर से कहा गया कि वे पुरानी नौकरी छोड़कर आए थे और जांच में वे बेदाग निकले हैं, ऐसे में भर्ती रद्द करना ठीक नहीं है।

गौरतलब है कि राजस्थान हाईकोर्ट में एस.ओ.जी. की जांच रिपोर्ट एक अभ्यर्थी द्वारा पेश किए जाने पर भी सवाल उठाए गए थे, क्योंकि यह रिपोर्ट सार्वजनिक रूप से उपलब्ध नहीं थी। जिस पर कोर्ट ने कहा कि यह जनहित से जुड़ा मुद्दा है, इसलिए यह बेहद छोटी-मोटी बातें है कि, जांच रिपोर्ट कहां मिली, कैसे मिली? यह देखने लायक बात है कि जांच रिपोर्ट में जो तथ्य है, वह बेहद जरूरी हैं और जनहित से जुड़े हुए हैं। कोर्ट ने जांच रिपोर्ट को आधार बनाते हुए कहा कि, एस.ओ.जी. ने इस भर्ती पेपरलीक मामले में 138 लोगों को गिरफ्तार किया है, 133 के खिलाफ चार्जशीट पेश हुई हैं, 85 लोग फरार हैं। इसके साथ ही 51 एस.आई. ट्रेनी हैं, जिन्होंने परीक्षा पास कर ली थी, जिन्हें बाद में गिरफ्तार किया गया। इस भर्ती परीक्षा को रद्द करवाने के लिए दायर मूल याचिकाकर्ता कैलाश चंद शर्मा की ओर से अदालत में वरिष्ठ अधिवक्ता आर.पी. सिंह ने पैरवी की थी।

ट्रम्प का ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

किसी भी तरह का अवरोध अंतरराष्ट्रीय बाजार पर बड़ा असर डाल सकता है। ट्रम्प ने संकेत दिया कि अगर ईरान ने इस मार्ग को खोलने में देरी की, तो गंभीर परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं।

इसी के साथ, ट्रम्प ने नाटो पर भी तीखा हमला बोला। उन्होंने गठबंधन को कमजोर और गैर-भरोसेमंद करार देते हुए कहा कि मौजूदा हालात में यह अपने दायित्वों को प्रभावी ढ ंग से निभाने में विफल रहा है।

ट्रम्प ने यह भी संकेत दिया कि अमेरिका नाटो के साथ अपने संबंधों की समीक्षा कर सकता है। उन्होंने ईरान से जुड़े मौजूदा तनाव के दौरान कुछ सहयोगी देशों के रुख पर नाराजगी जताई।

केदारनाथ ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आगामी 22 अप्रैल को कपाट खुलने की प्रस्तावित तिथि को देखते हुए प्रशासन और संबंधित एजेंसियों की चिंताएं बढ़ गई हैं। बदरी-केदार मंदिर समिति (बीकेटीसी) के सदस्य विनीत पोस्ती ने जानकारी देते हुए बताया कि धाम में बीती शाम से ही बर्फबारी जारी है। जिन स्थानों से बर्फ हटाई गई थी, वहां फिर से बर्फ जम गई है, जिससे व्यवस्थाएं प्रभावित हो रही हैं। उन्होंने कहा कि लगातार बर्फबारी के चलते यात्रा व्यवस्थाओं को सुचारू रूप से तैयार करने में कठिनाई आ रही है।

उत्तराखंड में मौसम विभाग ने राज्य के उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, चमोली, बागेश्वर एवं पिथौरागढ़ जनपद में कहीं-कहीं गरज के साथ बारिश होने की संभावना जताई है। जबकि 3300 मीटर से उससे अधिक उत्तराखंड के शेष जनपदों के कुछ स्थानों में हल्की से मध्यम बारिश गरज व चमक के साथ हो सकती है। उत्तराखंड में मौसम विभाग ने उत्तराखंड के देहरादून, टिहरी, उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, चमोली, बागेश्वर व पिथौरागढ़ जनपदों में गरज के साथ बारिश होने का अंदेशा जताया है।

होर्मुज़ स्ट्रेट से भारत के 8 जहाज सुरक्षित निकले दो और निकलने वाले हैं

इसे भारत की भारी कूटनीतिक सफलता के रुप में देखा जा रहा है

नई दिल्ली, 04 अप्रैल। पश्चिम दिशा में जारी जंग के दौरान भारत के एलपीजी टैंकर ग्रीन सानवी ने सफलता पूर्वक होर्मुज़ स्ट्रेट पार कर आज एक बार फिर देश को काफी राहत वाली खबर दी है। अमेरिका और इज़रायल तथा ईरान के बीच जारी जंग की वजह से होर्मुज़ स्ट्रेट के रास्ते गुजरने वाले माल वाहक जहाज और ऑयल या गैस टैंकर की आवाजाही लगभग ठप पड़ी हुई है। ईरान द्वारा होर्मुज़ स्ट्रेट की नाकाबंदी कर देने के कारण पूरी दुनिया में ऊर्जा संकट का खतरा मंडराने लगा है। ऐसी स्थिति में भारत के ऑयल और गैस टैंकर्स के इस रास्ते से सुरक्षित गुजरने से भारत की कूटनीतिक सफलता जग जाहिर हो गई है।

होर्मुज़ स्ट्रेट की नाकाबंदी के कारण वहां दुनिया भर के जहाज फंसे

- **युद्ध के बावजूद भी ईरान के साथ कूटनीतिक स्तर पर भारत की वार्ता जारी है।**

हुए हैं। वहीं भारत एक-एक कर अपने जहाजों को वहां से सुरक्षित निकाल रहा है। ग्रीन सानवी समेत अभी तक कम से कम आठ भारतीय जहाज होर्मुज़ स्ट्रेट से सुरक्षित निकल चुके हैं। इनमें ग्रीन सानवी के अलावा शिवालिक, नंदा देवी, जग लाड़की, पाइन गैस, जग वसंत, बीडब्ल्यू टायर और बीडब्ल्यू एल्म के नाम शामिल हैं।

इन आठ जहाजों के अलावा, दो और जहाज ग्रीन आशा और जग विक्रम के भी आने वाले दिनों में होर्मुज़ स्ट्रेट पार कर भारत पहुंचने की उम्मीद है। इस तरह भारत का नाम उन देशों में शामिल हो गया है, जिनके सबसे ज़्यादा जहाज युद्ध प्रभावित होर्मुज़ स्ट्रेट से सुरक्षित गुजरे हैं। इससे भारत की ऊर्जा सप्लाई बनी हुई है और आम लोगों की ईंधन की जरूरत पूरी हो रही है।

जानकारों का कहना है कि इन जहाजों के सुरक्षित गुजरने से यह साफ है कि भारत ने मुश्किल हालात में भी अपनी ऊर्जा आपूर्ति को बनाए रखा है। भारत के आठ जहाजों के सुरक्षित निकल जाने के बावजूद, इस समय 15 से ज्यादा भारतीय झंडे वाले जहाज होर्मुज़ स्ट्रेट के मुहाने पर मौजूद हैं, जिन पर करीब 485 भारतीय नाविक सवार हैं। उम्मीद की जा रही है कि भारत सरकार ईरान से बातचीत कर जल्दी ही इन जहाजों को भी होर्मुज़ के रास्ते सुरक्षित निकालने में सफल रहेगी।

राहत की बात ये है कि युद्ध के बावजूद ईरान के साथ भारत सरकार लगातार कूटनीतिक स्तर पर बातचीत जारी रखे हुए है। इसी बातचीत के कारण पिछले सप्ताह ही ईरान ने कहा था कि अमेरिका, इजरायल और उनके सहयोगी देशों के अलावा मित्र देशों के जहाज ईरानी अधिकारियों के साथ कोऑर्डिनेशन में होर्मुज़ को पार कर सकते हैं। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा था कि होर्मुज़ स्ट्रेट उन देशों के लिए चालू है, जो तेहरान के साथ जुड़े हुए हैं और जिन्हें दोस्त माना जाता है। इस क्रम में उन्होंने भारत का उल्लेख भी दोस्त के रूप में किया था।

मार्डन मीडिया, बीकानेर के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 35214/79, जयपुर कार्यालयः सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोनः 2372634, 4103333-34, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोनः 2386031, 2386032,फैक्सः0744-2386033, उदयपुर कार्यालयः आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोनः 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालयः-राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोनः 2627612, फैक्सः0145-2624665, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोनः 226422,226423, फैक्सः 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोनः 230200, 230400, फैक्सः 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्सः 01562-256908